किसानो को नहीं मिल रही डीएपी खाद्य, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने किया विरोध

यूथ की आवाज़

वर्ष 07 अंक 95 पृष्ठ 08 मूल्य 04 रुपये उदयपुर मंगलवार 19 नवंबर 2024 Youth Ki Awaaz

एनएसएस वॉलंटियर्स ने रैली निकालकर लोगों को नारी सशक्तिकरण के बारे में किया जागरूक

www.youthkiawaaz.co.in शंभू बॉर्डर पर बैठे किसान करेंगे दिल्ली कूच, छह दिसंबर को पैदल आगे बढ़ेगा जत्था 6 दिल्ली में वायु प्रदूषण से निपटने के लिए 2,200 से अधिक पुराने वाहन जब्त, जानें डिटेल्स 06

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में कहां-किनके बीच मुकाबला? जानें सभी 288 सीटों का हाल

नयी दिल्ली। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव 2024 का प्रचार सोमवार को खत्म गया। बुधवार (20 नवंबर) को प्रदेश के 36 जिलों की सभी 288 विधानसभा सीटों पर मतदान कराया जाएगा। इस चुनाव में कुल 4,136 उम्मीदवार अपना सियासी भाग्य आजमा रहे हैं। यानी एक सीट पर औसतन 14 से अधिक उम्मीदवार उतरे हैं। महाराष्ट्र चुनाव की चर्चित चेहरों में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार, पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले और पूर्व मंत्री आदित्य ठाकरे शामिल हैं। पूर्व मंत्री नवाब मलिक, भाजपा से शिवसेना में आईं शाइना एनसी, कृषि मंत्री धनंजय मुंडे, महाराष्ट्र सपा प्रमुख अबु आजमी और पूर्व मंत्री जयंत पाटिल के सियासी भाग्य का फैसला भी इस चुनाव में होना है। महाराष्ट्र चुनाव में पिछली बार से 27.7 प्रतिशत अधिक कुल 4,136 उम्मीदवार मैदान में हैं। इनमें 2,086 निर्दलीय दावेदार हैं। 2019 में जब मुकाबला भाजपा-शिवसेना और कांग्रेस-एनसीपी गठबंधन के बीच था, तब कुल 3,239 उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा था। इस बार, पिछले दो वर्षों में शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के टूटने से राजनीतिक परिदृश्य काफी बदल गया है। इस बार महाराष्ट्र में मुख्य मुकाबला महायुति और महाविकास अघाड़ी के बीच माना जा रहा है। चुनाव आयोग के आंकड़े के अनुसार, सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन में से भाजपा ने सबसे ज्यादा 149 उम्मीदवार मैदान में उतारे हैं। वहीं महायुति में शामिल मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने 81 उम्मीदवार और उपमुख्यमंत्री अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी ने 59 उम्मीदवार मैदान में उतारे हैं। भारतीय जनता पार्टी ने चार सीटें महागठबंधन में सहयोगी दलों के लिए भी छोड़ी हैं। इनमें केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले की अगुवाई वाली रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (अठावले) ने कलिना विधानसभा सीट से उम्मीदवार उतारा है। सूची में शामिल अन्य सहयोगी दलों में युवा स्वाभिमान पार्टी बडनेरा से, जन सुराज्य शक्ति पार्टी शाहूवाड़ी से और राष्ट्रीय समाज पार्टी गंगाखेड़ से चुनाव मैदान में उतरी है। इसके अलावा भाजपा के कई चेहरे दूसरे दलों के चुनाव चिह्न पर चुनाव मैदान में हैं जिनमें शाइना एनसी एक प्रमुख नाम हैं। वहीं दूसरी ओर विपक्षी महाविकास अघाड़ी में कांग्रेस ने सबसे ज्यादा 101 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे हैं। वहीं उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) ने 95 उम्मीदवार और एनसीपी (शरदचंद्र पवार) ने 86 उम्मीदवार मैदान में उतारे हैं। कुछ निर्वाचन क्षेत्रों में सहयोगियों के बीच 'दोस्ताना मुकाबला' होगा।

एक नजर

राहुल पर जेपी नड्डा का पलटवार, बोले- गठबंधन के साथी भी आपके साथ नहीं; आप एक होते हो तभी सेफ होते हो

नयी दिल्ली। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सोमवार को महाराष्ट्र में रैली के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा। नड्डा ने राहुल की तरफ से 'एक हैं तो सेफ हैं' नारे का मखौल उड़ाए जाने को लेकर गुस्सा जताया और कहा कि एक हैं तो सेफ हैं का मतलब यह है कि अगर एकता है, तो हम सुरक्षित रहते हैं। नड्डा ने कहा, पीएम मोदी जब कहते हैं कि एक हैं तो सेफ हैं, तो इसका मतलब होता है कि जब आप एक साथ रहेंगे तो सभी सुरक्षित रहेंगे। राहुल के एक हैं तो सेफ हैं का मतलब मैं आपको बताता हूं। राहुल की प्रेस कॉन्फ्रेंस में महा विकास अघाड़ी का एक साथी मौजूद नहीं था। इनके एक का मतलब है कि 'अकेले हैं तभी सुरक्षित हैं'। भाजपा प्रमुख ने आगे कहा कि राहुल गांधी हमेशा अकेले रहते हैं, इसलिए उन्हें लगता है कि वह सुरक्षित हैं। नड्डा ने राहुल पर निशाना साधते हुए यह भी कहा कि उन्हें पहले कांग्रेस के नेताओं को एकजुट करना चाहिए, तभी वे देश की एकता और सुरक्षा की बात कर सकते हैं

भारत को फंसाने में लगा यूरोप, बीच में रूस ने ली धांसू एंट्री

नयी दिल्ली। सस्ते के चक्कर में कभी कभी महंगा सौदा हो जाता है। रूस ने इस कहावत के जरिए भारत को आगाह किया कि अगर उसने सही समय पर निर्णय नहीं लिया तो ये फैसला आने वाले वक्त में भारत के लिए महंगा साबित हो सकता है। रूस ने साफ साफ भारत को चेतावनी दी कि अमेरिका और पश्चिमी देश भारत के स्वदेशीकरण का अध्ययन कर रहे और अपनी रणनीतियां बना रहे हैं। लेकिन इससे ठीक उलट रूस भारत के साथ सहयोग कर उनके रक्षा क्षेत्र को आत्मनिर्भर बनाने में ईमानदारी से मदद करना चाहता है। रूसी थिंक टैंक कॉरनोगी मॉस्को सेंटर के अनुसार अमेरिका और पश्चिमी देश ट्रांसफर ऑफ टेक्नोलॉजी (टीओटी) के नाम पर भारत को केवल भ्रमित कर रहे हैं। उनका उद्देश्य भारत की रक्षा क्षमताओं को मजबूत करना नहीं बल्कि उनका अध्ययन करना है। जिससे वो भारत की बढ़ती आत्मनिर्भरता के खिलाफ जवाबी रणनीतियां बना सके।

छोटा पोपट ने किया कांग्रेस को चौपट...राहुल गांधी के प्रेस कॉन्फ्रेंस पर बीजेपी ने कसा तंज

नयी दिल्ली। कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी को तिजोरी लाना और उसके इर्द-गिर्द ड्रामा करना शोभा नहीं देता। उन्होंने राहुल पर तंज कसते हुए कहा कि 'छोटा पोपट ने किया है कांग्रेस चोपट।

कांग्रेस नेता और लोकसभा नेता राहुल गांधी के प्रेस कॉन्फ्रेंस पर भाजपा की ओर से पलटवार किया गया है। भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा कि राहुल गांधी द्वारा की गई प्रेस कॉन्फ्रेंस बेहद निम्न स्तर की थी। कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी को 'तिजोरी' लाना और उसके इर्द-गिर्द ड्रामा करना शोभा नहीं देता। उन्होंने राहुल पर तंज कसते हुए कहा कि 'छोटा पोपट ने किया है कांग्रेस चोपट। उन्होंने कहा कि बालासाहेब ठाकरे ने अपने एक इंटरव्यू में राहुल गांधी को 'पोपट' नाम दिया था। कई सालों से 'तिजोरी' लूटने वाले लोग अब 'तिजोरी' का मतलब सुरक्षित मानते हैं।

हमने धारावी की जमीन किसी को नहीं दी, बीजेपी का कांग्रेस पर पलटवार, एक हैं तो सेफ हैं, राहुल गांधी फेक हैं

नई दिल्ली। भाजपा नेता ने कहा कि सच तो यह है कि जो धारावी में रहेगा उसे वहीं घर मिलेगा। प्रत्यक्ष निवेश के हिसाब से देखें तो सबसे ज्यादा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश यह देश महायुति सरकार के समय आया था।

भाजपा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर मुंबई में धारावी पुनर्विकास परियोजना के खिलाफ बदनामी भरा अभियान चलाने का आरोप लगाया है। एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान, भाजपा के विनोद तावड़े ने उद्योगपति गौतम अडानी के साथ कांग्रेस के पिछले व्यापारिक संबंधों पर प्रकाश डालते हुए आरोपों का खंडन किया। विनोद तावड़े ने कहा कि हमने धारावी की जमीन किसी को नहीं दी है। राहुल जी, धारावी की जमीन महाराष्ट्र सरकार की ही रहेगी। आपने (राहुल गांधी) कहा कि हम गरीबों को वहां से हटाना चाहते हैं। उन्होंने दावा किया कि यह टेंडर महा विकास अघाड़ी के समय बनी टेंडर शर्तों के आधार पर जारी किया गया था।

महाराष्ट्र और झारखंड में थमा चुनाव प्रचार का शोर, 20 नवंबर को डाले जाएंगे वोट, 23 को आएंगे नतीजे

नई दिल्ली। सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन में से, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 149 उम्मीदवार, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने 81 उम्मीदवार और डिप्टी सीएम अजित पवार के नेतृत्व वाली राकांपा ने 59 उम्मीदवार मैदान में उतारे हैं। 20 नवंबर को होने वाले महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव और झारखंड के दूसरे चरण के चुनाव के लिए आज प्रचार समाप्त हो गया। झारखंड में पहले चरण के 43 सीटों के लिए वोटिंग 13 नवंबर को हो चुकी है। महाराष्ट्र की 288 सीटों के लिए एक चरण में 20 नवंबर को वोट डाले जाएंगे। दोनों ही राज्यों के चुनावी नतीजे 23 नवंबर को आएंगे। महाराष्ट्र में 288 सीटों के लिए कुल 4,136 उम्मीदवार मैदान में हैं, जिनमें 2,086 स्वतंत्र दावेदार हैं। हालाँकि, इस बार, पिछले दो वर्षों में शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अलग होने से राजनीतिक परिदृश्य अधिक खंडित है।

एक बार फिर हिंसा की आग में जल रहा मणिपुर, दो दिन और बढ़ाया गया इंटरनेट बैन

नई दिल्ली। मणिपुर में स्थिति अस्थिर बनी हुई है और शनिवार को बड़े पैमाने पर हुई आगजनी के बाद सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है, जहां विधायकों और मंत्रियों के घरों को निशाना बनाया गया। इंफाल में राजभवन और बीजेपी के पार्टी कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया गया. रविवार को प्रदर्शनकारियों ने कर्फ्यू के बावजूद सड़कों पर लोहे की सलाखें रख दीं।

मणिपुर के हिंसा प्रभावित जिलों में इंटरनेट बैन दो दिन और बढ़ाया गया। इससे पहले मणिपुर सरकार ने शनिवार शाम 5:15 बजे से दो दिनों के लिए मणिपुर के सात जिलों में इंटरनेट और मोबाइल डेटा सेवाओं को अस्थायी रूप से निर्लंबित कर दिया है। सरकारी आदेश के अनुसार प्रभावित जिले इंफाल पश्चिम, इंफाल पूर्व, बिष्णुपुर, थौबल, काकचिंग, कनकपोकपी और चुराचांदपुर हैं। टेलीकॉम सस्पेंशन ऑफ सर्विसेज (पब्लिक इमरजेंसी या पब्लिक सेफ्टी) रूल्स, 2017 के तहत जीओएम ने कहा है कि राज्य के कुछ हिस्सों में मौजूदा संघर्ष के कारण शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व और सार्वजनिक व्यवस्था के रखरखाव में गंभीर गड़बड़ी होने की संभावना है। इसके द्वारा वीएसएटी, ब्रॉडबैंड (आईआईएल और एफटीटीएच) और वीपीएन सेवाओं सहित इंटरनेट और मोबाइल डेटा सेवाओं पर अस्थायी निलंबन/रोक लगाने का आदेश दें।

जंगल व जमीन पूंजीपतियों को सौंप रही भाजपा, रांची में बोले राहुल गांधी- हम सरकार गरीबों के लिए चलाना चाहते हैं

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता ने कहा कि हम सरकार गरीबों के लिए चलाना चाहते हैं, अरबपतियों के लिए नहीं; भाजपा झारखंड में खदान, जंगल व जमीन पूंजीपतियों को सौंप रही है। मोदी ने देश की संपत्ति चंद अरबपतियों को सौंप दी।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रांची में कहा झारखंड चुनाव प्रचार के आखिरी दिन प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित किया। इस दौरान राहुल ने कहा कि यह चुनाव विपक्षी गठबंधन इंडिया तथा भाजपा-राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बीच विचारधारा की लड़ाई है, हम संविधान की रक्षा कर रहे हैं जबकि वे इसे कुचलने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने वादा किया कि कांग्रेस संस्थाओं, निजी कंपनियों, न्यायपालिका में अन्य पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति, आदिवासियों का प्रतिनिधित्व जानने के लिए जाति आधारित जनगणना कराएगी।

सार-संक्षेप

स्कूली बच्चे मिले वृद्धाश्रम में रहने वाले बुजुर्गों से

(यूथ की आवाज़)। सीडलिंग स्कूल के बच्चों ने तारा संस्थान द्वारा संचालित वृद्धाश्रम श्रीमती कृष्णा शर्मा आनन्द वृद्धाश्रम में रहने वाले बुजुर्गों से मिले। बच्चों द्वारा आवासीय बुजुर्गों के लिए डांस भी प्रस्तुत किया गया। बुजुर्गों से मिलकर बच्चे भावुक हो गये। उन्होंने जाना कि घर परिवार में दादा-दादी, नाना-नानी का प्यार जरूरी है। उनके साथ रहकर बच्चा खुश और सुरक्षित रह सकता है। बुजुर्गों ने बच्चों के साथ मिलकर भजन व पुराने फिल्मी गीत सुनाएँ। इस अवसर पर आवासीय बुजुर्ग सतीश अग्रवाल ने संस्था की जानकारी दी।

विश्व स्मृति दिवस पर दुर्घटना से किया आगाह

देलवाड़ा (यूथ की आवाज़)। विश्व स्मृति दिवस के माध्यम से सड़क दुर्घातिकाओं में काल कवलित हुए लोगों को स्मरण करते हुए सड़क सुरक्षा से जुड़े यातायात नियमों का पालन कराने के लिए जिला परिवहन विभाग व टोल प्रबंधन के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को राजमार्ग पर लापरवाही से गुजर रहे वाहनचालकों को आगाह किया और दुर्घटना से बचाव के लिए आगाह किया।टोल कंपनी के अमित इंदुलकर ने बताया कि जिला परिवहन अधिकारी डॉ कल्पना शर्मा व टोल कंपनी के मुख्य प्रबंधक जय मिश्रा के सानिध्य में नेगड़िया सहित मांडावाड़ा और रूपाखेड़ा टोल पर गुजर रहे वाहनों पर सड़क सुरक्षा हेतु रिफ्लेक्टर लगाए और लापरवाह वाहनचालकों को सड़क हादसों का स्मरण कराते हुए यातायात नियमों का पालन करने के प्रति जागरूक किया। टोल प्रबंधन ने ज्यादा से ज्यादा लोगों में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से जिले के दोनों राजमार्गों पर टीम गठित कर विभिन्न स्थानों पर तैनात किया।

उदयपुर शहर को मिली बड़ी सौगात सुचारू परिवहन और देवास परियोजना से निकलेगी उदयपुर के विकास की गंगा: श्री कटारिया

उदयपुर (यूथ की आवाज़)। पंजाब के राज्यपाल एवं चण्डीगढ़ के प्रशासक माननीय श्री गुलाबचंद कटारिया ने कहा कि उदयपुर शहर में विकास की अपार संभावनाएं हैं। सुचारू परिवहन के लिए बन रही सड़कें और एलिवेटेड रोड़ तथा देवास परियोजना के फेज तृतीय व चतुर्थ के माध्यम से उदयपुर में आने वाले वर्षों में विकास की गंगा बहेगी। श्री कटारिया सोमवार शाम को नगर निगम परिसर में बहुप्रतीक्षित एलिवेटेड रोड़ के भूमि पूजन समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। सिटी रेलवे स्टेशन से कलक्टर निवास तक 2.75 किलोमीटर लम्बी टू लेन एलिवेटेड रोड़ का निर्माण करीब 2 वर्ष में पूर्ण होगा तथा इस पर 136.89 करोड़ रूपए की लागत आएगी। भूमि पूजन समारोह में राज्यसभा सांसद श्री चुन्नीलाल गरासिया, लोकसभा सांसद डॉ मन्नालाल रावत, शहर विधायक श्री ताराचंद जैन, उदयपुर ग्रामीण विधायक श्री फूलसिंह मीणा, महापौर श्री गोविन्द सिंह टांक, समाजसेवी रविन्द्र श्रीमाली, चंद्रगुप्तसिंह चैहान सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण भी बतौर अतिथि उपस्थित रहे। श्री कटारिया ने विधिपूर्वक पूजन कर तथा डिजिटल शिलान्यास पट्टिका का अनावरण कर एलिवेटेड रोड़ के अति महत्वांकाक्षी प्रोजेक्ट का शिलान्यास किया। समारोह को संबोधित करते हुए पंजाब के राज्यपाल श्री कटारिया ने कहा कि उदयपुर को प्रकृति और पूर्वजों ने बहुत कुछ दिया है। उसे संभालने और आगे बढ़ाने का दायित्व सभी उदयपुरवासियों का है। उन्होंने कहा कि अरब सागर में बह कर जाने वाले पानी को उदयपुर लाने का बरसों पूर्व देखा गया सपना देवास परियोजना के रूप में पूरा हो रहा है। एलिवेटेड रोड वर्तमान में शहर की बड़ी आवश्यकता है। लंबे संघर्ष के बाद यह सपना भी अब पूरा होने जा रहा है। इसके अलावा अन्य महत्वपूर्ण सड़कों के काम भी प्रस्तावित हैं। आने वाले समय में सुचारू यातायात व्यवस्था के लिए हो रहे यह काम और देवास परियोजना उदयपुर के विकास का आधार बनेंगी। उन्होंने एलिवेटेड रोड़ निर्माण का कार्य करने वाले एजेंसी तथा अधिकारियों को कार्य की गुणवत्ता से किसी भी तरह का समझौता नहीं करते हुए पीढ़ियों के लिए उपयोगी सड़क बनाने का आह्वान किया। उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों को उदयपुर के विकास के लिए समन्वित रूप से कार्य करने का संदेश दिया। समारोह में राज्यसभा सांसद श्री चुन्नीलाल गरासिया, लोकसभा सांसद डॉ मन्नालाल रावत, शहर विधायक श्री ताराचंद जैन तथा उदयपुर ग्रामीण विधायक श्री फूलसिंह मीणा आदि ने भी विचार व्यक्त किए। प्रारंभ में नगर निगम के महापौर गोविन्दसिंह टांक ने अतिथियों का स्वागत करते हुए एलिवेटेड रोड निर्माण के संबंध में पूर्ण जानकारी दी। महापौर सहित सभी पार्षदगणों ने अतिथियों का उपरणा ओढ़ा कर, पगड़ी पहनाकर तथा पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। समारोह में जिला कलक्टर श्री अरविन्द पोसवाल, युडीए आयुक्त श्री राहुल जैन, नगर निगम आयुक्त रामप्रकाश, एसपी योगेश गोयल सहित बडी संख्या में जनप्रतिनिधिगण, अधिकारी, पार्षदगण तथा शहरवासी उपस्थित रहे।

चरित्र निर्माण की शिक्षा के बिना स्कूली शिक्षा अधुरी - साध्वी डॉ परमयशा

उदयपुर (यूथ की आवाज़)। चरित्र निर्माण एवं जीवन विज्ञान की शिक्षा के बिना स्कूली शिक्षा अधुरी है बच्चों को प्रत्येक क्षेत्र में धृढ निश्चय एवं पॉजिटिव विचार धारा के साथ आगे बढ़ना चाहिऐ उक्त उद्बोधन तेरापंथ धर्मसंघ की विदुषी साध्वी डॉ परमयशा ने तुलसी निकेतन रेजिडेंसीयल स्कूल में बच्चों को प्रदान करते हुए शिक्षा में जीवन विज्ञान की शिक्षा के महत्व के बारें में विस्तार में बताया कार्यक्रम की शुरूआत बच्चों द्वारा अणुव्रत गीत सयंम मय जीवन होह्व के मधुर संगान के साथ हुई साध्वियों द्वारा प्रेक्षा ध्यान के प्रयोग भी करवाए गए स्कूल चेयरमैन अरुण कोठारी द्वारा सभी का स्वागत करते हुए संस्था एवं स्कूल की जानकारी प्रदान कीं संस्थापक सदस्य गणेश डागलिया द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम मे संस्था मंत्री अशोक डोसी, पुष्पा कोठारी, नितिन कोठारी, कमल कावड़िया, प्रिंसिपल बी एल मेनारिया, युवक परिषद अध्यक्ष भूपेश खमेसरा सहित बड़ी संख्या में अध्यापक, छात्र तथा अभिभावक एवं स्थानीय निवासी उपस्थित थे

परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण के तहत फील्ड इन्वेस्टीगेटर प्रशिक्षण 19 व 20 को

उदयपुर (यूथ की आवाज़)। परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण - 2024 के मद्देनजर फील्ड इन्वेस्टीगेटर का एक दिवसीय प्रशिक्षण मंगलवार 19 नवम्बर को डाइट उदयपुर के टैगोर हॉल में आयोजित किया जाएगा। डाइट प्राचार्य चंद्रशेखर जोशी ने बताया कि जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के तत्वावधान में संस्थान के सेवारत प्रभाग द्वारा प्रभागाध्यक्ष गायत्री जोशी के निर्देशन में यह प्रशिक्षण दो बैच में आयोजित होगा। फील्ड इन्वेस्टीगेटर के लिए डाइट में अध्ययनरत 107 छात्राध्यापकों को चयनित किया गया है। इसी प्रकार सलूंबर जिले के लिए भी डाइट उदयपुर द्वारा बुधवार 20 नवंबर को अनेकांत सेवा संस्थान सलूंबर में 103 अन्य फील्ड इन्वेस्टीगेटर को प्रशिक्षण दिया जाएगा जिनका चयन सेवा संस्थान सलूंबर से ही किया गया है।

संक्षिप्त-समाचार

एचडीएफसी बैंक को ग्लोबल प्राइवेट बैंकिंग अवार्ड्स 2024 में भारत में सर्वश्रेष्ठ निजी बैंक चुना गया

उदयपुर (यूथ की आवाज़)। एचडीएफसी बैंक को प्रोफेशनल वेल्थ मैनेजमेंट (पीडब्लूएम) द्वारा आयोजित ग्लोबल प्राइवेट बैंकिंग अवार्ड्स 2024 में ह्यभारत में सर्वश्रेष्ठ निजी बैंकह्व पुरस्कार से सम्मानित किया गया। फाइनेंशियल टाइम्स द्वारा प्रकाशित - एक प्रमुख वैश्विक व्यावसायिक प्रकाशन - प्रोफेशनल वेल्थ मैनेजमेंट (पीडब्लूएम) निजी बैंकों और उनके संचालन वाले क्षेत्रीय वित्तीय केंद्रों की विकास रणनीतियों का विश्लेषण करने में माहिर है। ग्लोबल प्राइवेट बैंकिंग अवार्ड्स ने खुद को दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित निजी बैंकिंग पुरस्कारों के रूप में मजबूती से स्थापित किया है और अब अपने सोलहवें वर्ष में हैं। एचडीएफसी बैंक के ग्रुप हेड इन्वेस्टमेंट बैंकिंग, प्राइवेट बैंकिंग, इंटरनेशनल बैंकिंग, डिजिटल इकोसिस्टम और बैंकिंग एज ए सर्विस (बीएएएस) राकेश के सिंह के अनुसार, संपत्ति में इस तेज उछाल को बनाए रखने के लिए एक ह्यहब-एंड-स्पोकह्व बिजनेस मॉडल का निर्माण करना और साथ ही बैंक के कर्मचारियों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि करना महत्वपूर्ण है। राकेश के सिंह ने कहा कि हमें प्रोफेशनल वेल्थ मैनेजमेंट (पीडब्लूएम) से यह पुरस्कार प्राप्त करके सम्मानित महसूस हो रहा है। यह पुरस्कार ग्राहकों की सेवा के लिए हमारी टीम के समर्पण और लगभग तीन दशकों से एचडीएफसी बैंक पर उनके भरोसे का प्रमाण है। एचडीएफसी बैंक ग्राहक-केंद्रित दृष्टिकोण पर जोर देता है और विभिन्न परिसंपत्ति वर्गों में अनुरूप वित्तीय समाधान प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने के लिए, हम एक फिजिटल दृष्टिकोण पर केंद्रित हैं। हमारे वेल्थ मैनेजर भारत भर में 923 स्थानों पर ग्राहकों की सेवा करते हैं। हम अपने एप्लिकेशन - स्मार्टवेल्थ के माध्यम से वेल्थ मैनेजमेंट के लिए तकनीक का लाभ उठाते हैं जो किसी भी समय और कहीं भी वेल्थ मैनेजमेंट लेनदेन, अपडेट और रिपोर्ट को सक्षम बनाता है। हम अपनी प्रतिभा और उनके विकास में निरंतर निवेश करने के लिए प्रतिबद्ध हैं क्योंकि हमारा मानना है कि हमारी टीम हमारी सबसे बड़ी संपत्ति है।

शहर के वरिष्ठ नागरिक टांक ने पंजाब के राज्यपाल श्री कटारिया को लिखा पत्र

उदयपुर (यूथ की आवाज़)। शहर के वरिष्ठ नागरिक एवं समाजसेवी मदन मोहन टांक ने पंजाब के राज्यपाल श्री गुलाबचंद कटारिया को पत्र लिखकर शहर में ऐतिहासिक दृष्टि से अपना विशेष स्थान रखने वाली धोली बावड़ी को पुनर्जीवित कराने की अपील की है। पत्र के माध्यम से टांक ने श्री कटारिया को अवगत कराया कि आप सदैव शहर के विकास को लेकर प्रतिबद्ध रहे है और आपके प्रयासों से शहर के कई ऐतिहासिक व पर्यटक स्थलों को विशिष्ट पहचान मिली है। इस पत्र में धोली बावड़ी का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि वास्तविकता यह है कि यह बावडी उदयपुर शहर की सबसे सुन्दर बावडी थी। यदि इस बावड़ी को पुनः जागृत कर दिया जाए तो निश्चित रूप से इसे पर्यटक देखने आयेंगे। इससे सुन्दर बावड़ी उदयपुर में न तो कभी थी, न है और न कभी नई बन सकती है। इस ऐतिहासिक व मेवाड की धरोहर को पुनर्जीवित करने के लिये आपसे आग्रह है कि इसके लिए प्रसाशनिक व वित्तीय स्वीकृति जारी करने हेतु संबंधित को निर्देशित करे। उल्लेखनीय है कि सन् 1882 में तत्कालीन महाराणा सज्जन सिंह जी ने दिल्ली दरवाजे के अन्दर एक बावड़ी का निर्माण कराया था। यह तीन मंजिला बावड़ी राजनगर के सफेद मार्बल से बनाई गई थी। इसका निर्माण कार्य पूर्ण हो जाने पर 29 जुलाई 1882 को महाराणा सज्जन सिंह जी बग्गी में बैठकर बावड़ी को देखने आये। (हकीकत बहिडा महाराणा सज्जन सिंह, पृष्ठ सं. 455) बावडी को देखते उन्होंने आश्चर्य से कहा कि अरे या तो धोली वावडी है। तभी से यह बावड़ी व इसके आस-पास का क्षेत्र धोलीबावड़ी के नाम से जाना जाता है।

उदयपुर ग्रामीण विधायक मीणा ने पंजाब के राज्यपाल व प्रदेश के स्वायत्त शासन मंत्री को लिखा पत्र

उदयपुर (यूथ की आवाज़)। उदयपुर ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा ने पंजाब के महामहिम राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया एवं राजस्थान सरकार के स्वायत शासन विभाग के मंत्री झाबर सिंह खर्रा को पत्र लिखकर उदयपुर में पेराफेरी क्षेत्र में आने वाली पंचायतों को आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है। विधायक मीणा ने पत्र में बताया कि उदयपुर में पेराफेरी क्षेत्र में जो ग्राम पंचायतें सम्मिलित की हुई है उन पंचायतों में यू.डी.ए. द्वारा किसी प्रकार की आधारभूत सुविधाएं नहीं दी जा रही है केवल मात्र पेराफेरी क्षेत्र में पंचायतों को सम्मिलित कर लिया गया है। जिसके कारण इस क्षेत्र में किसी प्रकार का कोई विकास कार्य नहीं हो पाया है। ना ही ग्राम पंचायतों के पास इतना बजट है कि वह साफ-सफाई, रोड़-लाईट, सड़कों को प्रमुखता से समय पर निर्माण कार्य करवा सकें। उदयपुर में बहुत सी ग्राम पंचायतें जो कि नगर निगम की सीमा के पास में स्थित है अगर उन पंचायतों को नगर निगम में लिया जाता है नगर निगम से साफ-सफाई, नाली-रोड़, लाईटों, सड़के, पानी की सप्लाई आदि सुविधाओं सुचारू रूप से मिल सकेगी ओर इन पंचायतों का विकास होगा।

टेलीफोन डायरेक्ट्री का विमोचन श्रीयादे जयंती पर

उदयपुर (यूथ की आवाज़)। मेवलिया प्रजापति समाज मेवाड़ चोखला द्वारा टेलीफोन डायरेक्टरी के प्रकाशन को लेकर कमेटी की बैठक ग्राम पंचायत दरौली स्थित श्रीयादे देवी मंदिर परिसर में आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता गणेश लाल प्रजापत घासा ने की। चौखले के महामंत्री लक्ष्मी लाल प्रजापत ने बताया कि टेलीफोन डायरेक्ट्री प्रिंट करवाने को लेकर बैठक में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। बैठक में डायरेक्ट्री प्रकाशन के लिए संपादक मंडल का गठन किया गया। संयुक्त महामंत्री डीसी प्रजापत ने बताया कि टेलीफोन डायरेक्ट्री का विमोचन श्रीयादे देवी जयंती के अवसर पर किया जाएगा। सचिव प्रकाश प्रजापत ने बताया कि डायरेक्ट्री प्रकाशन के दौरान समाज बंधु विज्ञापन के लिए संपादक मंडल से सम्पर्क कर सकते हैं। चौखला सह सचिव कालू लाल प्रजापत ने बताया कि विज्ञापन संकलन के लिए प्रकाश भटेवर, कालू लाल सराय, लक्ष्मी लाल सांगावा, भगवान लाल साकरोदा, पूरण साकरोदा, गोवर्धन शीशवी को नियुक्त किया गया। सभी सदस्य व्यापारिक प्रतिष्ठानों से विज्ञापन संकलन का कार्य करेंगे। डायरेक्ट्री के कंपोजिंग का कार्य चौखला महामंत्री लक्ष्मी लाल प्रजापत सांगवा सौंपा गया हैं। इस अवसर पर चोखला कोषाध्यक्ष रामलाल प्रजापत, सहकोषाध्यक्ष भगवान लाल साकरोदा, गणेश लाल, कैलाश चंद्र, उमेश दरौली आदि उपस्थित थे।

राष्ट्रीय लोक अदालत 14 दिसंबर को एडीजे ने ली एसबीआई बैंक के अधिकारियों की बैठक

उदयपुर (यूथ की आवाज़)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के तत्वावधान में जिला एवं सेशन न्यायाधीश व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष श्री ज्ञानप्रकाश गुप्ता उदयपुर के निर्देशन में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 14 दिसंबर को होगा। प्राधिकरण सचिव एडीजे कुलदीप शर्मा होने वाली लोक अदालत के तहत विशेष प्रि-लिटिगेशन लोक अदालत का आयोजन कर एसबीआई बैंक के अधिकारियों की बैठक ली। एडीजे ने बताया कि ऐसे प्रकरण जो न्यायालय में लंबित नहीं है लेकिन भविष्य एसबीआई बैंक द्वारा न्यायालय में संस्थित करवाए जा सकते है ऐसे प्रकरणों को 14 दिसम्बर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में रखवाते हुए पक्षकारों को समझाकर अधिकाधिक रियायत प्रदान करते हुए निस्तारण करने को कहा। जिससे बैंक के ग्राहको को न्यायालय के चक्कर नहीं लगाने पडे एवं बैंक के समक्ष ग्राहक की साख भी बनी रहे। एडीजे शर्मा ने बताया कि लोक अदालत में प्री-लिटिगेशन प्रकरण के तहत धारा 138 परक्राम्य विलेख अधिनियम, धन वसूली, श्रम एवं नियोजन संबंधी विवाद, बिजली, पानी एवं अन्य बिल भुगतान से संबंधित (अशमनीय के अलावा प्रकरण), भरण-पोषण से संबंधित प्रकरण, राजस्व विवाद, पैमाइश एवं डिवीजन ऑफ होल्डिंग सहित, सिविल विवाद, सर्विस मैटर्स, उपभोक्ता विवाद, अन्य राजीनामा योग्य विवाद (जो अन्य अधिकरणों/आयोगों/मंचो/आथॉरिटी/प्राधिकारियों के क्षेत्राधिकार से संबंधित) प्रकरणों का निस्तारण किया जा सकेंगी। वहीं न्यायालय में लंबित प्रकरणों में राजीनामा योग्य फौजदारी प्रकरण, धारा 138 परक्राम्य विलेख अधिनियम (एन आई. एक्ट), धन वसूली, एम.ए.सी.टी. के प्रकरण, श्रम एवं नियोजन संबंधी विवाद एवं कर्मचारी क्षतिपूर्ति अधिनियम के प्रकरण, बिजली, पानी एवं अन्य बिल भुगतान से संबंधित प्रकरण (अशमनीय के अलावा), पारिवारिक विवाद (तलाक को छोड़कर), भूमि अधिग्रहण से संबंधित प्रकरण, सभी प्रकार के सर्विस मैटर्स (पदोन्नति एवं वरिष्ठता विवाद के मामलों के अलावा), सभी प्रकार के राजस्व मामले, पैमाइश एवं डिविजन ऑफ हौल्डिंग सहित, वाणिज्यिक विवाद, बैंक के विवाद, गैर सरकारी शिक्षण संस्थान के विवाद, सहकारिता संबधी विवाद, स्थानीय निकाय (विकास प्राधिकरण/नगर निगम आदि) के विवाद, रियल स्टेट सम्बधी विवाद, रेलवे क्लेम्स संबधी विवाद, आयकर संबधी विवाद, अन्य कर संबधी विवाद, उपभोक्ता एवं विक्रेता /सेवा प्रदाता के मध्य के विवाद, सिविल मामले (किरायेदारी, बंटवारा, सुखाधिकार, निषेधाज्ञा, घोषणा, क्षतिपूर्ति एवं विनिर्दिष्ट पालना के दावे), अन्नू राजीनामा योग्य ऐसे मामले जो अन्य अधिकरणों/आयोगों, मंचो/आथॉरिटी/प्राधिकारियों के समक्ष लंबित प्रकरणों का निस्तारण किया जाएगा।

लघु पुस्तिका बनाकर प्रियदर्शिनी श्रीमती इंदिरा गांधी और रानी लक्ष्मीबाई को किया नमन

उदयपुर (यूथ की आवाज़)। शहर के जाने माने मिनीएचर आर्टिस्ट चन्द्र प्रकाश चित्तौड़ा ने प्रियदर्शिनी श्रीमती इंदिरा गांधी और रानी लक्ष्मीबाई की स्मृति में लघु पुस्तिका बनाकर दोनों को नमन किया हैं।चित्तौड़ा ने विश्व जगत में प्रियदर्शिनी के नाम से जानी गई शख्सियत देश की प्रधानमंत्री स्व.श्रीमती इंदिरा गांधी की जयन्ती पर उनके जीवन चरितार्थ लघु पुस्तिका बनाई है और इसमें इंदिराजी के व्यक्तित्व, शिक्षा, राजनैतिक सफर आदि पहलुओं का संग्रहण कर उन्हें श्रद्धांजली अर्पित की है। वहीं दूसरी ओर चित्तौड़ा ने देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाली वीर वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई की जयन्ती पर उनके जीवन चरितार्थ लघु पुस्तिका बनाई है। कलाकार ने इसमें लक्ष्मीबाई के बचपन, व्यक्तित्व, युद्ध संघर्ष आदि पहलुओं पर प्रकाश डालकर उन्हें श्रद्धांजली अर्पित की है।

एक्मे फिनट्रेड इण्डिया लिमिटेड की बिजनेस कॉन्क्लेव मीटिंग का हुआ आयोजन

उदयपुर (यूथ की आवाज़)। एक्मे फिनट्रेड इण्डिया लिमिटेड की बिजनेस कॉन्क्लेव मीटिंग संपन्न हुई। बैठक में मुख्य कार्यकारी अधिकारी सीएमडी निर्मल कुमार जैन एवं वरिष्ठ पदाधिकारी शिवप्रकाश श्रीमाली, केशूलाल मालवी, राजेंद्र चित्तौड़ा, आकाश जैन, जिनित जैन एवं सुरेश चन्द्र गुप्ता मौजूद रहे। मीटिंग में गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान और मध्य प्रदेश राज्यों की टीमों ने भाग लिया । यह आयोजन कलेक्शन और सेल्स को प्रोत्साहन देने और व्यावसायिक योजनाओं पर विचार-विमर्श के उद्देश्य से किया गया। बैठक के दौरान कंपनी द्वारा टीमों और व्यक्तियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। यशपाल जैन और उनकी टू-व्हीलर टीम, कमलेश जैन एवं उनकी कमर्शियल व्हीकल टीम, दिनेश मटे कलेक्शन टीम, मुंबई को उत्कृष्टता कार्यों के लिए सम्मानित किया गया । श्यामलाल जैसवार टू-व्हीलर टीम, मुंबई को उनके प्रदर्शन के लिए विशेष पुरस्कार दिया गया। इस बिजनेस कॉन्क्लेव ने सभी टीमों को प्रोत्साहन और नई ऊर्जा प्रदान की। कम्पनी ने इस कार्यक्रम के माध्यम से अपने कर्मचारियों और टीमों के प्रति सहयोग और उत्कृष्टता को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को मजबूत किया।

सार-संक्षेप

अग्रसेन जयंती समापन पर हुई प्रसादी

उदयपुर (यूथ की आवाज़)। महाराजा अग्रसेन जी की 5148 वी जयंती जो अग्रसेन जयंती महोत्सव समिति के तत्वाधान में संयोजक लश्करी समाज अध्यक्ष दिनेश अग्रवाल व सह संयोजक गजेंद्र अग्रवाल के मार्गदर्शन में इस वर्ष धूमधाम से व आनंदपूर्वक सम्पन्न होने पर प्रसादी का कार्यक्रम रखा गया ,मीडिया प्रभारी रविन्द्र अग्रवाल ने बताया कि इस अवसर पर पांचों समाज के पदाधिकारी,कार्यक्रमो के संयोजक महिला समितियों के अध्यक्ष सचिव प्रमुख रूप से शामिल हुए ।

सेवानिवृत्त वन अधिकारियों की समिति की बैठक में मेवाड़ में वनों के प्रबंधन पर हुई चर्चा

उदयपुर (यूथ की आवाज़)। सेवानिवृत्त वन अधिकारियों की समिति की बैठक रिटार्यड सीसीएम एवं ग्रीन पीपल सोसायटी के अध्यक्ष राहुल भटनागर की अध्यक्षता में महाराषा प्रताप कालोनी सेक्टर 13 में आयोजित हुई। बैठक में राजस्थान में विशेष रूप से मेवाड़ में वनों के प्रबंधन पर चर्चा हुई। आजादी से पूर्व के रियासत कालीन बने कानूनों और आजादी के बाद के नियमों तथा प्रबंधन, नीति और प्रभाव पर प्रकाश डाला, गया। कई ऐसे कानून थे जिनकी बाद में पूरी तरह से अनदेखी की गई और वे प्रभावहीन हो गये। वर्तमान में वन अधिकार अधिनियम के क्रियान्वयन पर चिंता व्यक्त की गई जिसमें आवेदन करने की कार्य समय सीमा नहीं है। बैठक में वनों की सुरक्षा, विकास तथा वन्यजीव संरक्षण एवं प्रबंधन पर विचार विमर्श किया गया। बैठक में आर.एस.शेखावत, आर के सिंह, पी. एल शर्मा, सुहेल मजबूर, बृजपाल सिंह, सुरेन्द्र सिंह, लायक अली, राजेन्द्र सिंह, राहुल भटनाभर, सतीश कुमार शर्मा, फतेह सिंह राठोड, प्रताप सिंह चूण्डावत एवं वी.एस.राणा ने भाग लिया।

तीसरी राजस्थान जुजुत्सु प्रतियोगिता में उदयपुर के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर 16 स्वर्ण सहित 26 पदक जीते

उदयपुर (यूथ की आवाज़)। राजस्थान के जयपुर जिले के सवाई मान सिंह स्टेडियम में 15 और 16 नवम्बर को आयोजित 3 री राजस्थान जुजुत्सु चौपियनशिप 2024 उदयपुर के 19 खिलाड़ियों ने अलग अलग इवेंट में 16 स्वर्ण, 5 रजत और 5 काँस्य पदक जीते। उदयपुर टीम के कोच एवम उदयपुर जुजुत्सु एसोसिएशन के सचिव रेंशी हरीश सांवरिया ने बताया की भारतीय युवा खेल मंत्रालय द्वारा मान्यता प्राप्त जुजुत्स मार्शल आर्ट्स खेल के इस टूनामेंट मे खिलाड़ियों ने जुजुत्सु की फाइटिंग और नेवाजा स्पर्धा मे अलग अलग केटेगरी मे पदक हासिल किए। मनीष सालवी सीनयर केटेगरी -69 किग्रा. फाइट इवेंट मे गोल्ड मेडल, फूल कॉन्टेक्ट मे गोल्ड और निवाजा मे ब्रौंज मेडल,राहुल सुहालका 18 केटेगरी 50 किग्रा. फाइट इवेट में गोल्ड मेडल,देवांश चौरसिया -16 केटेगरी -60 किग्रा. फाइट इवेंट मे सिल्वर मेडल ,धारा बंदवाल -16केटेगरी -52 किग्रा. फाइट इवेंट मे ब्रौंज मेडल, विकास सालवी सीनयर केटेगरी -56 किग्रा. फूल कॉन्टेक्ट इवेंट मे गोल्ड, फाइटिंग मे ब्रौंज और निवाजा मे सिल्वर मेडल जीता, हरी सिंह देवड़ा सीनयर केटेगरी -62 किग्रा. फाइटिंग इवेंट मे गोल्ड और फूल कॉन्टेक्ट मे गोल्ड मेडल, साकेत सांवरिया अन्डर-12 केटेगरी -30 किग्रा. फाइटिंग इवेंट मे गोल्ड और निवाजा मे गोल्ड मेडल , हर्षिल राठौड़ अन्डर -10 केटेगरी -25 किग्रा. फाइटिंग इवेंट मे सिल्वर मेडल, लेखांश कावड़िया अन्डर-8 केटेगरी $28 किग्रा. फाइटिंग इवेंट मे गोल्ड मेडल जीता, रूद्र मीणा अन्डर-8केटेगरी -21 किग्रा. फाइटिंग इवेंट मे गोल्ड मेडल जीता, हर्षित चौधरी अन्डर-10 केटेगरी -25 किग्रा. फाइटिंग इवेंट मे ब्रौंज मेडल , धृत जैन अन्डर-10 केटेगरी -25 किग्रा. निवाजा इवेंट मे सिल्वर मेडल ,युवान जैन अन्डर-12 केटेगरी -38 किग्रा. फाइटिंग इवेंट मे गोल्ड मेडल ,देवराज सिंह अन्डर-14 केटेगरी -38 किग्रा. फाइटिंग इवेंट मे ब्रौंज मेडल , लक्ष्यवीर सालवी अन्डर-14 केटेगरी -38 किग्रा. फाइटिंग इवेंट मे सिल्वर मेडल , मेघांशी कावड़िया अन्डर-12 केटेगरी $40 किग्रा. फाइटिंग इवेंट मे गोल्ड मेडल , कियोष्का कुमावत अन्डर-10 केटेगरी $30 किग्रा. फाइटिंग इवेंट मे गोल्ड मेडल, टीशा बन्दवाल अन्डर-14 केटेगरी -36 किग्रा. फाइटिंग इवेंट मे गोल्ड मेडल, आरुषि चौरसिया अन्डर-14 केटेगरी -44 किग्रा. फाइटिंग इवेंट मे गोल्ड मेडल जीता। उदयपुर जुजुत्सु टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पूरे राजस्थान में तीसरा स्थान हासिल किया।

सभी पदक विजेता खिलाड़ियों को राजस्थान ओलंपिक संघ के कोषाध्यक्ष अरुण के द्वारा सम्मानित किया गया।

सहकार सप्ताह के तहत उपभोक्ता भण्डार द्वारा सहकारी संगठनों के बीच सहयोग को मजबुत करना के रूप में मनाया गया

उदयपुर (यूथ की आवाज़)। उदयपुर सहकारी उपभोक्ता थोक भण्डार लि. उदयपुर द्वारा दिनांक 14.11.2024 से 20.11.24 तक आयोजित 71वे अखिल भारतीय सहकार सप्ताह अन्तर्गत दिनांक 18.11.2024 को सहकारी संगठनों के बीच सहयोग को मजबुत करना दिवस के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री श्रवण सिंह बागडी, प्रदेश महामंत्री सहकारिता ने बताया कि सहकरिता के माध्यम से हम समस्याओं का समाधान अधिक प्रभावी तरीके से कर सकते हैं एकजुट होकर हम एक मजबुत एवं समृद्ध समाज बना सकतें हैं, जहाँ सभी की आवश्यकताएँ पूरी हों। इसलिए हमें सहकारी संगठनों के बीच सहयोग को और बढ़ावा देना चाहिए। कार्यक्रम में भण्डार के पूर्व अध्यक्ष प्रमोद सामर ने भण्डार के कियाकलापो एवं प्रारम्भ से इस उचाई तक पहुंचने की यात्रा को विस्तार से सभी को अवगत कराया और कहा कि भण्डार आज इस उत्रोत्तर प्रगति कडी मेहनत का प्रतिफल है। इस अवसर पर उदयपुर डेयरी अध्यक्ष श्री डालचंद डांगी, भूमि विकास बैंक के अध्यक्ष श्री रेवाशंकर गायरी, जिला सहकार संघ के उपाध्यक्ष किरण नागोरी, श्री देवनारायण धायभाई, पूर्व उपाध्यक्ष थोक भण्डार, श्री भवर सिंह पंवार, श्री गजपाल सिंह राठौड़, श्री कौटिल्य भट्ट श्रीमती अलका भारद्वाज ने विचार गोष्ठी एवं समूह चर्चा मे अपने विचारो से सभी को अवगत कराया। कार्यक्रम के अन्त में भण्डार महाप्रबन्धक श्री राजकुमार खांडिया ने उपस्थित अथितियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर सहकारी विभाग के अधिकारी एवं उदयपुर सहकारी उपभोक्ता भण्डार के कर्मचारी एवं उपभोक्ता उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन सुश्री खुशबु शर्मा द्वारा किया गया ।

विधानसभा उपचुनाव 2024 मतगणना दलों का प्रथम प्रशिक्षण सम्पन्न

उदयपुर (यूथ की आवाज़)। विधानसभा उपचुनाव 2024 की मतगणना शनिवार 23 नवंबर को होगी। सलूंबर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र की मतगणना उदयपुर के राजकीय फतह उच्च माध्यमिक विद्यालय में होगी। जिला निर्वाचन अधिकारी (कलक्टर) अरविंद पोसवाल के निर्देशन में सोमवार को मतगणना दलों में नियुक्त गणन पर्यवेक्षक, गणन सहायक, माइक्रो ऑब्र्जवर का प्रथम प्रशिक्षण नगर निगम के सुखाड़िया रगमंच में आयोजित हुआ। इस अवसर पर मतगणना के सहायक रिर्टिनंग अधिकारी उपखण्ड अधिकारी मावली रमेश सिरवी, भीण्डर एसडीएम रमेश बहेडिया व बड़गांव एसडीएम निरमा विश्नोई सहित अन्य संबंधित अधिकारी-कार्मिक मौजूद थे। प्रशिक्षण प्रभारी जितेन्द्र ओझा मतगणना से जुड़ी समस्त व्यवस्थाएं समय पर सुनश्चित करने के निर्देश दिए। स्टेट लेवल मास्टर ट्रेनर डॉ. महामाया प्रसाद चैबीसा ने मतगणना दलों को पोस्टल बैलेट गणना व ईवीएम से वोटों की गिनती का व्यावहारिक एवं सैद्धांतिक प्रशिक्षण दिया और गणना के समय 17 सी के पार्ट 2 भरने संबंधी जानकारी दी गई। मतगणना दलों का द्वितीय प्रशिक्षण 21 नवंबर को सुबह 10 बजे सुखाड़िया रंगमंच पर आयोजित होगा। मतणगना दिवस पर मतगणना के लिए नियुक्त अधिकारियों को सुबह 6 बजे राजकीय फतह उच्च माध्यमिक विद्यालय पर रिपोर्ट करनी होगी। संबंधित अधिकारियों को परिचय पत्र के बिना प्रवेश नहीं दिया जाएगा। द्वितीय प्रशिक्षण के दौरान प्रवेश पास बनाए जाकर वितरित किए जाएंगे। मतगणना के दौरान नियुक्त अधिकारी-कार्मिकों के लिए मतगणना स्थल पर मोबाइल लाना वर्जित होगा।

71वां अखिल भारतीय सहकार सप्ताह सहकारी संगठनों के बीच सहयोग को मजबूत करने पर हुई चर्चा

उदयपुर (यूथ की आवाज़)। उदयपुर सहकारी उपभोक्ता थोक भंडार लि. उदयपुर द्वारा आयोजित 71वें अखिल भारतीय सहकार सप्ताह अन्तर्गत सोमवार को सहकारी संगठनों के बीच सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सहकारिता प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बागडी ने कहा कि सहकारिता के माध्यम से हम समस्याओं का समाधान अधिक प्रभावी तरीके से कर सकते हैं एकजुट होकर हम एक मजबूत एवं समृद्ध समाज बना सकते हैं, जहाँ सभी की आवश्यकताएँ पूरी हो सके। इसलिए हमें सहकारी संगठनों के बीच सहयोग को और बढ़ावा देना चाहिए। कार्यक्रम मे भण्डार के पूर्व अध्यक्ष प्रमोद सामर ने भण्डार के क्रियाकलापों एवं प्रारम्भ से इस ऊंचाई तक पहुंचने की यात्रा को विस्तार से सभी को अवगत कराया और कहा कि भण्डार की यह उत्तरोत्तर प्रगति कठिन मेहनत का प्रतिफल है। इस अवसर पर उदयपुर डेयरी अध्यक्ष डालचंद डांगी, भूमि विकास बैंक के अध्यक्ष रेवाशंकर गायरी, जिला सहकार संघ के उपाध्यक्ष किरण नागोरी, देवनारायण धायभाई, भवर सिंह पंवार, गजराज सिंह, कौटिल्य भट्ट, श्रीमती अलका भारद्वाज ने विचार गोष्ठी एवं समूह चर्चा में अपने विचारों से सभी को अवगत कराया। अन्त में भण्डार महाप्रबन्धक राजकुमार खांडिया ने आभार जताया। संचालन सुश्री खुशबू शर्मा ने किया। इस अवसर पर सहकारी विभाग के अधिकारी एवं उदयपुर सहकारी उपभोक्ता भण्डार के कार्मिक व उपभोक्ता उपस्थित थे।

निःशुल्क शिविर मे 697 लोगो ने जाँच कराई 183 को मोतियाबिन्द

(यूथ की आवाज़)। एस.बी.आई. फाउण्डेशन एवं तारा संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में झाडोली पिण्डवाड़ा तथा शिवगंज में विशाल निःशुल्क नेत्र परीक्षण एवं मोतियाबिन्द ऑपरेशन चयन शिविर का आयोजन किया गया। इन शिविरों में लगभग 697 लोगों ने आँखों की जाँच कराई। इनमें 183 लोगों को मोतियाबिन्द पाया गया। मोतियाबिन्द मरीजों का निःशुल्क ऑपरेशन उदयपुर स्थित तारा नेत्रालय में किया जायेगा। मरीजों को तारा संस्थान द्वारा बस से लाया जायेगा। शिविर को सफल बनाने में श्री रमेश परमार, श्री दूदाराम गहलोत, श्री नंदू सोनी, श्री मदन परिहार, श्री विष्णु अग्रवाल, श्री श्याम माली, श्री दिनेश सुन्देशा, श्री मंछाराम कुम्हार एवं श्री मदन सुन्देशा का सराहनीय योगदान रहा। तारा संस्थान के संस्थापक व अध्यक्ष श्रीमती कल्पना गोयल ने बताया कि शिविर के माध्यम से ग्रामीणों में आँखों की देखभाल तथा समय-समय पर जाँच के प्रति जागरुकता पैदा हो रही है। अभी तक 1 लाख 61 हजार मोतियाबिन्द के ऑपरेशन हो चुके है। तारा संस्थान उदयपुर के साथ दिल्ली, मुम्बई, फरीदाबाद एवं लोनी में भी निःशुल्क मोतियाबिन्द ऑपरेशन के लिए सम्पर्क करें: $91 95493 99993

बालीवुड फिल्मों की पार्श्व गायिका कविता सेठ से कश्ती फाउंडेशन प्रतिनिधियों की मुलाकात

उदयपुर (यूथ की आवाज़)। इकतारा और तुम्हीं हो बंधु सखा तुम्ही हो फिल्मी गीत से मशहूर हुई बॉलीवुड फिल्मों की पार्श्व गायिका कविता सेठ लेकसिटी के दौरे पर पहुंची। इस दौरान कला-संस्कृति के संरक्षण-संवर्धन के लिए समर्पित कश्ती फाउंडेशन प्रतिनिधियों ने कविता से मुलाकात कर उनका अभिनंदन किया और कला व गीत-संगीत विषय पर लंबी चर्चा की। इस मौके पर कविता ने कहा कि कला भी अनोखी तपस्या है, कलाकार भी फौजियों से कम नहीं होते, कलाकारों को भी जीवन में भी अलग-अलग मोर्चों पर अनेक प्रकार के संघर्षों से सामना करना पड़ता है। मूलतः बरेली की निवासी कठिता ने कहा कि शादी के बाद डीपीएस की नौकरी छोड़कर दिल्ली में ऑल इंडिया रेडियो और दूरदर्शन में अपनी गायिकी से सबको प्रभावित करना शुरू किया और यहीं से इनकी गायन प्रतिभा को नये रास्ते मिलने लगे। वर्तमान में सूफी म्यूजिकल ग्रुप कारवां का सफलतापूर्वक नेतृत्व कर रही कविता सेठ ने गीत, गजल के साथ लोक गीत भी गा रही है और आपने लंदन स्कॉटलैंड ओस्लो बर्लिन में भी पब्लिक शो किए। कश्ती फाउंडेशन के प्रतिनिधियों से संवाद करते हुए कविता ने कहा कि देश के भविष्य युवाओं को कला की ओर मोड़ना बेहद जरूरी है। उन्होंने कश्ती फाउंडेशन द्वारा 5 सरकारी स्कूलों के बच्चों के साथ युवा कलाकारों को मंच प्रदान करने के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की और कहा कि वे भी इस प्रकार के संगठन से जुड़ने में रूचि रखती हैं। उन्होंने वर्तमान युग में कला और कलाकारों के संरक्षण-संवर्धन के प्रयासों की जरूरत बताई और कलाकारों को उचित मंच उपलब्ध कराने का आह्वान भी किया। उन्होंने कहा कि वे भी एक स्कूल टीचर रहीं हैं और उन्होंने नौकरी छोड़कर गायन की ओर उन्मुख हुई और मुकाम हासिल किया। इसी प्रकार से हर व्यक्ति को अपनी पसंदीदा कला में हाथ आजमाना चाहिए। इस अवसर पर कश्ती फाउंडेशन की ओर से हेमंत जोशी, डॉ. कमलेश शर्मा, संदीप राठौड़, नीलोफर मुनीर आदि ने कविता को फाउंडेशन की गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी और स्मृति चिह्न भेंटकर अभिनंदन किया। उल्लेखनीय है कि कविता के दो सूफी गजल एलबम, वो एक लम्हा तथा दिल ए नादान भी जारी हुए हैं। सूफियाना और हजरत कविता के अन्य एलबम हैं। कविता को स्टार स्क्रीन अवार्ड तथा इंटर नेशनल इंडियन फिल्म अकेडमी अवार्ड भी मिल चुके हैं।

भाजपा भुवाणा मंडल की कार्यशाला संपन्न

उदयपुर (यूथ की आवाज़)। भाजपा भुवाणा मंडल की संगठन महापर्व की कार्यशाला बावड़ी वाला हनुमानजी मंदिर प्रांगण भुवाणा मे आयोजित कि गई। संगठन महापर्व के जिला संयोजक पूर्व प्रदेश महामंत्री विरमदेव सिंह जैसास ने कहा कि कार्यकर्ता बूथ पर जाये और निर्विरोध चुनाव कराए।शहर जिला अध्यक्ष रवींद्र श्रीमाली ने कहा कि भाजपा विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है चुनाव पूरी तरह लोकतांत्रिक तरीके से है ।इस दौरान जिला प्रभारी बंशीलाल खटीक, उपाध्यक्ष प्रेमसिंह शक्तावत,खूबीलाल पालीवाल ने अपने विचार व्यक्त किए। इस दौरान प्रदेश महिला मोर्चा उपाध्यक्ष पिंकी मांडावत, जिला मंत्री गजेन्द्र भंडारी, भुवाणा मंडल अध्यक्ष गिरीश शर्मा, मंडल उपाध्यक्ष खूबेश सुथार, मुकेश जोशी, महामंत्री भंवर सिंह देवड़ा, शंकर डांगी, शांतिलाल गमेती,वरडा सरपंच दुल्हे सिंह देवड़ा,पं.स.सदस्य संजू सुथार, रोशन मेघवाल, भुवाणा पूर्व सरपंच अनिल चित्तौड़ा एवं अन्य पदाधिकारी मौजूद थे ।

सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट के लिए जनरेटिव एआई का उपयोग

(यूथ की आवाज़)। जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय के संघटक डिपार्टमेंट ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड आईटी में आईबीएँ (क्व्टि) स्किल बिल्ड द्वारा सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट के लिए जनरेटिव एआई का उपयोग विषय पर एक दिवसीय ट्रेनिंग प्रोग्राम का आयोजन किया गया क संस्थान निदेशक प्रोफेसर मंजू मांडोत ने बताया की इस ट्रेनिंग प्रोग्राम के द्वारा बीसीए, एँ एँ , पीजीडीसीए के विधार्थियों को जनरेटिव एआई के उपयोग की जानकारी प्रदान की गयी कमुख्य वक्ता आईबीएँ स्किल बिल्ड के टेक्निकल ट्रेनर श्री तुषार शर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा की जनरेटिव एआई की सहायता से टेक्स्ट, ऑडियो, विडियो, एनीमेशन का निर्माण बहुत सुगम हो गया है एवं इसका उपयोग करके बहुत आसानी से कम खर्च पर फिल्मो का निर्माण किया जा सकता है साथ ही उन्होंने आईबीएँ स्किल बिल्ड द्वारा विधार्थियों को फ्री में उपलब्ध विभिन्न ऑनलाइन कोर्सेज व इंटर्नशिप के बारे में बताया कउक्त ट्रेनिंग प्रोग्राम में सभी संकाय सदस्य एवं विधार्थी लाभान्वित हुए क कार्यक्रम में डॉ मनीष श्रीमाली , डॉ भारत सिंह देवड़ा, डॉ गौरव गर्ग, डॉ प्रदीप सिंह शक्तावत, डॉ भरत सुखवाल, डॉ दिलीप चौधरी, मानसी नागर, बहादुर सिंह राणावत, दुगार्शंकर, मुकेश नाथ तथा त्रिभुवन सिंह बमनिया उपस्थित थे

सार-संक्षेप

पंजाब के महामहिम राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाबचंद कटारिया का एयरपोर्ट पर कियास्वागत

उदयपुर (यूथ की आवाज़)। पंजाब के महामहिम राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाबचंद कटारिया एक दिवसीय प्रवास पर उदयपुर पहुंचे जहां पर प्रशासन ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया तत्पश्चात भारतीय जनता पार्टी शहर जिला अध्यक्ष रवींद्र श्रीमाली के सनिध्य में पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकताओं ने उनका स्वागत किया। इस अवसर पर शहर विधायक ताराचंद जैन, वल्लभनगर विधायक उदयलाल डांगी , सांसद मन्ना लाल रावत , प्रदेश मंत्री श्रवण बंजारा सहकारिता प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक प्रमोद सामर , अतुल चण्डालिया , किरण जैन , मनोज मेघवाल , तख़्त सिंह शक्तावत दीपक बोल्या , भवंर सिंह पंवार, धनराज अहीर प्रकाश जैन अशोक व्यास आदि उपस्थित थे।

छाजेड़ रोटरी सहायक प्रान्तपाल मनोनीत

उदयपुर (यूथ की आवाज़)। रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3056 की वर्ष 2025-26 की प्रान्तपाल रो. प्रज्ञा मेहता ने रोटरी क्लब उदयपुर के अध्यक्ष अनिल छाजेड़.को वर्ष 2025-26 के लिये सहायक प्रान्तपाल मनोनीत किया है। क्लब ट्रेनर निर्मल सिंघवी ने बताया कि छाजेड़ क्लब में सचिव सहित विभिन्न पदों पर 37 वर्षो से रह कर समाज सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां अर्जित की है।

भागवत कथा सम्पन्न

उदयपुर (यूथ की आवाज़)। वाकल माता चौराहे पर स्थित पुष्पांजलि विहार कॉलोनी में ईश्वर प्रेम आश्रम में भक्ति प्रिया भक्त मंडल द्वारा आयोजित श्रीमद् भागवत ज्ञान यज्ञ सप्ताह ईश्वर प्रेम पीठाधीश्वर महंत भक्ति प्रिया के शिष्य कन्हैया महाराज द्वारा अंतिम दिवस की सुदामा चरित्र की भव्य प्रस्तुति के साथ संपन्न हुआ। सभी भक्त श्रोता गणों ने कथा श्रवण का भरपूर आनंद लिया, फिर महाप्रसादी भी हुई।

बिना ढकी चौड़ी नालियां बनी परेशानी का सबब आए दिन हादसे में फंस रहे हैं वाहन

देलवाड़ा (यूथ की आवाज़)। कस्बे के कुंड चौराहे पर स्थित चौक में पहले तो नालियां चौड़ी और गहरी है और ऊपर से खुली होने से वाहनचालकों को सबसे ज्यादा परेशान होना पड़ रहा है। नालियों से थोड़ा सा ध्यान हटा और आपका वाहन का टायर नाली में फंस सकता है। सोमवार को एक कार चालक की कार का टायर नाली में फंस जाने पर करीब एक घंटे की जद्दोजहद के बाद दूसरे वाहन की मदद से निकल पाया।कुंड चौराहे पर स्थित दुकानदार किशन मेघवाल ने बताया कि उक्त स्थान पर नालियां चौड़ी और गहरी होने के साथ खुली होने के कारण रोजमर्रा कोई न कोई हादसा पेश आता है। उक्त नाली को ढककर लोहे की झाली लगाने के लिए पंचायत में कई मर्तबा गुहार लगाई लेकिन नाली पर झाली नहीं होने से एक तरफ वाहन फंस रहे हैं तो पैदल राहगीर भी कई मर्तबा घायल हो चुके हैं।कुंड चौक वासियों और व्यवसासियों ने उक्त खुली नालियों को ढकने की गुहार लगाई है।

शिक्षण अधिगम सामग्री निर्माण कार्यशाला एवं प्रदर्शनी में उमड़ा उत्साह

उदयपुर (यूथ की आवाज़)। शहर के विद्या भवन गोविंदराम शिक्षक महाविद्यालय में सोमवार को शिक्षण अधिगम सहायक सामग्री की प्रदर्शनी लगाई गई। समन्वयक डॉ. मीनाक्षी शर्मा ने बताया कि प्रदर्शनी में बी.एड. प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों ने 60 चार्ट एवं 32 क्रियाशील मॉडल बनाकर लगाए। चार्ट और मॉडल आकर्षक, विचारोत्तेजक, कम बजट, स्वतः स्पष्ट एवं गतिविधि आधारित थे। विद्यार्थियों ने ये शिक्षण अधिगम सामग्री दस दिवसीय कार्यशाला में पूर्ण की। प्रदर्शनी का उद्घाटन शिक्षा जगत के विद्वान प्रो. एम.पी. शर्मा एवं प्रो. डी.एन. दानी ने किया। उन्होंने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए प्रदर्शनी का अवलोकन कर मार्गदर्शन दिया। प्रो. शर्मा ने कहा कि विद्यार्थियों द्वारा बनाई गई शिक्षण सामग्री में अवधारणा, कौशल एवं सामग्री का बेहतर उपयोग एवं प्रयोग नजर आया। प्रो दानी ने कहा शिक्षण सामग्री बनाते समय ध्यान रखें कि उसमें केवल एक ही अवधारणा हो, साथ ही वे चिंतनशीलता का विकास करने वाले हो। इस मौके पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. फरजाना इरफान, गांधी शिक्षण संस्थान की प्राचार्य डॉ. भगवती अहीर, अभिलाषा स्कूल के विशेष बालकों सहित संकाय सदस्यों एवं 250 विद्यार्थियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

खेरवाड़ा : 18 दिन बाद भी जलापूर्ति नहीं हुई बहाल बूंद बंद पानी को तरसे कस्बा वासी

खेरवाड़ा (यूथ की आवाज) (धरणेन्द्र जैन)। कस्बे को पेयजल आपूर्ति करने वाले गोदावरी बांध से 18 दिनों से बंद पड़ी जलापूर्ति के अभी तक बहाल नहीं होने से कस्बावासी बूंद बूंद पानी को तरस रहे हैं चारों तरफ पानी को लेकर त्राहिमाम मचा हुआ है, वहीं जलदाय विभाग कुंभकर्णी नींद सोया हे। कस्बा वासी टैंकर से तो कोई पारंपरिक कुएं व हैंडपंपों से पानी लाने को मजबूर हो रहे हैं। ग्रामीणों ने बताया कि गत 2 नवंबर को गोदावरी बांध स्थित 60 एचपी की दोनों मोटरों के जल जाने से जलापूर्ति ठप हो गई तथा विभाग द्वारा वैकल्पिक व्यवस्था के तहत कस्बे के पुराने जल स्रोतों से पेयजल आपूर्ति प्रारंभ की गई। पुराने जल स्रोतों से की जा रही जलापूर्ति से कस्बे के सभी मोहल्लों में पानी नहीं पहुंच रहा है तथा तीन-चार दिन में एक बार, वह भी कम दबाव से पेयजल आपूर्ति की जा रही है। जिससे कस्बावासी परेशान है तथा बूंद बूंद पानी को तरस रहे हैं। क्षेत्र के वरिष्ठ भाजपा नेता पारस जैन ने जलदाय विभाग के अतिरिक्त मुख्य अभियंता शैतान सिंह से दूरभाष पर बात कर स्थिति से अवगत कराया तथा जलदाय विभाग के अधिकारियों की लापरवाही व उदासीनता पर रोष प्रकट कर व्यवस्था को शीघ्र सुधार करने तथा शिघ्र हि गोदावरी बांध से पानी की जलापूर्ति प्रारंभ करने की मांग की है। इनका कहना है विभाग के सहायक अभियंता आलोक गरासिया ने बताया कि गोदावरी बांध स्थित 60 एचपी की दोनों मोटरों को दुरस्त करने के लिए अहमदाबाद कंपनी में भेजी गई है । जिनके मंगलवार तक दुरस्त होकर आने की संभावना है तथा बुधवार से जलापूर्ति सुचारू रूप से प्रारंभ कर दी जाएगी ।

टीकाकरण और दुष्प्रभावों से बचाव के लिए कार्यशाला

खैरवाड़ा (यूथ की आवाज़)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ शंकर एच बामनिया ने बताया कि आज मोहनलाल सुखाडिया विश्वविद्यालय सभागार में भींडर, वल्लभनगर, गोगुंदा,सायरा, झाड़ोल, कोटडा, मावली और फलासिया के खण्ड मुख्य चिकित्सा अधिकारी, सीएचसी/पीएचसी के चिकित्सा अधिकारी प्रभारी और एलएचवी की कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में एईएफआई क्यूएमएस सर्विलेंस, वीपीडी सर्विलेंस,एम आर टीकाकरण प्रगति और समीक्षा, कोल्ड चेन की देखरेख, जन्म के समय का टीकाकरण, अर्धवार्षिक टीकाकरण की समीक्षा,कोल्ड चेन मेंटीनेंस,गेवी मोनिटरिंग फाइंडिंग और इश्यू समीक्षा,यू वीन पोर्टल की समीक्षा की गई। आरसीएचओ डॉ अशोक आदित्य ने बताया कि टीकाकरण समय पर पूरा कर लक्ष्य को समय पर पूरा करना और दुष्प्रभावों को कम करते हुए इसकी रिपोर्टिंग करना कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य रहा। उदयपुर जिले में गर्भावस्था से लेकर टीकाकरण तक सभी गतिविधियों पर विस्तार से चर्चा की गई। मिसिंग डिलीवरी का पता लगा कर रिपोर्ट करने के निर्देश दिए। डॉ अंकित व्यास ने टीकाकरण से वंचित बच्चों को पता कर टीकाकरण पूर्ण करने के बारे में बताया। डॉ राकेश गुप्ता ने एईएफआई के बारे में विस्तार से जानकारी दी और चेकलिस्ट के अनुसार निरीक्षण करने के बारे में जानकारी दी। मुदित माथूर ने गर्भवती महिलाओं का समय पर रजिस्ट्रेशन करने और डिलीवरी होने तक फोलोअप करने के बारे में बताया। गैर संचारी रोगों पर भी चर्चा की गई। मोहम्मद हुसैन बोहरा ने प्रसव कक्ष की देखभाल और लक्ष्य कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी।

राजस्थान वनवासी कल्याण परिषद राजसमंद में आज राजकीय महाविद्यालय केलवाड़ा में

नाथद्वारा (यूथ की आवाज़)। राजसमंद जिले के राजकीय महा विद्यालय केलवाड़ा में आज राजस्थान वनवासी कल्याण परिषद राजसमंद द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ मां भारती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया, दीप प्रज्वलित के पश्चात मंच पर विराजमान सभी अतिथियों का स्वागत किया गया कार्यक्रम के मुख्य वक्ता शांतिलाल आहारी ने राजस्थान वनवासी कल्याण परिषद राजसमंद जिला मंत्री रहे मुख्य वक्ता के द्वारा भगवान बिरसा मुंडा के जन्म से लेकर उनकी मृत्यु काल तक उनके द्वारा किए गए जनजाति समाज के लिए हर कार्य के बारे में युवाओं को अवगत कराया गया एवं आज की परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए जन जाति समाज में कैसे युवाओं के भड़काने के भरम फैलाई जा रहे हैं एवं जनजाति युवाओं के बीच कुछ लोगों द्वारा कैसे अलगाव पैदा किया जा रहा है इसके बारे में भी शांतिलाल भाई साहब के द्वारा विस्तृत में युवाओं को जानकारी दी गई साथ ही इस अवसर समाज सेवी कार्यक्रम में उपस्थित नारायण लाल बाहती श्रीमान रतन लाल श्रीमान देवी लाल भील बनवासी कल्याण परिषद संरक्षक राजसमंद राजकीय महाविद्यालय केलवाड़ा प्राचार्य त्रिभुवन सिंह झाला सहायक प्राचार्य ललित जीवाराम चुन्नीलाल भील मोहन सिंह रावत एवं जनजाति समाज के प्रमुख व्यक्ति कार्यक्रम में उपस्थित रहे कार्यक्रम का संचालन बंटी द्वारा किया गया

मोड़ चतुवेर्दी ब्राह्मण समाज का चतुर्थ सम्मेलन डायली में सम्पन्न

खैरवाड़ा (यूथ की आवाज़)। समीपस्थ सराडा तहसील के डायली गाँव मे कुरीतियां मिटाने व समाज में एकरूपता कायम करने के लिए गांव में दूर दराज के समाज जन इस वर्ष की चतुर्थ बैठक में उपस्थित हुए । समाज के जाने माने हरीश चतुवेर्दी ने बताया कि बैठक में चावण्ड, डायली, सैपूर, कातनवाडा, उदयपुर, चणावदा, खड़क एवं वागड़ के समाज जन एक जाजम पर बैठे और समाज में एकरूपता कायम करने, समाज में फैली हुई कुरीतियों को दूर करने तथा आज के परिप्रेक्ष्य में हमारे दायित्व क्या क्या होने चाहिए आदि विषयों पर मोड़ चतुवेर्दी ब्राह्मण समाज की विधान निर्माण समिति द्वारा निर्मित विधान के सभी बिंदुओं पर व्यापक चर्चा तथा विचार -विमर्श किया गया। विधान को सर्वसम्मति से पारित कर तुरंत प्रभाव से प्री वेडिंग ,फोटो शूट और डेस्टीनेशन वेडिंग पर प्रतिबंध लगाया गया। बैठक में आधुनिकता की चकाचौंध में बढ़ रहे अपव्ययों पर नियंत्रण हेतु नियम निर्धारित किए गए। सामाजिक रूप से पिछड़े एवं विपदाग्रस्त परिवारों हेतु सामाजिक सहायता फण्ड गठित करने की घोषणा हुई। संस्था के रूप में रजिस्ट्रेशन करवाने व मांगलिक एवं अमांगलिक प्रसंगों पर दिखावे के नाम पर होने वाले खर्चों पर भी रोक लगाने का निश्चय किया गया। परम्परागत रीति रिवाजों पर एकरूपता कायम की गई। मोड़ चतुवेर्दी ब्राह्मण समाज के इस महत्वपूर्ण सम्मेलन को समाज के प्रबुद्ध वक्ताओं ने संबोधित किया और सामाजिक नियमावली आदि पर कठोरता से पालन करने पर जोर दिया। सम्मेलन की अध्यक्षता केन्द्रीय कार्यकारिणी के अध्यक्ष दीपनारायण पंडिया ने की तथा मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि के रूप में परामर्श दाता मंडल व संरक्षक मंडल के सदस्य थे। सभा के प्रारंभ में मोड़ चतुवेर्दी ब्राह्मण समाज डायली द्वारा सभी अतिथियों को तिलक एवं उपरणा पहनाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन हरीश चतुवेर्दी, लक्ष्मी लाल पंडिया,हरीशकर पंडिया, राजेन्द्र जानी के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। आभार प्रदर्शन एवं धन्यवाद,डायली के सदस्य एवं केन्द्रीय कार्यकारिणी के महासचिव केशव लाल चतुवेर्दी ने किया।

धराया छप्पन भोग ,बृज के पारम्परिक व्यंजनों का हुआ अन्नकूट

उदयपुर (यूथ की आवाज़)। अग्र बृज रज परिवार का छप्पन भोग कार्यक्रम अन्नकूट प्रसादी के साथ अमरख जी महादेव पर सम्पन्न हुआ ,परिवार के रविन्द्र अग्रवाल ने बताया कि सी पी बंसल द्वारा छप्पनभोग व सत्यनारायण गुप्ता द्वारा अन्नकूट की प्रसादी कार्यक्रम धूमधाम से सम्पन्न कराया ,अन्नकूट प्रसादी की विशेषता रही कि इसमें बृज भरतपुर संभाग के अन्नकूट अवसर पर बनाये जाने वाले पारंपरिक व्यजंन जैसे बाजरा, कढ़ी,पुए,पकोड़े आदि का प्रसाद सभी परिवार जनों ने ग्रहण कर अपने क्षेत्र की याद ताजा की ओर हर्षउल्लास के साथ भगवान की प्रसादी प्राप्त की व महा आरती सभी अग्र बृज रज परिबार जनों द्वारा की गई ।

इंजिनियर विराग मालाती 900 किमी की पैदल यात्रा कर उदयपुर पंहुचे, आज नाकोड़ा जी के लिये निकलेंगे

उदयपुर (यूथ की आवाज़)। नवी मुंबई से नाकोड़ा जी की ग्रीन वोकाथोन की 1200 किमी की पदयात्रा के तहत अब तक 900 किमी की यात्रा कर इंजिनियर विराग मालाती आज उदयपुर पंहुचे। जहां उनका स्वागत किया गया। राकेश धनावत ने बताया कि संगीतकार इजि. विराग को मुंबई से पदयात्रा कर यंहा पंहुचनें में 66 दिन लगे है। वे कल मंगलवार प्रातः 6 बजे नाकोड़ा जी के लिये शेष 300 किमी. की यात्रा करने के लिये पैदल रवाना होंगे। विराग मालाती नाकोड़ा जी के भजनों की प्रस्तुति देते है। विराग वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर एवं समाजिक कार्यकर्ता है।

सीईओ बैरवा ने नरेगा कार्यस्थल एवं आवास का किया औचक निरीक्षण

नाथद्वारा (यूथ की आवाज़)। राजसमंद जिला परिषद मुख्य कार्यकारी अधिकारी बृज मोहन बैरवा ने पंचायत समिति रेलमगरा के ग्राम पंचायत कुरज के मनरेगा कार्य स्थल पंचफल विस्तार कार्य का निरीक्षण किया। कार्यरत श्रमिकों से टास्क अनुसार पूरा कार्य करने के निर्देश दिये जिससे कि पूरी मजदूरी मिल सके, साथ ही ग्राम पंचायत कुरज को अपूर्ण पडे. नर्सरी विकास कार्य को भी पूर्ण करने हेतु निर्देश दिये। चारागाह में खादरा नाड़ी कार्य का भी निरीक्षण कर कनिष्ठ तकनिकी सहायक को विभागिय निदेर्षानुसार ग्रुप अनुसार मजदूरी भुगतान हेतु निर्देषित किया। मेट को ग्रुप अनुसार कार्य देने एवं कार्य की मपती मस्ट्रोल में अंकित करने के लिए कहा। मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत प्रगतिरत कार्य रामलाल भील, शान्ति भील, हीराबाई कालबेलिया, हेमराज यादव एवं बद्रीलाल जाट के आवासों का निरीक्षण कर लाभार्थियों से समय पर कार्य पूर्ण करने के लिए बोला और ग्राम पंचायत व विकास अधिकारी को समय पर उपयोगिता प्रमाण पत्र तैयार कर किस्त जारी करने का निर्देश दिये। निरीक्षण में विकास अधिकारी गिरिराज आगाल कनिष्ठ तकनीकी सहायक गौरव उपाध्याय, कनिष्ठ सहायक माधव लाल सीरवी, भगवती लाल शर्मा साथ में थे।

सार-संक्षेप

भूपालसागर मध्यम सिंचाई परियोजना के चुनाव कार्यक्रम की तिथि निर्धारित

चित्तौड़गढ़ (यूथ की आवाज़)। भूपालसागर मध्यम सिंचाई परियोजना के चुनाव कार्यक्रम की तिथि निर्धारित कर दी गई है राजस्थान सिंचाई प्रणाली के प्रबंधन में कृषकों की सहभागिता अधिनियम 2000 नियम 2002 के अंतर्गत जल उपभोक्ता संग्राम की प्रबंध समिति के अध्यक्ष सदस्यों निर्वाचन हेतु चुनाव करवाए जाएंगे। सिंचाई परियोजना के जल उपभोक्ता संगम तहसील भूपालसागर के कमांड क्षेत्र में जल उपभोक्ता संगम संख्या 1 से 2 तक चुनाव कार्य वाही संपन्न होगी निर्वाचन अंतर्गत 27 नवंबर 2024 को नामांकन पत्र प्राप्त किए जाएंगे एवं आवश्यकता होने पर 28 नवंबर को मतदान कराया जाएगा। निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं अधिशाषी अभियंता जल संसाधन खंड चित्तौड़गढ़ राजकुमार शर्मा ने बताया कि नामांकन एवं मतदान की प्रक्रिया जल उपयोक्ता संगम क्रमांक 01 का निरीक्षण गृह एवं भूपालसागर जल उपयोक्ता संगम क्रमांक 02 का कार्यालय सहायक अभियंता जल संसाधन उपखण्ड पर पूर्ण की जाएगी।

अवैध टोपीदार बंदूक के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

चित्तौड़गढ़ (यूथ की आवाज़)। गंगरार थाना पुलिस ने सोमवार को गश्त के दौरान एक व्यक्ति के कब्जे से एक अवैध टोपीदार एक नाल बंदुक को जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया है पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी ने बताया कि एएसपी सरिता सिंह के निर्देशन व डीएसपी गंगरार प्रभुलाल कुमावत के सुपरविजन में लोकल स्पेशल एक्ट की कार्यवाही हेतु सोमवार को थाना गंगरार की पुठोली चौकी के इंचार्ज एएसआई देवी सिंह, कानि. जगदीश धाकड़ व बलवीर के साथ गश्त करते हुए मेडिखेडा गांव पहुचे। इसी दौरान सुचना मिली कि एक व्यक्ति धुवालिया गांव से मुरलिया चौराहे की तरफ एक अवैध टोपीदार एक नाल बंदुक लेकर जा रहा है। जिस पर पुलिस को मुरलिया चौराहे पर पहुच धुवालिया गांव के कच्चे रास्ते की तरफ से एक व्यक्ति हाथ मे बंदुक लेकर आते दिखाई दिया। जो पुलिस जाप्ता को देखकर वापिस जाने लगा, जिसको पुलिस जाप्ता ने दौडकर रोका, जिसके कब्जे से बिना लाइसेंस की एक नाल टोपीदार बंदुक को जप्त कर आरोपी लालास थाना गंगरार निवासी दिनेश पुत्र शंकर लाल भील को गिरफ्तार किया गया। आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट में प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान किया जा रहा

स्थगन के बावजूद कीमती जमीन पर कब्जे की कोशिश हथियारबंद लोगों ने किया हमला

चित्तौड़गढ़ (यूथ की आवाज़)। भू-माफियाओं द्वारा जमीनों को हथियाने और दंबगई के दम पर कब्जे करने के कई मामले देखने को मिलते है। ऐसा ही एक मामला सदर थाने के सेंती क्षेत्र में देखने में आया है। जहां करीब 8 घंटे तक भू-माफियाओं ने जमकर तांडव मचाया और हथियारों व जेसीबी मशीन के साथ कई दर्जन लोग शराब के नशे में न्यायालय से स्थगन के बावजूद जमीन पर कब्जा करने पहुंच गये और वहां खेत पर काम कर रहे लोगों पर हमला करते हुए फसल नष्ट कर दी, वहीं दर्जनों पेड़ धराशाही करते हुए जमीन की बाड़ हटा दी और वहां बंधी एक गाय की भी इस घटनाक्रम में मौत हो गई। भूमाफियाओं द्वारा किये गये इस घटनाक्रम के बाद डरे सहमे परिवार के लोग थाने पहुंचे और आज सुबह परिवार के लोगों ने कलेक्ट्रेट पहुंच कर जिला कलक्टर एवं पुलिस अधीक्षक को गुहार लगाई और तब जाकर पुलिस ने जमीन का मौका मुआयना किया है। सदर थाने में परिवारजनों ने पांच लोगों ने नामजद करते हुए कई दर्जन हमलावरों के खिलाफ रिपोर्ट दी है। विभिन्न न्यायालयों में लम्बित है मामला जानकारी के अनुसार सेंती क्षेत्र के भंडारिया रोड पर स्थित 16 बीघा भूमि स्थित है। जिस पर विभिन्न न्यायालयों में विवाद लम्बित है। उपखंड न्यायालय, राजस्व मंडल और अपर एवं जिला न्यायाधीश चित्तौड़गढ़ में लम्बित वाद होने के साथ-साथ भूमि पर स्थगन आदेश है, लेकिन न्यायालय से स्थगन के बावजूद भूमाफिया भूमि पर कब्जा जमाने पर आमादा है और जमीन की कीमतें बढ़ने के साथ ही भूमाफियाओं की नजरें इस भूमि पर टिक गई है और बीती रात हुए इस घटनाक्रम के बाद लीला बाई, सोसर बाई, नन्दूबाई, मोहननाथ सहित परिवार के कई लोगों ने पुलिस अधीक्षक के यहां रिपोर्ट देकर राकेश पालीवाल, ममता पालीवाल, प्रवीण खन्जाची, अर्जुन सिंह झाला, अनिल धाकड़ नामक लोगों के खिलाफ नामजद रिपोर्ट देते हुए पुलिस अधीक्षक को गुहार लगाई है। उखाड़ दिये दर्जनों हरे पेड़, एक गाय की भी मौत बीती रात भूमाफियाओं ने जमीन पर कब्जा करने की नियत से शराब के नशे में तांडव मचाया। इस दौरान उन्होनें खेत में उगे दर्जनों हरे पेड़ भी जमीन से उखाड़ दिये। वहीं परिवारजनों ने बताया कि खेत में एक पेड़ से गाय बंधी थी। जिस पर पेड़ का एक हिस्सा जा गिरा। संभवतया गाय की भी उससे मृत्यु हो गई। अपनी रिपोर्ट में उन्होंने हरे पेड़ जड़ों से उखाड़ दिये जाने और मारपीट करने सहित हत्या करने की नियत से हमसलाह होकर तलवार, सरिये और लाठियों से लैस होकर हमला करने का मामला दर्ज कराया है। सेंती क्षेत्र में स्थित है कृषि भूमि अपनी रिपोर्ट में परिजनों ने बताया कि यह कृषि भूमि सेंती क्षेत्र में स्थित है जिसकी खसरा संख्या 497, 498, 499, 501 से 506, 519, 520 और 128 है। इस कृषि भूमि पर मौके व रिकार्ड की यथास्थिति बनाये रखने को लेकर स्थगन आदेश दिया हुआ है और कई प्रकरण विचाराधीन होने के बावजूद भूमाफिया हमलावर होकर कब्जा जमाना चाह रहे है। यह कहानी सुनाते हुए परिवार की कई महिलाओं के तो रूलाई फूट गई और उन्होंने बताया कि बुजुर्ग और महिलाओं के साथ भूमाफियाओं ने मौके पर ही शराब का सेवन किया।

चित्तौड़गढ़ क्रय विक्रय सहकारी समिति

(यूथ की आवाज़)। विकसित भारत के निर्माण में सहकारिताओ की वि-रु39यो-नवजया भूमिका है-उचय प्रवीण सिंह राठौड़ चित्तौड़ग-सजय़ अखिल भारतीय सहकार सप्ताह के तहत सोमवार को क्रय विक्रय सहकारी समिति लिमिटेड चित्तौडग-सजय द्वारा सहकारी संगठनो के बीच सहयोग को मजबूत करना वि-ुनवजयाय पर संगो-ुनवजयठी का आयोजन चेयरमेन प्रवीण सिंह राठौड़ की अध्यक्षता में समिति परिसर में किया गया। मुख्य प्रबंधक महेन्द्र वर्मा ने बताया की प्रति व-ुनवजर्या की भांति इस व-ुनवजर्या भी दिनाक 14 नवम्बर से 20 नवम्बर तक अखिल भारतीय सहकार सप्ताह का आयोजन समूचे दे-रु39या में किया जा रहा है। इस सप्ताह के तहत सोमवार को सहकारी संगठनो के बीच सहयोग को मजबूत करना वि-ुनवजयाय पर संगो-ुनवजयठी का आयोजन किया गया। संगो-ुनवजयठी के दौरान सहकारी भूमि विकास बैंक सचिव सुनील व्यास ने सहकारी संस्थाओ इफ्फको,कृभको के उत्पाद पर प्रकाश डालते हुए किसान किस तरह इनके उत्पाद युरिया एवं डिएपी का प्रभावी उपयोग अपनी फसल में कर सकता है। उन्होने अमूल डेयरी, मदर डेयरी एवं सरस डेयरी का उदाहरण देते हुए कहां कि यह संस्थाएं सहकारिता के क्षेत्र में अपना नाम रोशन कर रही है। मुख्य क्षैत्रिय प्रबंधक कृभको रामजी लाल -रु39यार्मा ने बताया की कृभको कम्पनी के आने वाले उत्पाद जैविक खाद, नेनो डिएपी, नेनो युरिया का प्रयोग किसान अपनी फसल में करके अधिक मुनाफा ले सकता है। अपने अध्यक्षीय उदबोधन में चेयरमेन प्रवीण सिंह राठौड़ ने बताया कि इफ्फको एवं कृभको सहकारी क्षेत्र में किसानों को समय पर माल उपलब्ध करा रही है, किसान राजफेड के माध्यम से अपनी कृषि उपज बेचकर बाजार दर से अधिक मुनाफा ले सकता है। इस अवसर पर उपाध्यक्ष रामे-रु39यवर धाकड़, सीकेएसबी प्रबंधक(प्र-रु39याासन) सुधीन्द्र गोठवाल, समिति डायरेक्टर महिपाल सिंह भाटी, कि-रु39यान डांगी, लेहरूलाल गाडरी बड़ी संख्या में कृ-ुनवजयाक उपस्थित थे।

श्री कालभैरव (श्री काला जी बावजी) देव स्थल पर भव्य जन्मोत्सव 22- 23 नवम्बर को

चित्तौड़गढ़ (यूथ की आवाज़)। बोजुन्दा पॉलिटेक्निक कॉलेज के समीप स्थित श्री कालभैरव (श्री काला जी बावजी) देव स्थल पर कालभैरव जन्मोत्सव 23 नवंबर, अष्टमी के अवसर पर हवन, पूजन, अनुष्ठान, कलश शोभायात्रा, भजन संध्या व महाप्रसाद का आयोजन होगा। आयोजन में आसपास सहित सुदूरस्थ क्षेत्र से बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं विशिष्ट जन और जनप्रतिनिधि शिरकत करेंगे। यह जानकारी देते हुए पुजारी बाबूलाल जटिया सतखंडा ने बताया कि श्री काल भैरव जन्मोत्सव, भैरव अष्टमी, के उपलक्ष में शुक्रवार 22 नवंबर को रात्रि में नौ बजे से जागरण, और रात्रि 12:15 बजे महाआरती होगी। जबकि मुख्य आयोजन शनिवार 23 नवंबर को प्रातः 9:15 बजे हवन, 11:15 बजे श्री काल भैरव जी की शोभायात्रा एवं कलश यात्रा श्री काल भैरव सर्किल विजन कॉलेज से मंदिर तक निकाली जाएगी। दोपहर 12:15 बजे सुप्रसिद्ध कलाकारों द्वारा संगीत की धुन के साथ महा आरती और उसके पश्चात महाप्रसादी का आयोजन किया जाएगा । इस दौरान दिनभर मेवाड़ के प्रसिद्ध भजन गायक शंकर लक्खा एण्ड पार्टी का भजन संध्या आयोजन रहेगा। उल्लेखनीय है कि अति प्राचीन श्री काल भैरव (श्री काला बावजी) मंदिर युगादि चमत्कारिक देवस्थल है। यहां प्रत्येक शनिवार को बावजी की गादी लगती है, और माह की प्रत्येक अष्टमी को श्री कालिका माता जी की महाआरती की जाती है। इस धर्म स्थल पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का वर्ष भर आवागमन रहता है। मान्यता है कि यहां श्रद्धालुओं की हर मनोकामना पूरी होती है, और दैहिक, दैविक, भौतिक कष्टों से मुक्ति भी मिलती है। यहां आने वाले श्रद्धालुओं ने बताया कि चित्तौड़गढ़ जिले के आसपास ही नहीं, बल्कि राजस्थान सहित मुंबई, दिल्ली, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश व अन्य राज्यों से यहां श्रद्धालु आते हैं और अपनी मनोकामना की पूर्ति पर धन्य होते हैं।

राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन हेतु बैठक आयोजित

चित्तौड़गढ़ (यूथ की आवाज़)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, चित्तौड़गढ़ के अध्यक्ष एवं जिला एवं सेशन न्यायाधीश महोदय महेन्द्र सिंह सिसोदिया के निदेशानुसार दिनांक 14 दिसम्बर 2024 को आयोजित होने वाली इस वर्ष की चतुर्थ राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन हेतु आज दिनांक 18 नवंबर 2024 को न्यायालय परिसर चित्तौड़गढ स्थित जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यालय में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, चित्तौड़गढ़ के सचिव एवं अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश सुनील कुमार गोयल की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के अध्यक्ष एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, चित्तौड़गढ के सचिव सुनील कुमार गोयल ने राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक प्रकरणों को चिन्हित कर लोक अदालत में राजीनामे से निस्तारित करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। उन्होंने प्री-लिटिगेशन मामलों को लोक अदालत में रखवाकर निस्तारित करने हेतु निर्देश प्रदान किए ताकि अधिक से अधिक मामलों का निस्ताकरण कर न्याय को शीघ्र एवं सुलभ बनाया जा सके। बैठक में हरिमोहन प्रजापति प्रतिनिधि नगर विकास न्यास, डॉ. घनश्याम चौहान प्रतिनिधि स्वास्थ्य विभाग उपस्थित हुए। जानकारी देते हुए सचिव सुनील कुमार गोयल ने बताया कि इस वर्ष की चतुर्थ एवं अंतिम राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन दिनांक 14.12.2024 को किया जाएगा। जिसमें न्यायालयों में लम्बित एवं प्री लिटीगेशन प्रकरणों का इस लोक अदालत के माध्यम से निस्तारण किया जायेगा। अतः समस्त पक्षकार इस लोक अदालत में अधिक से अधिक प्रकरणों को रखवाकर लोक अदालत का अधिक से अधिक लाभ उठावें।

भाजपा नगर मंडल चित्तौड़गढ़ की संगठन कार्यशाला हुई कार्यशाला में भाजपा नगर अध्यक्ष सागर सोनी ने चित्तौड़ मंडल का वृत रखा

चित्तौड़गढ़ (यूथ की आवाज़)। भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल चित्तौड़गढ़ संगठन महापर्व की कार्यशाला रविवार को बापू नगर सेंती स्थित डिप एंड सिप रिजॉर्ट पर भाजपा जिलाध्यक्ष मिट्ठू लाल जाट के मुख्य आथित्य, मंडल प्रभारी जिला महामंत्री देवी सिंह राणावत के विशिष्ट आथित्य एवं भाजपा नगर अध्यक्ष सागर सोनी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। नगर मीडिया प्रभारी लोकेश मिश्रा ने प्रेस विज्ञप्ति में बताया की भारतीय जनता पार्टी के संगठन महा पर्व को लेकर जिले की कार्यशालाओं के बाद मंडल स्तर पर भी कार्यशालाएं आयोजित की जा रही है। कार्यशाला को संबोधित करते हुए भाजपा जिला अध्यक्ष मिट्ठू लाल जाट ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि संगठन में कार्यकर्ता ही सर्वोपरि होता है,भारतीय जनता पार्टी विश्व की सबसे बड़ी पार्टी होने के साथ ही विश्व की सबसे अनुशासित पार्टी है। भाजपा संगठन में आम कार्यकर्ता किसी भी पद पर जा सकता है। भाजपा कैडर बेस्ड पार्टी है, नगर मंडल चित्तौड़गढ़ में कम से कम 50 महिला सक्रिय सदस्य अनिवार्य रूप से बनाने है। मंडल प्रभारी जिला महामंत्री देवी सिंह राणावत ने कार्यशाला में कहा कि संगठन पर्व को त्यौहार एवं उत्साह के साथ मनाए। इसको बूथ स्तर तक पहुंचना प्रत्येक भाजपा कार्यकर्ता की जिम्मेदारी है, सदस्यता अभियान से पार्टी के वरिष्ठ ज्येष्ठ एवं श्रेष्ठ कार्यकर्ता सदस्यता अभियान से छूट ना जाए इसकी हमे पूरी जानकारी रखनी है। उन्होंने बुथ स्तर तक बैठके करने का भी आव्हान किया। भाजपा नगर अध्यक्ष सागर सोनी ने स्वागत उद्बबोधन देते हुए सदस्यता अभियान, सक्रिय सदस्यता अभियान का वृत प्रस्तुत किया। सोनी ने संगठन चुनाव प्रक्रिया एवं संगठनात्मक कार्यों की जानकारी देते हुए कहा कि भाजपा में संगठन पर्व का समय चल रहा है इसको संगठन

चुनाव ना कह कर संगठन महापर्व कह रहे हैं। इस दौरान भाजपा प्रदेश सह कोषाध्यक्ष अनिल सिसोदिया, जिला कोषाध्यक्ष हरीश ईनानी, नगर महामंत्री छोटू सिंह शेखावत, घनश्याम लोट, गौरव त्यागी, पूर्व पालिकाध्यक्ष गोविंद काबरा, नगर महामंत्री शिव प्रकाश मंत्री, विधानसभा संयोजक गौरव त्यागी मंचासीन रहे। इससे पूर्व अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर बैठक का शुभारंभ किया। कार्यशाला में जिला प्रचार मंत्री गोवर्धन जाट, जिला मीडिया प्रभारी मनोज पारीक,सिंपल वैष्णव, महिला मोर्चा नगर अध्यक्ष इंदिरा सुखवाल, भाजयुमो नगर अध्यक्ष अविनाश शर्मा, शेखर शर्मा, प्रकाश पूरी,पिंकी मूंदड़ा,अल्का चतुर्वेदी, चेतन गौड, हरीश गुरनानी, दीपक शर्मा, नगर उपाध्यक्ष चंद्रशेखर सोनी,महेंद्र सिंह, लोकेश त्रिपाठी, नगर मंत्री विष्णु सेन, नगर कोषाध्यक्ष मुरली बाहेती, अशोक पालीवाल,अली असगर बोहरा, शांतनु काबरा, कविता लालवानी, भारती वैष्णव,जया पंवार, दीपक पटवारी,उमेश देवनानी, झमकलाल सुखवाल,विजय मलकानी,राजू सेन सहित भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

दृष्टिबाधित विद्यार्थियों सम्पन्न हुई क्रिकेट प्रतियोगिता 137 रन से विजय प्राप्त की नेत्रहीन विकास संस्थान जोधपुर ने

(यूथ की आवाज़)। चित्तौडगढ में पहली बार आयोजित दृष्टिबाधित विद्यार्थियों की प्रथम राज्य स्तरीय विद्यालयी क्रिकेट प्रतियोगिता का हर्षोल्लास के साथ हुआ समापन, बांटे नगद पुरस्कार, प्रतिक चिन्ह एवं प्रमाण पत्र। दीपक पगारिया आयोजन अध्यक्ष, लक्ष्मी लाल स्वर्णकार आयोजन सचिव ने संयुक्त रूप बताया की दृष्टिहीन क्रीड़ा परिषद अजमेर व चित्तौड़गढ़ विक्टर राउण्ड टेबल 361 चित्तौड़गढ़ के संयुक्त तत्वावधान में समग्र शिक्षा के संरक्षण में दृष्टिबाधितों को समाज की मुख्यधारा में समायोजन, समाज में इनके प्रति सकारात्मक सोच का निर्माण, भेदभाव को रोकना, इनके अधिकार एवं क्षमताओं के बारे में जागरूकता उत्पन्न करने के उद्देश्य से चित्तौड़गढ़ में राज्य में दृष्टिबाधित के लिए संचालित आवासीय विद्यालयों में अध्यनरत दृष्टिबाधित विद्यार्थियों की प्रथम राज्य स्तरीय विद्यालयी क्रिकेट प्रतियोगिता का समापन 17 नवम्बर 2024 को हर्षोल्लास के साथ समापन हुआ। इस प्रतियोगिता में राज्य की चार प्रमुख टीमे यथा राजकीय प्रज्ञाचक्षु अंध विद्यालय उदयपुर, राजकीय उच्च माध्यमिक अंध विद्यालय आदर्श नगर अजमेर, राजकीय उच्च माध्यमिक अंध

विद्यालय आंगणवा जोधपुर, नेत्रहीन विकास संस्थान उच्च माध्यमिक जोधपुर के दृष्टिबाधित विद्यार्थियों ने प्रतियोगिता में भाग लिया। इस प्रतियोगिता का आयोजन स्थानीय इन्दिरा गांधी स्टेडियम में किया गया। फाइनल मैच दिनांक 17.11.2024 को नेत्रहीन विकास संस्थान जोधपुर एवं राजकीय उच्च माध्यमिक अंध विद्यालय आदर्श नगर अजमेर के मध्य खेला गया। इस मैच का आरम्भ चित्तौड़गढ़ लोकसभा क्षेत्र के सासंद माननीय सीपी जोशी, बीजेपी के मिठ्ठू लाल जाट जिला अध्यक्ष, देवेन्द्र कंवर प्रधान पंचायत समिति चित्तौड़गढ़, अनिल सिसोदिया प्रदेश कोषाध्यक्ष, सागर सोनी नगर अध्यक्ष, लोकेश त्रिपाटी, सीवीआरटी 361 के दीपक पगारिया, रौनक जैन राज्य कंर्विनर राउण्ड टेबल, भारती वैष्णव, भगवती, संगीता ओझा आदि की उपस्थिति में हुआ। अतिथियों द्वारा सर्व प्रथम टीम से परिचय लिया व शुभकामनाऐं प्रेषित करते हुए मैच आरम्भ कराया गया। माननीय सासंद सीपी जोशी एवं उपस्थित सभी अतिथियो का आयोजन अध्यक्ष दीपक पगारिया, आयोजन सचिव लक्ष्मी लाल स्वर्णकार, रौनक जैन इत्यादी द्वारा स्वागत किया गया। इस अवसर पर सांसद ने अपने उद्बोधन में दिव्यांग को समान अवसर प्रदान करने व इनके सामाजिक पुनर्वास के लिए इस प्रकार की गतिविधियो की सराहना की तथा केन्द्र व राज्य सरकार की दिव्यांग कल्याण हेतु दी जा सुविधाओं को साझा किया। इसी अवसर पर केन्द्र की योजना अन्तर्गत दृष्टि दिव्यांगों को दिये जाने वाले विशेष सहायक स्मार्ट चश्में की जानकारी भी प्रदान की। कार्यक्रम का संचालन हेमेन्द्र कुमार सोनी द्वारा किया गया। समापन के अवसर पर मुख्य अतिथि सीवीआरटी 361 के दीपक पगारिया, अध्यक्षता क्रीड़ परिषद के लालचंद रावत, विशिष्ट अतिथि विनीत जैन, ऋषभ सिसोदिया, प्रतिक सिसोदिया, कार्तिक जिंदल, वैभव जैन, जीतूराम जाट, केसी सोनी, प्रेम प्रकाश गोठवाल, पुपेन्द्र सिह आदि उपस्थित रहें। स्वागत व प्रतिवेदन लक्ष्मी लाल स्वर्णकार द्वारा प्रस्तुत किया गया। दो दिवसीय इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रत्येक खिलाडियो को प्रतिक चिन्ह प्रमाण पत्र भेंट किये गये तथा तृतीय टीम को सीवीआरटी 361 की ओर से 5000 रुपए नगद व चतुर्थ टीम को 5000 रुपए क्रीडा.परिषद अजमेर द्वारा सात्वना पुरस्कार प्रदान किया। प्रतियोगिता में 137 रन बनाकर नेत्रहीन विकास संस्थान जोधपुर की टीम विजेता रही जिसे 10000 दस हजार रुपए नगद पुरस्कार व कप तथा राजकीय उच्च माध्यमिक अंध विद्यालय आदर्श नगर अजमेर की टीम उपविजेता नही जिसे 7000 सात हजार रुपए नगद व उपविजेता कप अतिथियों के कर कमलों से वितरित किये गये।

पंच कल्याणक प्रतिश्ठा महोत्सव एवं विष्व षांति महायज्ञ कल से

चित्तौड़गढ़ (यूथ की आवाज़)। आचार्य श्री आदिसागर जी (अंकलीकर) परंपरा के चतुर्थ पट्टाचार्य आचार्य श्री सन्मति सागर जी मुनिराज के लघुनंदन, प्राकृत ज्ञान केसरी, प्राकृत मार्तण्ड राश्ट्र संत आचार्य श्री सुनील सागर जी महाराज की मंगल प्रेरणा से एवं सकल दिगम्बर जैन समाज व पंच कल्याणक प्रतिश्ठा महोत्सव समिति के तत्वाधान में नव निर्मित श्री आदिनाथ जिनालय का भव्यतम श्रीमद् आदिनाथ जिनबिम्ब पंच कल्याणक प्रतिश्ठा महोत्सव एवं विष्व षांति महायज्ञ 20 से 25 नवम्बर तक कैलाषपुरी मधुवन स्थित अयोध्या नगरी में आयोजित किया जा रहा है। छह दिवसीय इस आयोजन को लेकर तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। मंगल विधान प्रतिश्ठाचार्य महावीर जी जैन गींगला के कर कमलों द्वारा सम्पन्न कराये जायेंगे। पंच कल्याणक प्रतिश्ठा महोत्सव समिति के अध्यक्ष डॉ. ज्ञान सागर जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि वृहद् स्तरीय छह दिवसीय इस आयोजन की तैयारियां विभिन्न समितियों द्वारा की जा रही है। उन्होने बताया कि आयोजन के तहत आचार्य

श्री सुनील सागर जी मुनिराज ससंघ 19 नवम्बर को दुर्ग स्थित सात बीस देवरी मंदिर पधारेंगे। डॉ. ज्ञान सागर ने बताया कि बुधवार 20 नवम्बर को प्रातः 7 बजें जलाभिशेक षांतिधारा, जल पूजन, घट यात्रा सहित विषाल षोभायात्रा जैन मांगलिक धाम से प्रारंभ होकर विभिन्न मार्गो से होती हुई 9 बजें प्रतिश्ठा स्थल कैलाषपुरी मधुवन (अयोध्या नगरी) पहुंचेगी जहां ध्वजारोहण, गर्भ कल्याण (पूर्वार्द्ध) के तहत महाध्वज स्थापना, प्रतिश्ठा पाण्डाल का उद्घाटन, जिनेन्द्र अभिशेक, प्रतिश्ठा मंगल कलष, याग मण्डल कलष, जाप्य कलष स्थापना, अखण्ड दीप स्थापना, पाद प्रक्षालन, आचार्य श्री के मंगल प्रवचन एवं आषीर्वाद आदि के साथ छह दिवसीय मांगलिक आयोजन का षुभारंभ होगा। षोभायात्रा में पन्द्रह बग्गियां, दो हाथी, पांच ऊँट गाड़ी सहित तीन बैण्ड आकर्शण केन्द्र होंगे। इस छह दिवसीय आयोजन में विभिन्न मूनिवृन्द, संघस्थ दीदी सहित विभिन्न स्थानों के गणमान्य श्रेश्ठीजन षामिल होंगे। समिति के महासचिव महावीर रमावत ने बताया कि इस समारोह के लिए लोकसभा अध्यक्ष ओमप्रकाष बिड़ला, पंजाब के महामहिम राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया, राजस्थान के महामहिम राज्यपाल हरिभाऊ किषनराव बागड़े, मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार भजनलाल षर्मा, पूर्व मुख्यमंत्री अषोक गहलोत, केन्द्रीय कृशि मंत्री भागीरथ चौधरी, उप मुख्यमंत्री राजस्थान प्रेमचंद बैरवा, राजस्थान सरकार के सहकारिता मंत्री गौतम दक, भाजपा के पूर्व प्रदेष अध्यक्ष एवं क्षेत्रीय सांसद सी.पी. जोषी, समाज के गौरव एवं व्यवसायी कंवरीलाल, अषोक पाटनी,

गौ सेना की कार्यकारिणी विस्तार बैठक आयोजित

चित्तौडगढ (यूथ की आवाज़)। गौ माता को राज्य माता का दर्जा दिलाने की मांग के लिए लड़ रहे गौ सेना संगठन की चित्तौड़ नगर कार्यकारिणी के विस्तार को लेकर बैठक का आयोजन किया गया। गौसेना के जिला प्रमुख और वार्ड पंच बोरदा गोपाल माली के नेतृत्व में और मोनू जी गुर्जर की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया इस बैठक में मोनू गुर्जर चित्तौड़गढ़ को नगर उपाध्यक्ष, देवेंद्र सिंह को नगर महासचिव, अंशु सेन को नगर सचिव बालकिशन भांड को नगर सहसचिव के पद पर नियुक्त किया ,साथ ही इस बैठक में गंगरार तहसील से तहसील सचिव पद पर नारायण भील एरा को नियुक्त किया। इस बैठक में गौसेना चित्तौड़गढ़ जिला प्रमुख गोपाल माली, चित्तौड़गढ़ तहसील अध्यक्ष राजू लाल गुर्जर, गंगरार तहसील अध्यक्ष भेरुलाल गुर्जर साथ ही गौसेना के सदस्य प्रेम माली, प्रविण सुथार उपस्थित रहे। इसके साथ ही गौसेना तहसील कार्यकारिणी विस्तार के अंतर्गत भटवारा खुर्द रक्तिया बावजी में बैठक

का आयोजन किया। इस बैठक में गौसेना जिला प्रमुख गोपाल माली ने गंगरार तहसील से तहसील महासचिव पद पर कान सिंह सोलंकी, तहसील मंत्री पद पर प्रताप सिंह, आईटी सेल तहसील सह संयोजक पद पर सुनील तिवारी, ग्राम पंचायत कांटी से उपाध्यक्ष पद पर शैतान सिंह सोलंकी, भटवाड़ा खुर्द अध्यक्ष पद पर अंकित अहीर ,भटवाड़ा खुर्द से उपाध्यक्ष पद पर किशन सिंह, भटवाड़ा खुर्द से महासचिव पद पर गोविंद सुखवाल को मनोनीत किया। इस मौके पर गौ सेना के कार्यकर्ता राहुल माली, सूरज माली, किशन माली ,हेमराज माली, प्रकाश माली और कई गौ सेवक उपस्थित थे।

चिंतन

स्वदेशी मिसाइल निर्माण में एक कदम और बढ़ा भारत

सुरक्षा

कर्नल देव आनंद लोहामरोड़

चीन के स्टील्थ फाइटर जेट के प्रदर्शन के बाद भारत ने लंबी दूरी की हाइपरसोनिक मिसाइल का सफल परीक्षण कर दो टूक संदेश दिया है कि भारत रक्षा क्षेत्र में नित मजबूत हो रहा है। भारत को अपनी रक्षा चुनौतियों का भान है और वह हर स्तर पर खुद को अपडेट कर रहा है। केंद्र में जब से नरेन्द्र मोदी की सरकार आई है, रक्षा क्षेत्र में अनेक नीतिगत बदलाव हुए हैं, स्वदेशीकरण व आत्मनिर्भरता पर बल दिया गया है। भारत ने रक्षा उपकरण से लेकर उच्च तकनीक फाइटर प्लेन तक के आयात पर अपनी निर्भरता को कम किया है। इन नीतिगत बदलाव का असर है कि दस वर्ष में ही भारत ने रक्षा क्षेत्र में निर्यात बाजार में मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। लंबी दूरी की पहली स्वदेशी हाइपरसोनिक मिसाइल भारतीय सैन्य क्षेत्र की बड़ी उपलब्धि है। अब भारत उन चुनिंदा देशों में शामिल हो गया है, जिसके पास तेज गति से और हवाई रक्षा प्रणालियों से बचते हुए मार करने की क्षमता वाला हथियार है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा विकसित हाइपरसोनिक मिसाइल भारतीय रक्षा क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक पल है। वर्तमान में, रूस और चीन हाइपरसोनिक मिसाइल विकसित करने में बहुत आगे हैं जबकि अमेरिका ऐसे हथियारों की एक श्रृंखला विकसित करने की प्रक्रिया में है। भारत की मिसाइलों में सामरिक और सामरिक महत्व वाली बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइल प्रणालियां शामिल हैं। इन मिसाइलों को स्वतंत्रता के बाद से विभिन्न मिसाइल कार्यक्रमों के माध्यम से विकसित किया गया है, जिसमें एकीकृत निर्देशित मिसाइल विकास कार्यक्रम (आईजीएमडीपी) सबसे महत्वपूर्ण और सफल है। मिसाइल प्रणालियों का विकास एशिया-प्रशांत क्षेत्र में शक्ति संतुलन और सामरिक स्थिरता बनाए रखने के भारत के उद्देश्य को दर्शाता है। पृथ्वी, आकाश, अग्नि, ब्रह्मोस, सागरिका आदि मिसाइलें भारत के लिए भू-राजनीतिक चुनौतियों और संभावित खतरों का मुकाबला करने के लिए विकसित की गई हैं। अब हाइपरसोनिक मिसाइल भी है। इनका उद्देश्य किसी भी संघर्ष परिदृश्य के दौरान आक्रामक और रक्षात्मक दोनों क्षमताओं को मजबूत करना है। स्वदेशी प्रौद्योगिकी, त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता, उच्च सटीकता और मारक क्षमता भारत की मिसाइल प्रणालियों की पहचान हैं। हमारी वर्तमान मिसाइल क्षमताएं पारंपरिक सैन्य तत्परता को मजबूत करने, विश्वसनीय परमाणु निवारण प्रदान करने तथा भू-राजनीतिक वास्तविकताओं के अनुरूप राष्ट्रीय हितों को सुरक्षित करने में सहायक होंगी। उच्च तकनीक मिसाइलों का रक्षा क्षमताओं को बढ़ाने में बड़ा महत्व है। भारत के लिए थल, जल व नभ तीनों जगह रक्षा चुनौतियां हैं। मोदी सरकार ने रक्षा क्षेत्र के आधुनिकीकरण व स्वदेशीकरण के लिए सीडीएस, सैन्य रक्षा विभाग, डीआरडीओ की मजबूती, 101 सामान्य सैन्य साजोसामान के आयात पर रोक, सैन्य निर्माण में आत्मनिर्भरता, मेक इन इंडिया को बढ़ावा, एफडीआई सीमा 74 फीसदी करने, डिजिटलीकरण, ग्लोबल निर्माण हब बनने, डिफेंस स्टार्टअप्स को प्रोत्साहन, छीवनी प्रशासन में सुधार, रक्षा भूमि सुधार, महिलाओं के लिए अवसर, सीमावर्ती व तटीय कनेक्टिविटी पर जोर समेत अनेक उपाय किए हैं। हालांकि अभी भी भारत सीकर्स, आरएएफ सीकर्स, प्रणोदन प्रणाली जैसे उच्च तकनीकों के लिए आयात पर निर्भर है और बराक, राफेल, हरक्यूलस, सुखोई जैसे फाइटर प्लेन के लिए भी आयात पर निर्भर है। रक्षा तकनीक क्षेत्र में अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है।

हाइब्रिड आतंकवाद का बढ़ता खतरा

> हाइब्रिड आतंकवादी ऐसे व्यक्ति होते हैं जो पूर्व में किसी भी प्रकार की आतंकवादी गतिविधि में शामिल नहीं हुए होते हैं और न ही उनका किसी प्रकार का सामाजिक तौर या पुलिस तथा सुरक्षा जांच एजेंसियों की रडार में किसी प्रकार का अपराधिक / आतंकवादी रिकॉर्ड नहीं होता है। सामान्य शक्ल-सूरत रखने वाले वह लोग जिनका गुप्त तरीके से नामांकित करते हुए भरती करने के उपरांत उचित प्रशिक्षण भी दिया जाता है एवं उनकी पहचान करना सुरक्षा बलों के लिए बहुत मुश्किल एवं चुनौती पूर्ण कार्य होता है। यह लोग आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होते हैं या उनमें सहायता करते हैं। हाइब्रिड आतंकवादी आम लोगों के बीच अपनी सामान्य आम सामाजिक पहचान के साथ रहते हैं।

जम्मू कश्मीर में नई सरकार बनने के बाद सक्रिय हुए आतंकवाद जिनके निशाने पर सेना एवं गैर कश्मीरी हिन्दू नागरिक दिखाई देते हैं। क्या यह कोई साजिश का हिस्सा है जिससे कि केंद्र और राज्य सरकार के बीच में दरार पैदा की जा सके या अलगाववादी एवं डीप स्टेट की कोई भारत सरकार पर दबाव बनाने की साजिश है? कुछ वर्ष पूर्व घाटी में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ के दौरान ऐसे आतंकवादियों को मार गिराया था जो एक-दो दिन पहले ही आतंकवादी समूह का हिस्सा बने थे।

कुछ मामलों में मारे गए आतंकवादी के परिवारजनों को यह भरोसा नहीं था कि उनके बच्चों ने आतंक का रास्ता अख़्तियार कर हथियार तक उठा लिया था। जम्मू कश्मीर पुलिस के मुताबिक़ 'हाइब्रिड आतंकी' वैसे आतंकवादी हैं जो हिंसात्मक गतिविधियों में एक नागरिक के तौर पर शामिल होते हैं। हाइब्रिड आतंकवादी ऐसे व्यक्ति होते हैं जो पूर्व में किसी भी प्रकार की आतंकवादी गतिविधि में शामिल नहीं हुए होते हैं और न ही उनका किसी प्रकार का सामाजिक तौर या पुलिस तथा सुरक्षा जांच एजेंसियों की रडार में किसी प्रकार का अपराधिक/आतंकवादी रिकॉर्ड नहीं होता है। सामान्य शक्ल-सूरत रखने वाले वह लोग जिनका गुप्त तरीके से नामांकित करते हुए भरती करने के उपरांत उचित प्रशिक्षण भी दिया जाता है एवं उनकी पहचान करना सुरक्षा बलों के लिए बहुत मुश्किल एवं चुनौती पूर्ण कार्य होता है। यह लोग आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होते हैं या उनमें सहायता करते हैं। हाइब्रिड आतंकवादी आम लोगों के बीच अपनी सामान्य आम सामाजिक पहचान के साथ रहते हैं। उन्हें दिशा निर्देश मिलने पर आतंकवादी कार्रवाई को अंजाम देने के उपरांत फिर से सामान्य जीवन बिताने लग जाते हैं। ये वो कश्मीरी युवा होते हैं, जिनकी कोई क्रिमिनल हिस्ट्री नहीं होतीहै तथा वे ऑनलाइन माध्यम से रेजिस्टेंस ग्रुप से जुड़ते हैं,उनकी ट्रेनिंग होती है, टागरेट तय होता है एवम टागरेट की रेकी की जाती है। फिर तय समय पर वारदात को अंजाम देने के साथ आतंकी वापस घर लौट आता है तथा अपनी आतंकवादी होने की पहचान गुप्त रखते हुये अपने गांव-शहर जाकर आम जिंदगी में सरीक हो जाता हैं। अंतरराष्ट्रीय सीमा पर भारतीय सेना ने घुसपैठ को जीरो प्रतिशत लेवल पर लाने में सफलता पाने के उपरांत विदेशी या विदेश में प्रशिक्षण प्राप्त आतंकवादियों का भारत की सीमाओं में घुसपैठ करना अब बेहद कठिन हो गया है।

जम्मू-कश्मीर में पहचान वाले ज्यादातर विदेशी या स्थानीय आतंकवादियो का भारतीय सुरक्षा बलों द्वारा सफाया कर दिया गया और स्थानीय नागरिक आतंकवादी गतिविधियों से दूरी बनाने लग गए। दूसरी और पाकिस्तान पर फाइनेंशियल एक्शन टास्ट फोर्स (एफ ए टी एफ) की तलवार लटकी होने की वजह से पाकिस्तान प्रत्यक्ष तौर पर आतंकवाद समर्थक टैग से हर हाल में बचाना चाहता है। इसी वजह से एक नये विकल्प के रूप में पाकिस्तान द्वारा हाइब्रिड आतंकवादी तैयार करवाने का काम शुरू किया गया है। पाकिस्तान भारतीय युवाओं से ऑनलाइन संपर्क करता है और उनका ब्रेनवॉश करने के उपरांत उनको ऑनलाइन भर्ती किया जाता है। इन्हें ऑनलाइन ही ट्रेनिंग दी जाती है। जरूरत पड़ने पर इन्हें हमला करने के लिए भेजा जाता है।

हाइब्रिड आतंकी 1-2 की संख्या में हमले को अंजाम देते हैं। पाकिस्तान ऐसे लोगों को चिह्नित करता है, जो आपराधिक एवं राष्ट्र विरोधी मानसिकता से प्रेरित हो तथा राष्ट्र के प्रति वफादार नहीं हैं। वैसे तो पूर्व में भी कुछ महिला ओवर ग्राउंड कार्यकर्ता (ओजीडब्ल्यू) आतंकवादियों के साथी के तौर पर पाई जाती रही हैं लेकिन अब जब घाटी में आतंकवाद समाप्ती की ओर दस्तक दे चुका है ऐसे समय में यह सुरक्षा एजेंसियों के लिए एक नई चुनौती साबित हो सकती है।

वैसे अभी तक महिला ओजीडब्ल्यू की संख्या काफी कम है, लेकिन यह एक नया ट्रेंड है और भविष्य में इस पर ध्यान देना पड़ेगा। दो नवंबर 2024 को अनंतनाग में दो मजदूरों पर हमले के लिए हाइब्रिड आतंकी को एक महिला ओजीडब्ल्यू द्वारा हथियार पहुंचाया था। आतंकी महिला ओजीडब्ल्यू पर सुरक्षाबलों को शक कम होता है विशेष कर कश्मीर की परिस्थिति और पोशाक के चलते ये आसानी से छोटे हथियार छिपाकर पहुंचा देती हैं। इनको ट्रैक करना मुश्किल होता है। ऐसे में इंटेलीजेंस की जिम्मेवारी एवं भूमिका काफी बढ़ जाती है। इंटेलीजेंसी का ताना-बाना सटीक होना चाहिए। हाइब्रिड आतंकवादी के काम करने का तरीका सामान्य आतंकवादी के पुराने ढंग से अलग होता है। पूर्व में लाइन ऑफ कंट्रोल के उस पार से आतंकी आते थे और हमलों को अंजाम देते थे। वे आमतौर पर गुरिल्ला रणनीति से चुपचाप अटैक करते और घाटी के घने जंगलों में गुम हो जाते, यह अपने स्थानीय मददगारों के इर्द-गिर्द पनाह ले लेते थे। कई बार वे स्थानीय लोगों की मदद से जम्मू-कश्मीर के भीतर ही छिपे रहते और नेटवर्क बढ़ाते थे। पहले किसी भी आतंकी घटना मे 3-4 आतंकी शामिल होते थे। एके- 47 जैसे बड़े और आधुनिक हथियारों आईडी का इस्तेमाल करते थे, लेकिन हाइब्रिड आतंकवादियों को पिस्टल, ग्रेनेड ,आईडी , कट्टा आदि दिए जाते हैं। इससे ये सेना और पुलिस की नजर में सीधे तौर पर नहीं आते हैं। घटना को अंजाम देने के बाद इनकी घर वापसी हो जाती है। इन्हें टीआरएफ या 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' का नाम दिया गया है।

टीआरएफ लश्कर से संबंधित एक संगठन है। भारत-पाकिस्तान लाइन ऑफ़ कंट्रोल पर घुसपैठ करना बहुत ही मुश्किल हो चुका है जिसके कारण ड्रग्स एवं आतंकवादी दोनों का ही भारत की सीमा को पार करना बहुत कठिन हो गया है। देखने में आया है कि कई बार पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित ड्रग एवं हथियार सप्लाई के लिए ड्रोन तथा अंडरग्राउंड टनल का इस्तेमाल किए जाने की घटनाएं सामने आई हैं। पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित ड्रग आतंकवाद में हाइब्रिड आतंकवादियों की भूमिका भी बड़े रूप में हो सकती है जिनको अब ड्रोन तथा भूमिगत टनलिंग के माध्यम से हथियार तथा ड्रग की खेप पहुंचाई जाने की खबरें भी सामने आती रही हैं। हाइब्रिड आतंकवादी और ड्रग माफिया का आपस में गठजोड़ से इनकार नहीं किया जा सकता। दोनों के एक होने की भी प्रबल संभावना पर जांच एवं सुरक्षाबल की पहली नजर जरूर होगी। एक खबर के मुताबिक कुपवाड़ा के साधन पास पर पूर्व में बड़ी मादक पदार्थों की खेप पकड़ी जाना इस विचार की पुष्टि करती है।

देश के दुश्मनों द्वारा आतंकवाद को पुनर्जीवित करने के प्रयास को भारतीय सुरक्षा बलों द्वारा उचित जवाब दिया जा रहा है। लेकिन जहां अंतरराष्ट्रीय पटल पर बड़ी उथल-पुथल देखी जा सकती है ,अलगाववादी / राष्ट्र विरोधी ताकतों द्वारा देश के खिलाफ षड्यंत्र की संभावनाओं से इनकार नहीं किया जा सकता और देश के हर नागरिक को सावधान रहते हुए हमारी सुरक्षा एजेंसी एवं सरकार के साथ एकजुट होकर खड़े रहना एक समझदारी का काम होगा।

(लेखक रक्षा विशेषज्ञ हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

दिवस विशेष

अखिलेश आर्येन्दु

मानव के लिए वरदान है प्राकृतिक चिकित्सा

मानव सभी जीवों में सबसे उत्तम है। इसकी बेहतरी जहां बुद्धि और समझ के स्तर पर है वहीं पर शरीर भी सभी जीवों से अत्यंत संतुलित, खास और सुन्दर है। विज्ञान भी मानता है कि मानव देह अपने आप में एक पूर्ण चेतन शरीर है। मानव की सभी इन्द्रियां किसी न किसी खास कार्य का संपादन करती हैं। ये इन्द्रियां तब तक अपने कार्य को बखूबी संचालित करती रहती हैं जब तक कि इन्हें नियम से कार्य करने में किसी तरह की रुकावट न डाली जाए। रुकावट और प्रतिकूलता की वजह से इन्द्रियों में विकार पैदा होता है और ये विकार किसी न किसी रोग के रूप में प्रकट होते हैं। वेद में इसका समाधान करते हुए कहा गया है कि जब शरीर बीमार हो तब इनके उपचार का कार्य होना चाहिए। शोधन यानी शुद्ध करना ही चिकित्सा कहा जाता है। शोधन की चिकित्सा जहां आहार-विहार से की जाती है वहीं पर दवा सेवन से भी रोग यानी शोधन का कार्य किया जाता है। इसी तरह मालिश के द्वारा, सम्मोहन के द्वारा, प्राणायाम के जरिए, प्रकृति के पांचों तत्त्वों के जरिए, ध्यान और शल्य चिकित्सा जैसे अनेक विधियों के जरिए किया जाता है। निरापद ढंग से शरीर, मन और आत्मा तीनों का उपचार प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति और उसके अंगों के जरिए ही किए जा सकते हैं। इसलिए प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति को ही एक सम्पूर्ण चिकित्सा पद्धति कहा जा सकता है। इस बात को भारत में प्राकृतिक चिकित्सा के अग्रदूत महात्मा गांधी जहां स्वीकार करते हैं वहीं पर प्राकृतिक चिकित्सा के जनक जर्मनी के लूई कुने, कोलंबिया विश्वविद्यालय के शरीर शिक्षा के प्रोफेसर डॉ. थॉमस डी. वुड और अन्य चिकित्सा शास्त्रियों और शरीर विज्ञान के विशेषज्ञों ने भी स्वीकार किया है। मानव प्रकृति की मदद से जिंदगी बसर करता है। प्रकृति के संसाधनों का उपयोग करके आज वह ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में बहुत दूर निकल चुका है। जिन पांच तत्त्वों से मानव की शरीर बनी है वे प्रकृति के मूल तत्त्व कहे जाते हैं। ये मूल तत्त्व चिकित्सा का कार्य भी करते हैं। इन तत्त्वों की सहायता से जो चिकित्सा की जाती है, उसे हम प्राकृतिक चिकित्सा के नाम से जानते हैं। देखा जाए तो यह प्राकृतिक चिकित्सा नहीं बल्कि प्रकृति के पंच तत्त्वों की चिकित्सा है जिसे अनेक विद्वान इसे तत्त्व-चिकित्सा पद्धति के नाम से भी जानते हैं। प्रकृति अपने आप में कोई तत्त्व या पदार्थ नहीं है अपितु प्रकृति अपने आप में एक सत्ता है। इसके मुख्यतः पांच तत्त्व हैं। इस ब्रह्मांड में वेद के अनुसार तीन सत्तायें-ईश्वर, जीव और प्रकृति हैं। तीनों सत्तायें पूर्णतः स्वतंत्र और अनादि हैं। प्राकृतिक चिकित्सा के कई हिस्से हैं- जिसमें योग-ध्यान, एक्यूप्रेशर, एक्यूपंचर, यज्ञ चिकित्सा, प्रकृति के पंच तत्वों से चिकित्सा, पंच कर्म चिकित्सा-जिसमें वमन, विरेचन, वस्ति, नस्य, अभयंग, धारा, स्वेदानाम और पिलीचिल, इसे अल्टरनेटिव थैरपी भी कहा जाता है। इसके अलावा चुम्बक चिकित्सा, पत्थर चिकित्सा, रंग चिकित्सा, आहार चिकित्सा, मूत्र एवं दुग्ध चिकित्सा तथा सुगंध चिकित्सा को शामिल किया जा सकता है। इन सभी पद्धतियों में दवा खाने की जरूरत नहीं पड़ती है। यदि कहीं जरूरत पड़ती भी है तो आयुर्वेद जो एक तरह से प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति के अत्यंत नजदीक है की दवाओं का सेवन कुछ उपचारों के दौरान कराना पड़ सकता है। लेकिन ज्यादातर दवाओं के सेवन की जगह आहार और खान पान को संतुलित और दुरुस्त करके काम निकाल लिया जाता है। भारतीय जीवन शैली दुनिया में अपने तरह की अलग जीवन शैली है जिसमें प्राकृतिक जीवन को ही अपनाया गया है। भारतीय वैदिक चिकित्सा शिक्षा के मुताबिक चौबीस घंटों में चार-चार घंटे वायु, पित्त, फिर कफ का समय होता है। भोजन करने का सही वक्त पित्तकाल में होता है। साथ में जठराग्नि तेज रहे, इसका भी ध्यान रखना चाहिए और जब भूख लगे, भूख से थोड़ा कम खाना चाहिए। भोजन के कम से कम दो घंटे के बाद ही थोड़ी मात्रा में पानी पीना चाहिए। प्राकृतिक जीवन और पद्धति में ऋतु अनुकूल जीवन व्यतीत करना ही मुफीद माना जाता है। इससे जहां यौवन बना रहता है वहीं लम्बी उम्र भी होती जाती है। आयुर्वेद में भी लम्बी उम्र का राज प्राकृतिक जीवनचर्या और संतुलित ऋतुचर्या के पालन में छिपा बताया जाता है। ऋतुचर्या का मतलब क्या है? इसका समाधान प्राकृतिक और आयुर्वेदिक दोनों चिकित्सा पद्धतियों में किया गया है, जिसके मुताबिक वात, पित्त और कफ संतुलित हों तो जिस ऋतु में जो सब्जी, अन्न, रस, शाक, पात, मेवा और फल पैदा होते हैं, उनका सेवन करना और जल का सेवन ऋतु के अनुकूल करते हुए आचार-विचार को सकारात्मक बनाए रखना अच्छी सेहत का बीज मंत्र है।

(लेखक योग-प्राकृतिक चिकित्सा के जानकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

श्रद्धामयोऽयं पुरुषो यो यच्छ्रद्धः स एव सः

संकलित

दर्शन

गीताकार ने कहा है कि श्रद्धामयोऽयं पुरुषो यो यच्छ्रद्धः स एव सः अर्थात जिसकी जैसी श्रद्धा होती है, वह स्वयं ही वही यानी उसी के अनुरूप बन जाता है। शिष्य और गुरु के मध्य जो श्रद्धा के सूत्रों का सशक्त बंधन होता है, वही लक्ष्य तक पहुंचाने और अध्यात्म की समस्त विभूतियां प्राप्त कराने में प्रमुख भूमिका निभाता है। जिस श्रद्धा के सहारे मीरा ने गिरधर गोपाल को साथ रहने के लिए विवश किया, एकलव्य ने द्रोणाचार्य की मिट्टी से बनी प्रतिमा को असली द्रोण से भी अधिक समर्थ बनाया और रामकृष्ण परमहंस ने पत्थर की प्रतिमा को जीवंत काली जैसा भोग ग्रहण करने के लिए सहमत कर लिया था, वह श्रद्धा तत्व ही आत्मिक प्रगति का आधारभूत है। इसे उपार्जित करने के लिए जीवंत गुरु का आश्रय लेना पड़ता है। जीवन के प्रत्येक महत्वपूर्ण कार्य के लिए सद्गुरु के अवलंबन की आवश्यकता पड़ती है। आत्मिक प्रगति के लिए सद्गुरु का आश्रय लिए जाने की बात प्राचीन आर्ष ग्रंथों से लेकर ऋषि-मुनियों तक ने कही है। आत्मिक प्रगति, भिन्न स्तर का सोच अपनाने और तदनुरूप अपने क्रियाकलापों को ढालने के लिए सशक्त अवलंबन की आवश्यकता पड़ती है। यह कार्य समर्थ आदर्शवादी और श्रेष्ठ स्तर के व्यक्तित्वों के साथ घनिष्ठता स्थापित करने पर ही बनता है। इसी व्यवस्था को गुरुवरण कहते हैं। गुरु के रूप में एक ऐसी सत्ता के प्रति संपूर्ण समर्पण, जो उत्कृष्टताओं और सत्प्रवृत्तियों का समुच्चय हो। जिसके पद चिह्नों पर चलकर और जिसके प्रदत्त मार्गदर्शन को अपनाकर जीवन को वैसा ही श्रेष्ठतम व सार्थक बनाया जा सके।

दूसरों की भलाई करने वालों का स्थान सबसे ऊंचा

संकलित

प्रेरणा

कन्फ्यूशियस चीन के एक दार्शनिक थे। उनका जन्म करीब 551 ईसा वर्ष पूर्व हुआ था। कन्फ्यूशियस इतने विद्वान थे कि उनके पास कई राजा-महाराज भी मिलने पहुंचे थे। एक बार चीन के राजा ने कन्फ्यूशियस से पूछा था कि आप मुझे किसी ऐसे व्यक्ति के बारे में बताएं, जिसका स्थान सबसे ऊंचा है। कन्फ्यूशियस ने राजा से कहा कि वह इंसान आप खुद ही हैं, क्योंकि आप हमेशा सत्य जानना चाहते हैं। राजा ने कहा कि आप तो मुझे मुझसे भी अच्छे व्यक्ति के बारे में बताइए। कन्फ्यूशियस ने तुरंत कहा कि आपसे अच्छा व्यक्ति तो मैं ही हूं, क्योंकि मैं भी आपकी तरह ही सत्य को जानना चाहता हूं। राजा बोला कि आपसे भी अच्छा और कौन है? इसके बाद कन्फ्यूशियस ने कहा कि मैं ऐसे एक व्यक्ति को जानता हूं, जो हम दोनों से भी महान है। चलिए, मैं आपको उससे मिलवाता हूं। कन्फ्यूशियस राजा को लेकर एक बूढ़े के पास पहुंचे। वह बूढ़ा व्यक्ति कुआं खोद रहा था। कन्फ्यूशियस ने कहा कि महाराज, ये व्यक्ति सबसे महान है, उसका स्थान हम सबसे बहुत ऊंचा है, क्योंकि ये दूसरों को पानी मिल सके, इसलिए कुआं खोद रहा है। ये दूसरों की भलाई के लिए अपनी सुख-सुविधा का भी त्याग कर देता है। इसका शरीर बूढ़ा हो गया है, लेकिन अभी भी ये दूसरों के लिए सेवा का काम कर रहा है। इसलिए इसका स्थान सबसे ऊंचा है।

अंतर्मन

आज की पाती

प्रेस का दायित्व

16 नवंबर को राष्ट्रीय प्रेस दिवस मनाया गया। प्रथम प्रेस आयोग ने हमारे देश में प्रेस को स्वतंत्र बनाने और पत्रकारिता में और सुधार करने के उद्देश्य से देश में प्रेस परिषद बनाने के बारे में विचार किया था। 4 जुलाई 1966 को देश में प्रेस परिषद बनाई गई। लगभग 4 महीनों बाद 16 नवंबर को इस परिषद ने अपना कार्य आरंभ किया। इस दिवस का एक मुख्य उद्देश्य पत्रकारों को सशक्त बनाने का भी है। मीडिया लोकतंत्र को मजबूती प्रदान करने में मुख्य भूमिका निभाता है। हमारे देश में सबसे पहले हिंदी समाचारपत्र का प्रकाशन 30 मई 1826 को हुआ था। इसका नाम उदन्त मार्तण्ड था। अब हमारे देश में विभिन्न भाषाओं के बहुत से समाचारपत्र प्रकाशित होते हैं।

- मनोज शुक्ला, धमतरी

ट्रेंड

बालासाहेब को नमन

मैं महान बालासाहेब ठाकरे जी को उनकी पुण्य तिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। वह एक दूरदर्शी व्यक्ति थे जिन्होंने महाराष्ट्र के विकास और मराठी लोगों के सशक्तिकरण का समर्थन किया। उनकी साहसी आवाज और अटूट भावना पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी।

-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

ओबीसी की रट

आजकल राहुल गांधी संविधान की पुस्तक लेकर ओबीसी की रट लगाए है। मैं उनसे पूछना चाहता हूँ कि जब मण्डल कमीशन की रिपोर्ट आई थी तब आपकी दादी (पूर्व प्रधानमंत्री स्व. इंदिरा गांधी) ने उसे क्यों लागू नहीं होने दिया?

-जेपी नड्डा, भाजपा अध्यक्ष

जघन्य अपराध

झाँसी के अस्पताल में दस नवजात शिशु जीवन की शुरुआत करने से पहले ही आग की लपटों में मौत की भेंट चढ़ गए। यह केवल लापरवाही का मामला नहीं है, बल्कि यह जघन्य अपराध है।

-कैलाश सत्यार्थी, बाल अधिकार कार्यकर्ता

जीवन पर किताब

मैंने कितनी बार अपने जीवन पर किताब लिखने के लिए कहा है! मैं बस यही कहता रहता हूं कि जिंदगी तब तक खत्म नहीं होती जब तक यह खत्म न हो जाए! मेरे जीवन पर अराजकता हावी हो गई है।

-शेखर कपूर, फिल्मकार

करंट अफेयर

नेकां कश्मीर में योग्यता की हत्या कर रही : इल्तिजा

पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की नेता इल्तिजा मुफ्ती ने जम्मू-कश्मीर में सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) पर योग्यता की 'हत्या' करने का रविवार को आरोप लगाया और कहा कि आरक्षण को तर्कसंगत बनाने के वास्ते पार्टी द्वारा किए गए 'झूठे वाद' 'सच्चाई से बहुत दूर' हैं। मुफ्ती ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'आरक्षण को तर्कसंगत बनाने के झूठे वादों के जरिए जम्मू-कश्मीर के युवाओं के साथ छल करने वाली पार्टी दिनदहाड़े योग्यता की हत्या कर रही है। पार्टी के वादे सच्चाई से कोसों दूर हैं।' अनंतनाग के सरकारी मेडिकल कॉलेज द्वारा विभिन्न पैरामेडिकल पाठ्यक्रमों में रिक्तियों के लिए विज्ञापन जारी किए जाने के बाद उनकी यह टिप्पणी आई है। उपलब्ध 17 सीट में से केवल तीन सीट सामान्य श्रेणी के उम्मीदवारों के लिए हैं, जबकि अन्य सीट पिछड़े क्षेत्रों के निवासियों (आरबीए), अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) समेत विभिन्न श्रेणियों के लिए आरक्षित हैं। पीडीपी की अध्यक्ष और जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती की बेटी और मीडिया सलाहकार इल्तिजा मुफ्ती ने नेकां पर निशाना साधते हुए कहा, 'राज्य का दर्जा ही एकमात्र मांग है, जिसके लिए वे सत्ता का निर्बाध आनंद लेने को लालायित हैं।'

ऑफ बीट

मूत्र मार्ग संक्रमण की दवाइयों से हो सकता है नुकसान

अमेरिका और दुनिया भर में हर साल लाखों लोग मूत्र मार्ग के संक्रमण से पीड़ित होते हैं। कुछ आयु वर्ग के समूह विशेष रूप से मूत्र मार्ग के गंभीर संक्रमण (यूटीआई) से ग्रस्त होते हैं, जिनमें महिलाएं, वृद्ध और कुछ पूर्व सैनिक भी शामिल हैं। इन संक्रमणों का आमतौर पर एंटीबायोटिक दवाओं से इलाज किया जाता है, लेकिन जिन रोगाणुओं को ये दवाएं लक्षित करती हैं, इन दवाओं के अधिक उपयोग से वे इनके प्रति प्रतिरोधी बन जाते हैं और दवाओं की प्रभावशीलता कम हो जाती है। दीर्घकालिक यूटीआई और एंटीबायोटिक प्रतिरोध की इस समस्या को हल करने के लिए, हमने माइक्रोबायोलॉजी (सूक्ष्म जीव विज्ञान) और इंजीनियरिंग में अपनी विशेषज्ञता को संयोजित करके एक जीवित पदार्थ बनाया है जिसमें लाभकारी ई. कोलाई की एक विशिष्ट प्रजाति मौजूद है। हमारा शोध यह दर्शाता है कि इस जैव पदार्थ से निकलने वाले 'अच्छे' जीवाणु पोषक तत्वों के लिए 'बुरे' जीवाणु से प्रतिस्पर्धा कर सकते हैं और जीत सकते हैं, जिससे रोग पैदा करने वाले रोगाणुओं की संख्या में नाटकीय रूप से कमी आ सकती है। हमारा मानना है कि आगे के विकास के साथ, यह तकनीक बार-बार होने वाले मूत्र मार्ग संक्रमण (यूटीआई) को ठीक करने में मदद कर सकती है, जिस पर एंटीबायोटिक्स असर नहीं करते।

अखिल राजस्थान एसटी-एससी छात्रसंघ ने निकाली रैली, किया प्रदर्शन

बांसवाड़ा अखिल राजस्थान अनुसूचित जातिध्जनजाति छात्र संघ जिला शाखा की ओर से कोटे में कोटा आरक्षण उपवर्गीकरण के संबंध में सुप्रीम कोर्ट के 1 अगस्त के फैसले को लागू करने, टीएसपी क्षेत्र में जनसंख्या के अनुपात में आरक्षण की मांग को लेकर संरक्षक मनोहर खडिय़ा संभागीय अध्यक्ष प्रकाश बामनिया एवं जिलाध्यक्ष कांतिलाल निनामा के नेतृत्व में राजकीय महाविद्यालय से रैली निकालते हुए कलेक्ट्री गेट पर प्रदर्शन किया। मनोहर खडिय़ा ने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने जो फैसला दिया है उसे सरकार को लागू करना चाहिए यदि टीएसपी क्षेत्र में प्रशासनिक सेवाओं में 12 में से 6 प्रतिशत आरक्षण मिलता है तो यहां के युवाओं को उच्च पदों पर जाने के अवसर मिलेंगे। संभागीय अध्यक्ष प्रकाश बामनिया ने कहा कि छात्रसंघ लंबे समय से जनसंख्या के अनुपात में आरक्षण की मांग कर रहा है इसे शीघ्र पूरा किया जाना चाहिए अन्यथा बड़े आंदोलन के लिये तैयार रहना चाहिए। जिलाध्यक्ष कांतिलाल निनामा ने कहा कि संभाग मुख्यालय बनने के बाद भी प्रतियोगी परीक्षाओं का सेंटर नहीं होना दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने बताया कि कई परीक्षार्थियों की सडक हादसों में हुई मौत के बाद भी प्रशासन नहीं चेता है। इस अवसर पर भगवती भील ने कहा कि हमें अपनी आवाज खुद बनना पड़ेगा। इस अवसर पर युकां अध्यक्ष शाश्वत गरासिया, एनएसयूआई के आसीफ खान, शैलेन्द्र खराड़ी, पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष मनोज डामोर, वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष जितेंद्र डोडियार, जिला महासचिव मुन्ना खांट, गढ़ी विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष प्रेस डिंडोर, जिला महासचिव लतेश मईड़ा आदि ने भी अपने उद्बोधन में टीएसपी क्षेत्र से न्याय की वकालात की। रैली में जिला उपाध्यक्ष विशाल मईड़ा, जिला महामंत्री राहुल कटारा, जिला संगठन मंत्री बादल बामनिया, जिला प्रवक्ता अर्जुन मईड़ा, सरपंच नरभेश कटरा, यूथ कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष हेमंत मईड़ा, राजेंद्र मसर, विनोद निनामा छोटी सरवन तहसील अध्यक्ष विकास मईड़ा, बागीदौरा तहसील अध्यक्ष रिकलेस डामोर, गढ़ी तहसील अध्यक्ष महेंद्र खराड़ी, विकास डामोर, रामू कटारा, हरिदेव जोशी कन्या महाविद्यालय की पूर्व अध्यक्ष अर्पिता वाघेला, गनोड़ा महाविद्यालय के पूर्व अध्यक्ष धनपाल निनामा, कन्हैयालाल मईड़ा, वरिष्ठ छात्र नेता शैलेश चरपोटा, मुकेश निनामा, महाविद्यालय के इकाई अध्यक्ष भवानी सिंह, उपाध्यक्ष गौरव बडेरा, महासचिव हितेश बामनिया, गुड्डी मईड़ा, मुकेश भाबोर, मुकेश मईड़ा, लकी मईड़ा, देवीलाल खडिय़ा केसुरम, राजूराम शामिल रहे। एबीवीपी ने दिया समर्थन आरक्षण में वर्गीकरण को लेकर एबीवीपी ने भी समर्थन किया। एबीवीपी के आनन्द निनामा ने बताया कि आरक्षण वर्गीकरण कोटे में कोटा फैसले का एबीवीपी समर्थन करती हैं इसको लागू करवाने को लेकर एबीवीपी ने मुख्यमंत्री को पहले भी पत्र लिखा है और जल्द ही प्रतिनिधि मंडल मुख्यमंत्री से मिलकर इसे लागू करवाने का आग्रह करेगा।

एक नजर

एसपी ने किया महिला थाने का वार्षिक निरीक्षण

बांसवाड़ा पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला ने महिला थाने का वार्षिक निरीक्षण किया। अग्रवाला ने माल खाना, क्राइम रिकॉर्ड, नये कानून, ई-साक्ष्य, राजकाप एप, सीसीटीएनएस के कार्यों के बारे में थानाधिकारी एवं जाप्ते से वार्ता कर निर्देश दिये। साथ ही उन्होंने थाना परिसर में स्वच्छता एवं पौधरोपण संबंधी निर्देश दिये।

स्नातकोत्तर पूर्वार्द्ध प्रथम सेमेस्टर प्रवेश सूची प्रकाशित

बांसवाड़ा गोविंद गुरु राजकीय महाविद्यालय में स्नातकोत्तर पूर्वार्द्ध नियमित प्रवेश के लिये अंतिम प्रवेश सूची का प्रकाशन कक्ष संख्या 8 के बाहर कर दिया गया है। प्राचार्य प्रो. कल्याणमल सिंगाड़ा ने बताया कि स्नातकोत्तर विद्यार्थी उक्त सूची में अपना नाम होने पर अपनी एप्लीकेशन आईडी ईमित्र पर बताकर विश्वविद्यालय परीक्षा फॉर्म भर सकते हैं। परीक्षा फॉर्म भरने के उपरांत प्राप्त हार्ड कॉपी महाविद्यालय के कक्ष संख्या एक में जमा करानी अनिवार्य होगी। परीक्षा फार्म के साथ सीसी व माइग्रेशन की मूल कॉपी और बकाया प्रमाण-पत्रों की फोटो कॉपी जमा करानी भी आवश्यक है। परीक्षा फॉर्म भरने के उपरांत यदि विद्यार्थी उसकी हार्ड कॉपी महाविद्यालय में जमा नहीं करते हैं तो वह आगामी दिनों में होने वाली स्नातकोत्तर पूर्वार्द्ध प्रथम सेमेस्टर 2024 की मुख्य परीक्षा में बैठने से वंचित रहेंगे।

गेंहू पर एमएसपी बढ़ाई, 48 घंटों में होगा भुगतान

नाथद्वारा (यूथ की आवाज़)। भारत सरकार एवं भारतीय खाद्य निगम, मुख्यालय, नई दिल्ली के दिशा निदेर्शानुसार राजस्थान में इस वर्ष गेहूं की खरीद के लिए सरकारी मूल्य मे भारी बढ़ोतरी की गयी है, न्यूनतम समर्थन मूल्य 2425/- रुपए प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। भारतीय खाद्य निगम द्वारा किसानों को उनकी उपज के मूल्य का भुगतान सीधे उनके बैंक खातों में गेहूं बेचने के 48 घंटों में नियमानुसार कर दिया जायेगा । भारतीय खाद्य निगम, मण्डल कार्यालय, उदयपुर के अधीनस्थ राजस्व जिलों उदयपुर/ बांसवाड़ा/ चित्तोडगढ़/ प्रतापगढ़ /राजसमंद में रबी विपणन वर्ष 2025-26 के तहत समर्थन मूल्य पर गेहूं की खरीद अधिक से अधिक मात्रा में करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस उद्देश्य हेतु इन जिलों में 18 खरीद केन्द्र खोले जाने है। जिसके अंतर्गत राजसमंद जिले में (कांकरोली, मदारा, कुरज), चित्तौड़गढ़ जिले में (डूंगला, भादसोड़ा, कनेरा, पहुना, निम्बाहेड़ा, बस्सी, जावदा, आकोला), उदयपुर जिले में वल्लभनगर, बांसवाड़ा जिले में (छींच, बड़ोदिया, गनोडा एवं तलवाड़ा), प्रतापगढ़ जिले मे (प्रतापगढ़ एवं छोटी सादडी) खरीद केंद्र खोले गए है जिससे की ज्यादा से ज्यादा किसानो को लाभान्वित किया जा सके। भारतीय खाद्य निगम द्वारा रबी विपणन वर्ष 2025-26 में गेहूं की खरीद का कार्य किया जाएगा। किसान अपना पंजीकरण पोर्टल पर ई-मित्र, ग्राम पंचायत कार्यालय एवं अन्य माध्यम से करवा सकते है।

1 लाख की शराब जब्त की

बांसवाड़ा पाटन थाना पुलिस ने अवैध शराब तस्करी के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए मध्यप्रदेश निर्मित लगभग 1 लाख रुपये कीमत की 33 पेटी अवैध शराब व वाहन जब्त किया। थानाधिकारी हिम्मत बुनकर ने बताया कि आईजी एस. परिमला, पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश भारद्वाज के निर्देशन व कुशलगढ़ वृत्ताधिकारी मदनलाल विश्नोई के पर्यवेक्षण में पुलिस थाना पाटन की टीम ने मध्यप्रदेश से अवैध रुप से तस्करी कर राज्य में लाई जा रही अवैध शराब के खिलाफ कार्यवाही एवं रोकथाम के लिये 17 नवंबर को संध्याकालीन गश्त की। पुलिस जाप्ता बड़ी सरवा गांव से बाहर खवासा एमपी जाने वाले मार्ग पर नाकाबंदी कर आने-जाने वाले वाहनों को चौक कर रहे था कि नाकाबंदी के दौरान खवासा एमपी तरफ से सफेद रंग के वाहन के आने पर पुलिस जाप्ते ने रोकने का ईशारा किया जिस पर चालक ने वाहन को तेज गति से भगाया। पुलिस जाप्ते को शंका होने से वाहन का पीछा किया तो पकड़े जाने के डर से चालक गाड़ी को छोडकर अंधेरे का फायदा उठाकर भाग गया। वाहन की जांच करने पर उसके अंदर मध्यप्रदेश राज्य निर्मित अंग्रेजी शराब बीयर जिसमें लंडन प्राईड प्रीमियत व्हीस्की के 3 कार्टून एवं पावर कूल बीयर के 24 कार्टून, देशी मदिरा प्लेन के 6 कार्टून शराब-बियर भरी होना पाया गया। जब्त शराब की बाजार कीमत लगभग 1 लाख रुपये हैं। थानाधिकारी ने बताया कि शराब तस्करी करने वाले वाहन स्वामी राजेश पुत्र भैराजी अहारी निवासी बरवाला राजिया थाना आंबापुरा एवं अन्य अभियुक्तों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर शराब तस्करी करवाने वाले मुल्जिम की तलाश जारी है। साथ ही शराब लाने व ले जाने के संबंध में भी जांच की जा रही है। पुलिस टीम में थानाधिकारी हिम्मत बुनकर, सहायक उपनिरीक्षक शंकरलाल, हैड कांस्टेबल छत्रपाल सिंह, महावीर प्रसाद व किर्तन सिंह, कांस्टेबल प्रदीप कुमार, नारायणलाल व चालक कांस्टेबल महेश पाटीदार शामिल रहे।

फर्जी एप से धोखाधड़ी करने वाले 3 गिरफ्तार

बांसवाड़ा पुलिस थाना कोतवाली ने फर्जी फोन पे एप से रुपये ट्रांसफर करना बताकर धोखाधड़ी करने वाले तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। थानाधिकारी देवीलाल ने बताया कि 13 नवंबर को प्रार्थिया टीना पत्नी भरत सिंह निवासी बांसवाड़ा ने रिपोर्ट दी कि 10 नवंबर को लगभग 3.20 बजे दो व्यक्ति मोटरसाईकिल लेकर उसकी ई-मित्र की दुकान पर आये और दोनों व्यक्तियों ने मास्क लगा रखा था। जिनमें से एक ने प्रार्थिया के फोन पे स्केनर पर 5 हजार रुपये स्केन कर 5 हजार रुपये मागे जिस पर प्रार्थिया ने पैसे सेण्ड करने का एसएमएस देखा तो 5 हजार रुपये उसके पति भगत सिंह के एकाउंट में नहीं आये थे। प्रार्थिया के पति उस व्यक्ति से पूछते उतने में वह दोनों अपनी मोटरसाईकिल से भाग गये। जिस पर इधर-उधर जानकारी प्राप्त करने पर पता चला कि ये लडके राकेश गुप्ता की ई-मित्र की दुकान से भी पैसे ले गये व अशोक कुमार एवं दिपेश उपाध्याय की दुकान से भी फर्जी तरीके से सामान ले गये। ये लडके फर्जी एप के जरिये लोगों के साथ ठगी करते हैं। जिस पर रिपोर्ट दर्ज कर बदमाशानों की पतेरसी की। इस दौरान उक्त वारदात करने वाले तीन आरोपी राहुल गरासिया पुत्र देवीलाल निवासी आकाशवाणी कॉलोनी थाना राजतालाब, नकुल पुत्र प्रशांत पंड्या निवासी आकाशवाणी कॉलोनी व धीरज पुत्र चोबसिंह शाक्य निवासी नीलम नगर थाना राजतलाब से पूछताछ की तो इन्होंने जूर्म करना स्वीकार किया जिस पर इन्हें गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में इन्होंने बताया कि फोन पे जैसी फर्जी एप से क्यूआर कोड स्केन करने पर वास्तविक रुप से ट्रांसफर होने जैसा दिखाई देता है लेकिन रुपये ट्रांसफर नहीं होते हैं इस तरह फर्जी फोन पे एप से लोगों के साथ धोखाधड़ी करते थे। पुलिस टीम में पुलिस निरीक्षक देवीलाल मीणा, उपनिरीक्षक गंगाराम, सहायक उपनिरीक्षक चन्द्रवीर सिंह व सुशीला, आंबापुरा थाने के हैड कांस्टेबल विशाल सिंह, कांस्टेबल सुनील, अरविन्द कुमार, लालसिंह व भूपेन्द्र शामिल रहे।

बांसवाड़ा में विराट धार्मिक महोत्सव की तैयारियां पूर्ण यौवन पर

बांसवाड़ा (यूथ की आवाज़)। लोकश्रृद्धा के सदियों पुराने परम्परागत धाम लालीवाव मठ में 20 नवम्बर से शुरू हो रहे अपूर्व एवं ऐतिहासिक विराट धार्मिक महोत्सव को लेकर की जा रही भव्य तैयारियां अपने चरम यौवन पर हैं और दिन-रात विभिन्न प्रबन्धों को बेहतर ढंग से सुनिश्चित करने का क्रम बना हुआ है। इस महोत्सव के अन्तर्गत 108 श्रीमद्भागवत पारायण, श्रीविद्या एवं श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ तथा जगविख्यात संत श्री राजेन्द्रदास देवाचार्य जी महाराज के श्रीमुख से भागवत कथा आदि के वृहत कार्यक्रम होंगे, जो 27 नवम्बर तक जारी रहेंगे। महोत्सव में हिस्सा लेने के लिए देश के प्रमुख तीर्थों, अखाड़ों, आश्रमों और पीठों से संत-महात्माओं, साधु समाज के पदाधिकारियों और महामण्डलेश्वरों के लालीवाव पहुंचने का क्रम शुरू हो गया है। सोमवार को अखिल भारतीय संत समिति के राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री श्रीश्री 1008 राधे राधे बाबा, गुरु आश्रम छींच के महंत श्री घनश्यामदास महाराज एवं संत श्री रघुवीरदास महाराज सहित कई संत-महात्माओं और बांसवाड़ा नगर परिषद के सभापति जैनेन्द्र त्रिवेदी ने महोत्सव की तैयारियों का जायजा लिया और भागवत कथा मण्डप एवं पाण्डाल, अन्नपूर्णा धाम, नौ कुण्डीय यज्ञ मण्डप तथा विभिन्न आयोजन स्थलों की व्यवस्थाओं को देखा और लालीवाव मठ के शिष्य परिवार एवं आयोजन समिति के पदाधिकारियों से चर्चा की। आयोजन समिति की बैठक में तैयारियों की समीक्षा सोमवार रात महोत्सव आयोजन समिति के पदाधिकारियों की बैठक लालीवाव पीठाधीश्वर महामण्डलेश्वर श्रीमहंत हरिओमदासजी महाराज के सान्निध्य में हुई। इसमें महोत्सव को लेकर अब तक की तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की गई और सभी तैयारियां युद्ध स्तर पर पूर्ण किए जाने के लिए कहा। लालशंकर पारगी एवं राधाकिशन खन्ना का अभिनन्दन लालीवाव मठ में सोमवार को आयोजित कार्यक्रम में समाज-जीवन और धर्म-अध्यात्मक तथा रचनात्मक गतिविधियों में उल्लेखनीय सेवाओं एवं अहम् भूमिका के लिए वयोवृद्ध सामाजिक चिन्तक लालशंकर पारगी एवं राधाकिशन खन्ना का अभिनन्दन किया गया। लालीवाव पीठाधीश्वर महामण्डलेश्वर श्रीमहंत हरिओमदासजी महाराज एवं नगर परिषद के सभापति जैनेन्द्र त्रिवेदी ने पारगी एवं खन्ना का उपरणा पहनाकर अभिनंदन किया और सामाजिक एवं आंचलिक लोक जागरण तथा धार्मिक आध्यात्मिक कार्यों में उत्कृष्ट योगदान की सराहना की। इस अवसर पर महोत्सव आयोजन समिति के संयोजक भुवनमुकुन्द पण्ड्या, कोषाध्यक्ष नगेन्द्र दोसी चावलवाला सहित अन्य पदाधिकारी सीए अंजनी त्रिवेदी, शान्तिलाल भावसार, ईश्वरदास वैष्णव, रामशंकर जोशी, विनोद जोशी, कार्यालय प्रभारी मनोहर जोशी, सुधीर चौबीसा, इच्छाशंकर शर्मा सहित गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

फाईनेंस के नाम पर लूट के आरोपी गिरफ्तार

बांसवाड़ा अपनेआप को फाईनेंस कर्मी बताकर वाहन चालकों से लूट करने के आरोपियों को सदर थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी सदर बुधाराम ने बताया कि गत 13 नवंबर को प्रार्थी रावजी ने रिपोर्ट दी कि वह 6 जून को बांसवाड़ा से अपने गांव बेडाउ थाना आनंदपुरी जा रहा था कि सागड़ौद चौराहे पर दो लडकों ने अपनेआप को फाईनेंस कर्मचारी बताकर मारपीट करते हुए मोटरसाईकिल लूट ली। पुलिस ने अनुसंधान का जिम्मा हैड कांस्टेबल प्रकाश को सौंपा एवं एसपी हर्षवर्धन अग्रवाला के निर्देशन में एएसपी राजेश भारद्वाज, वृत्ताधिकारी गोपीचंद मीणा के निकटतम पर्यवेक्षण में थानाधिकारी बुधाराम के नेतृत्व में थाना स्तर पर विशेष टीम गठित की गयी। इसी दौरान मुखबीर से सूचना मिली कि गुड्डू उर्फ जितेन्द्र पुत्र लक्ष्मण कटारा निवासी गामड़ी थाना सदर एवं सुनील पुत्र मोगजी यादव निवासी बोरवट थाना सदर लिप्त हो सकते हैं तो इन्हें गिरफ्तार कर पूछताछ की गयी तो लूट की मोटरसाईकिल के अलावा इनकी निशादेही से लगभग 11 अन्य मोटरसाईकिलें जब्त की गयी। जब्त किये गये वाहनों के कोई कागजात आरोपी पेश नहीं कर पाये। थानाधिकारी ने बताया कि इन लोगों से अन्य मोटरसाईकिलें मिलने की भी संभावना है। पुलिस टीम में थानाधिकारी बुधाराम, सहायक उपनिरीक्षक रमेशचंद्र व परीक्षित, हैड कांस्टेबल दिग्पाल सिंह, प्रकाश, कांतिलाल व फुलशंकर, कांस्टेबल अनिल कुमार, पूंजीलाल, निलेश, राहुल व महिला कांस्टेबल दिप्ती शामिल रही। इस मामले के खुलासे में कांस्टेबल अनिल कुमार व पूंजीलाल का विशेष योगदान रहा।

अंतर महाविद्यालय एथलेटिक मीट का उद्घाटन

बांसवाड़ा गोविंद गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय तथा न्यू लुक गर्ल्स कॉलेज के संयुक्त तत्वाधान में अंतर महाविद्यालय एथलेटिक मीट 2024 का उद्घाटन कुलपति प्रो. केशव सिंह ठाकुर के मुख्य आतिथ्य में जिला खेल मैदान पर किया गया। उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता न्यूलुक ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन के निदेशक डॉ प्रदीप कोठारी ने की। अध्यक्षीय उद्बोधन में कोठारी ने हर्ष जताते हुए कहा कि आज वागड़ क्षेत्र की प्रतिभाएं भी विश्वविद्यालय तथा निजी महाविद्यालयों द्वारा निरंतर किए गए प्रयासों के कारण राष्ट्रीय स्तर पर अपनी छाप छोड़ रही हैं। मुख्य अतिथि कुलपति प्रोफेसर केशव सिंह ठाकुर ने बताया कि विश्वविद्यालय प्रशासन का प्रयास रहा है कि खेल सुविधाओं की सहज उपलब्धता वागड़ क्षेत्र के खिलाडिय़ों को मिलती रहे, वहीं इन सुविधाओं में और बढ़ोतरी करने एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर की सुविधाए विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध करवाए जाने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन निरंतर राज्य सरकार के संपर्क में है। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों के रूप में जिला खेल अधिकारी धनेश्वर मईडा तथा दीप कोठारी असिस्टेंट डायरेक्टर न्यूलूक ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन एवं आब्जर्वर के रूप में प्रो. आशीष कुमार मौजूद रहे। इससे पूर्व न्यूलूक गर्ल्स कॉलेज के प्राचार्य डॉ सुशील सोमपुरा ने प्रतियोगिता का परिचय देते हुए बताया कि 100, 200 व 10हजार मीटर दौड़, लॉन्ग जंप, हाई जंप, शॉट पुट सहित 15 इवेंट खेले जाएंगे जिसमें 30 टीमों ने अपना पंजीकरण करवाया है। उदघाटन के पश्चात खेले गए इवेंट्स में छात्र वर्ग में 10 हजार मीटर की दौड़ की गई जिसमें प्रथम कल्पेश निनामा गोविंद गुरु राजकीय महाविद्यालय, द्वितीय इसी कॉलेज के अजय डामोर व तृतीय स्थान अजय कुमार एसडीआरके कॉलेज ने प्राप्त किया। छात्र वर्ग में ही 1500 मीटर दौड़ में अरविंद मईड़ा एसजीजी कॉलेज, बांसवाड़ा ने प्रथम, राहुल डामोर ने द्वितीय एसजी कॉलेज बांसवाड़ा व तृतीय महर्षि रोत राज नोबल कॉलेज डूंगरपुर ने सुरक्षित किया। हाई जंप में प्रथम चंदूलाल राजकीय महाविद्यालय राम सगड़ा, द्वितीय सुमित जोशी लियो कॉलेज तथा तृतीय निखिल पानेरी आरएनटी कॉलेज अरथूना ने प्राप्त किया। हाई जंप में प्रथम दानियाल, द्वितीय कमलेश मसार अरावली कॉलेज तथा तृतीय गणेश पटेल एसजीजी कॉलेज रहे। जैवलिन थ्रो के इवेंट में प्रथम विश्राम रावत एसजीजी बांसवाड़ा द्वितीय कमलेश मसार अरावली कॉलेज बांसवाड़ा तथा तृतीय रिपु दमन सिंह आदर्श कॉलेज आनंदपुरी रहे। शॉट पुट के इवेंट में प्रथम महेश कलासुआ एसजीजी बांसवाड़ा द्वितीय चॉइस कलाल फ्लावर किड्स कॉलेज सागवाड़ा तथा तृतीय लाल सिंह एसजीजी बांसवाड़ा रहे। छात्रा वर्ग के इवेंट में 100 मीटर दौड़ में प्रथम छाया मईड़ा अरावली कॉलेज, द्वितीय अंजलि रोत शिवनारायण चौबीसा कॉलेज सागवाड़ा, तृतीय सुनीता गरासिया एसजीजी बांसवाड़ा रही। 1500 मीटर दौड़ में छात्रा वर्ग से प्रथम सानिया मईड़ा एसजीजी बांसवाड़ा, द्वितीय निरमा कटारा एस जीजी, बांसवाड़ा तथा तृतीय पिंकी रोत दिशा डिग्री कॉलेज बांसवाड़ा रही। इसी प्रकार हाई जंप में प्रथम मीनाक्षी एसजीजी कॉलेज बांसवाड़ा, द्वितीय चंद्रप्रभा अरावली कॉलेज, तथा तृतीय

प्रियांशी अरावली कॉलेज रही। जैवलिन थ्रो के इवेंट में प्रथम रंजना, द्वितीय बाला, व तृतीय स्थान पर साइना रही। शॉट पुट इवेंट में प्रथम रंजना कुमारी, द्वितीय पार्वती कुमारी तथा तृतीय साइना कुमारी रही। इस आयोजन में शारीरिक शिक्षक अशोक कुमार राउमावि बांसला के नेतृत्व 12 शारीरिक शिक्षकों का सहयोग प्राप्त हुआ। साथ ही अनिल शर्मा, खेल सलाहकार, जीजीटीयू, जयंतीलाल त्रिवेदी, खेल प्रभारी, न्यूलूक गर्ल्स कॉलेज, निवास अहीर, राजीव गांधी, दिग्गज भट्ट, धर्मेंद्र सोमपुरा, जयदीप सोमपुरा, युगल सुथार, पियूष उपाध्याय भी मौजूद रहे। संचालन एवं आभार डॉ. यश जैन ने दिया।

बोरतालाब धाम के महंत का देवलोक गमन

बांसवाड़ा रतलाम मार्ग स्थित 1008 बोरतालाब कल्लाजी धाम के सेवक कन्हैयालाल प्रजापत का सोमवार को देवलोक गमन हो गया। उनकी पार्थिव देह माही नदी के किनारे पंचतत्व में विलीन की गई। महंत कन्हैयालाल प्रजापत के देवलोक गमन की जानकारी मिलते ही बोरतालाब सहित आस-पास के गांव, प्रजापत समाज और अनुयायियों में शोक की लहर छा गई। बड़ी संख्या में लोग बोरतालाब पहुंचने लगे। श्री कृष्ण गोविंद हरे मुरारी... के जप के बीच ग्रामीणों और अनुयायियों ने उनकी पार्थिव देह पर पुष्पांजलि अर्पित की। बोरतालाब गांव से उनकी अंतिम यात्रा निकाली गई।

रुपया शुरुआती कारोबार में 8 पैसे की बढ़त के साथ 84.38 प्रति डॉलर पर

मुंबई। अमेरिकी मुद्रा के मजबूत रुख और विदेशी पूंजी की सतत निकासी के बावजूद रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में अपने निम्नतम स्तर से उबरकर आठ पैसे की बढ़त के साथ 84.38 प्रति डॉलर पर पहुंच गया।

विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से स्थानीय मुद्रा में सुधार को समर्थन मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 84.42 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती सौदों के बाद 84.38 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले आठ पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया बृहस्पतिवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले अपने सर्वकालिक निचले स्तर 84.46 पर बंद हुआ था।

विदेशी मुद्रा बाजार गुरु नानक जयंती के अवसर पर शुक्रवार को बंद थे। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.06 प्रतिशत की बढ़त के साथ 106.68 पर रहा।

अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.51 प्रतिशत की बढ़त के साथ 71.40 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) बृहस्पतिवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 1,849.87 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

जूनियर बालिका वर्ग में छाई लखनऊ की बेटियां, बनी चैंपियन

लखनऊ की अर्चिता सिंह, मथुरा के करन चौधरी और सोनिया ने जीते दोहरे स्वर्ण पदक

लखनऊ। मथुरा ने उत्तर प्रदेश राज्य तलवारबाजी प्रतियोगिता में जूनियर बालक व सीनियर महिला वर्ग की विजेता ट्रॉफी अपने नाम की। जूनियर बालिका वर्ग में लखनऊ की टीम विजेता बनी जबकि जौनपुर को दूसरा स्थान मिला। जूनियर बालक वर्ग में और सीनियर पुरुष वर्ग में गोरखपुर विजेता बना। उत्तर प्रदेश तलवारबाजी संघ की देखरेख में आशियाना स्थित सेंट्रल पब्लिक स्कूल में आयोजित दो दिवसीय प्रतियोगिता के बारे में सचिव यूजिन पाल ने बताया कि इस प्रतियोगिता में 17 जिलों के खिलाड़ियों ने भाग लिया। इसमें लखनऊ की अर्चिता सिंह के साथ मथुरा के करन चौधरी और सोनिया ने दोहरी स्वर्णिम सफलता हासिल की। प्रतियोगिता की स्पर्धाओं में सीनियर महिला फॉयल में लखनऊ की अर्चिता सिंह ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया। मथुरा की प्रियंका पाण्डेय ने रजत और बाराबंकी की शिखा सिंह व जूली देवी ने कांस्य पदक अपने नाम किया। सीनियर महिला ईपी में जौनपुर की स्नेहा ने स्वर्ण, प्रतापगढ़ की कीर्ति गुप्ता ने रजत एवं कानपुर की गीतिका राणा और ए.इकराम ने कांस्य पदक जीता। सीनियर महिला सैबर में मथुरा की सोनिया बैंसला ने स्वर्ण, कानपुर की खुशी शुक्ला ने रजत एवं प्रतापगढ़ की राधिका पाल व बबिता पटेल ने कांस्य पदक जीते। प्रतियोगिता के समापन समारोह में सेंट्रल पब्लिक स्कूल के निदेशक त्रिदीप नारायण पांडेय, उत्तर प्रदेश तलवारबाजी संघ के सचिव यूजिन पाल, स्पोर्ट्स नेटवर्क इंडिया के निदेशक डॉ. आनंद किशोर पांडेय और मॉडर्न अकादमी लखनऊ के निदेशक सुनील तली ने खिलाड़ियों को पदक वितरित किए। इस अवसर पर मॉडर्न अकादमी गाजियाबाद के निदेशक गौरव बुद्धि राजा, रोमी पाल सिंह मोहम्मद अलीम, गणेश राजभर, अरविंद शेर वालिया, और अभिषेक कुमार वर्मा, आशिया खातून जिला सचिव तलवारबाजी संघ, लखनऊ मौजूद रही। इससे पूर्व उद्घाटन शुभारंभ बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नीलमणि प्रसाद वर्मा, अविनाश कृष्ण सिंह महानिदेशक तकनीकी शिक्षा उत्तर प्रदेश, मध्यांचल विद्युत वितरण निगम के निदेशक कमर्शियल योगेश कुमार सिंह एवं राकेश पाल निजी सचिव हाईकोर्ट महाधिवक्ता ने किया था।

बाजार में गिरावट जारी, सेंसेक्स 241 अंक टूटा...निफ्टी 23,500 अंक से नीचे फिसला

मुंबई। स्थानीय शेयर बाजारों में गिरावट सोमवार को भी जारी रही और बीएसई सेंसेक्स 241 अंक के नुकसान में रहा। विदेशी संस्थागत निवेशकों की पूंजी निकासी जारी रहने के साथ सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियों के शेयरों में बिकवाली और अमेरिकी बाजारों से कमजोर रुख से बाजार में गिरावट आई।

तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स में लगातार चौथे सत्र में गिरावट रही और यह 241.30 अंक यानी 0.31 प्रतिशत की गिरावट के साथ 77,339.01 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय इसमें 615.25 अंक की गिरावट आई थी। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी में लगातार सातवें दिन गिरावट रही और यह 78.90 अंक यानी 0.34 प्रतिशत टूटकर 23,453.80 अंक पर बंद हुआ।

सेंसेक्स में शामिल तीस शेयरों में से टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, इन्फोसिस, एनटीपीसी, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, एक्सिस बैंक, टेक महिंद्रा, बजाज फिनसर्व, सन फार्मा, इंडसइंड बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज प्रमुख रूप से नुकसान में रहे। दूसरी तरफ, लाभ में रहने वाले शेयरों में टाटा स्टील, हिंदुस्तान यूनिलीवर, महिंद्रा एंड महिंद्रा, नेस्ले और भारतीय स्टेट बैंक शामिल हैं।

शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बृहस्पतिवार को 1,849.87 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे। विदेशी निवेशक इस महीने अबतक शेयर बाजारों से 22,420 करोड़ रुपये निकाल चुके हैं। घरेलू बाजार में शेयरों का अधिक मूल्यांकन, चीन में शेयरों का सस्ता होना और अमेरिकी डॉलर के साथ सरकारी बॉन्ड प्रतिफल में वृद्धि के कारण निवेशक बाजार से पैसा निकाल रहे हैं।

शेयर बाजार शुक्रवार को 'गुरु नानक जयंती' के मौके पर बंद था। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''बाजार में गिरावट का रुख जारी है। कंपनियों के वित्तीय परिणाम में हल्की वृद्धि और महंगाई के साथ रुपये की विनिमय दर में गिरावट से धारणा प्रभावित हुई।

दिसंबर में फेडरल रिजर्व के नीतिगत दर में कटौती की उम्मीद कम होने से आईटी शेयरों में गिरावट रही। नीतिगत दर में कटौती में देरी का मतलब है कि बीएफएसआई (बैंक, वित्तीय सेवाएं और बीमा) खंड में व्यय में देरी होगी।'' एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और हांगकांग का हैंगसेंग बढ़त में जबकि जापान का निक्की और चीन का शंघाई कम्पोजिट नुकसान में रहे।

यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर कारोबार में गिरावट का रुख रहा। अमेरिकी बाजारों में शुक्रवार को गिरावट रही थी। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.49 प्रतिशत की बढ़त के साथ 71.39 डॉलर प्रति बैरल रहा। बीएसई सेंसेक्स बृहस्पतिवार को 110.64 अंक और एनएसई निफ्टी 26.35 अंक के नुकसान में रहा था।

यूज़ी पब्लिक स्कूल बना चैंपियन, हॉकी टूर्नामेंट

लखनऊ। स्व. आरके गुप्ता मेमोरियल गर्ल्स सॉफ्टबॉल हॉकी टूर्नामेंट में यूजी पब्लिक स्कूल चैंपियन बनी। भारतीय विद्या भवन विद्यालय में रविवार को खेले गए टूर्नामेंट के फाइनल में यूजी पब्लिक स्कूल ने भारती विद्या भवन को 1-0 से हरा कर खिताबी जीत दर्ज की। भारतीय विद्या भवन विद्यालय की देखरेख में आयोजित किये गए टूर्नामेंटमें अमैकस को तृतीय स्थान मिला। इससे पहले मुख्य अतिथि सिविल डिफेंस लखनऊ के सीनियर असिस्टेंट डिप्टी कंट्रोलर मनोज वर्मा और खिलाड़ी नीरज श्रीवास्तव ने सभी खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर टूर्नामेंट का उद्घाटन किया। इस अवसर पर संयुक्त सचिव बहु त्यागी, प्रधानाचार्या मरास सरबोनी, उप प्रधानाचार्य मार्श विधि सिंह सॉफ्टबॉल हॉकी यूपी के सचिव संदीप कुमार वर्मा और आशीत कुमार वर्मा मौजूद रहे।

पुरस्कार प्राप्त करने वाले खिलाड़ी- सर्वोत्तम स्कोर- सोनल (यूजीपीएस), उभरता सितारा- रेणु सहनी(यूजीपीएस), फेयर प्ले अवार्ड- हर्षिता, सर्वश्रेष्ठ डिफेंडर.- अंशिका (बीवीबी), टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी- आस्था (बीवीबी), मैन ऑफ द मैच- अनन्या (एमिकस एकेडमी), भावना बिष्ट (यूजी पब्लिक स्कूल), (आस्था मॉडर्न एकेडमी), दिव्यांशी (बीवीबी-ए), सृष्टि (बीवीबी-बी)

शहर में लगा महिला खिलाड़ियों का जमावड़ा, आज से शुरू राज्य स्तरीय महिला हॉकी और राज्य स्तरीय महिला टेनिस प्रतियोगिता

स्पोर्ट्स कॉलेज में खेले जायेंगे हॉकी के मुकाबले, टेनिस के मुकाबले केडी सिंह बाबू स्टेडियम में होंगे

लखनऊ। प्रदेश भर के विभिन्न जनपदों से महिला खिलाड़ी रविवार की शाम लखनऊ पहुंचने शुरू हो गये। सोमवार से शुरू होने वाली राज्य स्तरीय महिला हॉकी और टेनिस प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने को महिला खिलाड़ियों की भीड़ शहर में जमा हो गई है। खेल विभाग के क्षेत्रीय खेल कार्यालय लखनऊ की देखरेख में होने वाले इन खेलों के आयोजन के लिए तैयारियां पूरी कर ली गई है। हॉकी के मुकाबले कुर्सी रोड स्थित गुरु गोविंद सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज में खेले जायेंगे वहीं टेनिस में श्रेष्ठता की जंग केडी सिंह बाबू स्टेडियम पर होगी। आयोजकों के अनुसार मुकाबले सुबह और शाम के सत्र में खेले जायेंगे।

प्रदेश स्तरीय हॉकी टूर्नामेंट में 18 से 20 नवंबर के बीच मुकाबले खेले जाएंगे। स्पोर्ट्स कॉलेज में सुबह सात बजे से पहला मुकाबला खेला जायेगा। उद्घाटन मुकाबले में मेजबान लखनऊ के सामने आगरा की चुनौती होगी। खेल विभाग के अधिकारियों के अनुसार हॉकी प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न जनपदों की 19 टीमें हिस्सा ले रही हैं। इन्हें चार पूलों में बांटा गया है। प्रतियोगिता के सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबले 20 को खेले जायेंगे। मुकाबलों के लिए खिलाड़ियों ने स्पोर्ट्स कॉलेज के हॉकी मैदान में अभ्यास भी किया। क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी लखनऊ अजय कुमार सेठी ने बताया कि हॉकी टीमों को महिला कॉलेज और टेनिस के खिलाड़ियों को बाबू स्टेडियम में ठहराने की व्यवस्था की गई है। प्रतियोगिता का उद्घाटन एमएलसी इंजी. अवनीश कुमार सिंह करेंगे। इस मौके पर कई खेलों के दिग्गज खिलाड़ी मौजूद रहेंगे।

हॉकी में ये टीमें ले रही हैं हिस्सा

पूल ए- लखनऊ, आगरा, बस्ती, देवीपाटन

पूल बी- गोरखपुर स्पोर्ट्स कॉलेज, चित्रकूट, अयोध्या, आजमगढ़, कानपुर

पूल सी- झांसी, मुरादाबाद, मेरठ, अलीगढ़, मिर्जापुर

पूल डी- वाराणसी, बरेली, प्रयागराज, गोरखपुर, सहारनपुर

दो दिन चलेगा टेनिस टूर्नामेंट- टेनिस प्रतियोगिता में प्रदेश भर की तकरीबन 40 खिलाड़ी शामिल हो रही है। लखनऊ पहुंचने वाले टेनिस खिलाड़ियों ने भी शाम को केडी सिंह बाबू स्टेडियम पर वार्म अप किया। 18 मंडलों के टेनिस खिलाड़ी इस मुकाबले में दम दिखाने को तैयार है।

चैंपियंस ट्रॉफी तक पाकिस्तान के अंतरिम मुख्य कोच बने आकिब जावेद, PCB ने दी जानकारी

लाहौर। पूर्व तेज गेंदबाज आकिब जावेद चैंपियंस ट्रॉफी तक सीमित ओवर क्रिकेट में पाकिस्तान के अंतरिम मुख्य कोच बनने के साथ राष्ट्रीय चयन पैनल में भी अपनी भूमिका जारी रखेंगे। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने सोमवार को यहां इसकी पुष्टि की। बोर्ड ने कहा कि जावेद टीम के मुख्य कोच की जिम्मेदारी संभालेंगे लेकिन पीसीबी इस दौरान दूसरे उम्मीदवार की तलाश जारी रखेंगा।

एक अधिकारी ने कहा, पीसीबी का लक्ष्य 19 फरवरी से नौ मार्च तक होने वाली आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के अंत तक नये कोच की नियुक्ति प्रक्रिया को पूरा करने का होगा। जावेद के पास पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में लाहौर कलंदर्स के कोच का अनुभव है। वह हाल ही में श्रीलंका के तेज गेंदबाजी कोच भी थे। पाकिस्तान के सीमित ओवर प्रारूप के मुख्य कोच गैरी कर्स्टन के इस्तीफा देने के बाद जावेद को यह जिम्मेदारी सौंपी गयी है। कर्स्टन के हटने के बाद टेस्ट कोच जेसन गिलेस्पी ने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पाकिस्तान के अंतरिम कोच की भूमिका निभाई।

पीसीबी ने इस पूर्व ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज से वनडे और टी20 प्रारूप का भी मुख्य कोच बनने का प्रस्ताव दिया था लेकिन उन्होंने इसे ठुकरा दिया। पाकिस्तान 24 नवंबर से पांच दिसंबर के बीच तीन वनडे और इतने ही टी20 मैचों के लिए जिम्बाब्वे की यात्रा करेगा। टीम इसके बाद दक्षिण अफ्रीका के दौरे पर जाएगी जहां उसे तीन एकदिवसीय, तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय और दो टेस्ट मैच खेलने हैं।

ऑस्ट्रेलिया ने टी-20 सीरीज में पाकिस्तान का किया सूपड़ा साफ, मार्कस स्टोइनिस ने खेली तूफानी पारी

होबार्ट। गेंदबाजों ने बेहतरीन प्रदर्शन के बाद मार्कस स्टोइनिस (नाबाद 61) रनों की तूफानी पारी के दम पर ऑस्ट्रेलिया ने सोमवार को तीसरे टी-20 मुकाबले में पाकिस्तान को 52 गेंदे शेष रहते सात विकेट से हरा दिया है। इसी के साथ ऑस्ट्रेलिया ने तीन मैचों की सीरीज में पाकिस्तान का सूपड़ा साफ कर दिया। 118 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत खराब रही और उसने 3.3 ओवर में 30 के स्कोर पर अपने दो विकेट गवां दिये। मैथ्यू शॉर्ट (दो), जेक फ्रेजर-मक्गर्क (16) रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद कप्तान जॉश इंग्लिस और मार्कस स्टोइनिस ने पारी को संभाला।

दोनों बल्लेबाजों के बीच तीसरे विकेट लिये 55 रनों की साझेदारी हुई। 10वें ओवर में अब्बास अफरीदी ने जॉश इंग्लिस (27) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। मार्कस स्टॉयनिस ने 27 गेंदों में पांच चौके और पांच छक्के लगाते हुये (नाबाद 61) रनों की पारी खेली। टिम डेविड सात रन बनाकर नाबाद रहे। ऑस्ट्रेलिया ने 11.2ओवर में तीन विकेट पर 118 रन बनाकर सात विकेट से मुकाबला जीत लिया। पाकिस्तान की ओर से शाहीन शाह अफरीदी, अब्बास अफरीदी और जहानदाद खान ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 17 के स्कोर पर सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान (नौ) को स्पेंसर जॉनसन ने आउट कर पवेलियन भेज दिया। इसके बाद हसीबउल्लाह खान ने बाबर आजम के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। सातवें ओवर में एडम जम्पा ने हसीबउल्लाह खान (24) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद पाकिस्तान की पारी ताश के पत्तों की ढह गई। उस्मान खान (तीन), आगा सलमान (एक), इरफान खान (10), अब्बास अफरीदी (एक), जहानदाद खान (पांच),शाहीन शाह अफरीदी (16), सुफियान मकीम (एक) रन बनाकर आउट हुये। बाबर आजम ने 28 गेंदों में (41) रन बनाये। उन्हें एडम जम्पा ने बोल्ड आउट किया। पाकिस्तान की पूरी टीम 18.1 ओवर में 117 रन पर सिमट गई। ऑस्ट्रेलिया की ओर से ऐरन हार्डी ने तीन विकेट लिये। स्पेंसर जॉनसन और एडम जम्पा को दो-दो विकेट मिले। नेथन एलिस और जेवियर बार्टलेट ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

डेविस कप के जरिए विदाई की तैयारी में जुटे राफेल नडाल, बोले- यह कठिन फैसला है...

मालागा (स्पेन)। स्पेन के महान खिलाड़ी राफेल नडाल मंगलवार से यहां घरेलू दर्शकों के सामने होने वाले डेविस कप फाइनल्स के जरिये टेनिस से विदा लेने की तैयारी में हैं। 38 वर्ष के नडाल 20 साल से अधिक समय से खेल रहे हैं और टेनिस के 'बिग थ्री' में से रिटायर होने जा रहे दूसरे खिलाड़ी हैं। रोजर फेडरर ने 2022 में खेल से विदा ली थी जबकि नोवाक जोकोविच अभी खेल रहे हैं। पिछले सप्ताह से मालागा में लगातार अभ्यास कर रहे नडाल ने कहा ,'' यह कठिन फैसला है जिसे लेने में मुझे समय लगा। लेकिन जीवन में जो शुरू हुआ है, वह खत्म होना ही है । मुझे लगता है कि यह विदा लेने का सही समय है। मेरा करियर इतना लंबा और सफल रहा जितना मैने सोचा भी नहीं था।'अभी यह स्पष्ट नहीं है कि नडाल का आखिरी मैच कब होगा क्योंकि डेविस कप टीम स्पर्धा है और अभी तय नहीं है कि आगे के नतीजे क्या होते हैं।

स्पेन को मंगलवार को नीदरलैंड से खेलना है जिसमें जीतने पर कनाडा या जर्मनी से शुक्रवार को सेमीफाइनल खेलना होगा। एकल में दो और युगल में एक मैच होना है। अभी पता नहीं है कि नडाल एकल खेलेंगे, युगल या दोनों या एक भी नहीं। नडाल के साथ स्पेन की टीम में चार बार के ग्रैंडस्लैम चैम्पियन कार्लोस अल्काराज, रॉबर्टो बतिस्ता एगुट , पेड्रो मार्तिनेज और मार्शेल ग्रानोलेर्स हैं।

सुनील गावस्कर को यकीन- विराट कोहली आगामी श्रृंखला में अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में लौटेंगे

नई दिल्ली। महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर को यकीन है कि ऑस्ट्रेलिया के पिछले दौरों पर पर्थ और एडीलेड में बेहतरीन पारियां खेलने वाले चैम्पियन बल्लेबाज विराट कोहली पांच टेस्ट मैचों की आगामी श्रृंखला में भी अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में लौटेंगे।

गावस्कर ने 22 नवंबर से पर्थ में शुरू हो रही बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी श्रृंखला से पहले स्टार स्पोर्टस से कहा ,'' न्यूजीलैंड के खिलाफ विराट रन नहीं बना सका था लिहाजा वह रनों का भूखा होगा। उन्होंने कहा, पिछली बार एडीलेड टेस्ट में जब दूसरी पारी में पूरी भारतीय टीम 36 रन पर आउट हो गई थी, जहां तक मुझे याद है कोहली ने रन आउट होने से पहले पहली पारी में 70 से ज्यादा रन बनाये थे।

उन्होंने कहा, इसके अलावा एडीलेड में तो उसने हमेशा रन बनाये हैं। पर्थ में 2018 . 19 में उसने बेहतरीन टेस्ट शतक जड़ा था। उसके सबसे शानदार टेस्ट शतकों में से एक। इन पारियों से उसमें अतिरिक्त आत्मविश्वास होगा।शुरूआत में किस्मत का साथ चाहिये और अगर उसे अच्छी शुरूआत मिल गई तो वह बड़ी पारियां खेलेगा। वहीं पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने कहा कि आस्ट्रेलियाई गेंदबाज विराट को आफ स्टम्प से बाहर जाती गेंदें डालने की कोशिश करेंगे। उन्होंने कहा ,'' मुझे लगता है कि विराट को पता होगा कि उसके खिलाफ क्या रणनीति हो सकती है। उसे आफ स्टम्प से बाहर गेंदें डाली जायेंगी जिन्हें आजकल वह छोड़ देता है। आस्ट्रेलियाई गेंदबाज उसके शरीर पर भी गेंद फेंकने की रणनीति अपना सकते हैं क्योंकि न्यूजीलैंड के गेंदबाजों को इस रणनीति का फायदा मिला है।

घरेलू शेयर बाजारों में शुरुआती कारोबार में गिरावट

मुंबई। विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी और अमेरिकी बाजारों से कमजोर रुख के बीच घरेलू बाजारों में सोमवार को शुरुआती कारोबार में गिरावट दर्ज की गई। बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 156.72 अंक की गिरावट के साथ 77,423.59 अंक पर रहा। एनएसई निफ्टी 64.25 अंक फिसलकर 23,468.45 पर आ गया।

सेंसेक्स में सूचीबद्ध 30 कंपनियों में से इंफोसिस, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एनटीपीसी, एक्सिस बैंक, टाटा मोटर्स और इंडसइंड बैंक के शेयरों में सबसे अधिक गिरावट आई। एचडीएफसी बैंक, टाटा स्टील, बजाज फाइनेंस और एशियन पेंट्स के शेयर लाभ में रहे। एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, चीन का शंघाई कम्पोजिट तथा हांगकांग का हैंगसेंग फायदे में रहे जबकि जापान का निक्की नुकसान में रहा। अमेरिकी बाजार शुक्रवार को नकारात्मक रुख के साथ बंद हुए थे। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.51 प्रतिशत की बढ़त के साथ 71.40 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) बृहस्पतिवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 1,849.87 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

नाथन लियोन बोले- अश्विन बेहद चतुर गेंदबाज, उसने काफी कुछ सिखाया

पर्थ। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी स्पिनर नाथन लियोन का मानना है कि विरोधी खिलाड़ी अधिकतर 'सर्वश्रेष्ठ कोच' होते हैं और उन्होंने स्वीकार किया कि भारतीय ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने 2011-12 में पहली बार उनके साथ आमना-सामना होने के बाद से उन्हें काफी कुछ 'सिखाया' है। एक ही वर्ष में टेस्ट पदार्पण करने वाले लियोन और अश्विन 22 नवंबर में पर्थ में शुरू हो रही पांच टेस्ट मैच की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान खेल के लंबे प्रारूप में आठवीं बार आमने-सामने होंगे।

लियोन ने 'फॉक्स क्रिकेट' से कहा, ''ऐश (अश्विन) शानदार गेंदबाज है। मैं अपने पूरे करियर के दौरान उसका सामना किया है इसलिए मैंने ऐश से काफी कुछ सीखा है।'' उन्होंने कहा, ''वह बहुत ही चतुर गेंदबाज है और वह काफी तेजी से सीखता और सामंजस्य बैठाता है। मुझे लगता है कि दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज ऐसा कर पाते हैं। वह अपने कौशल का इस्तेमाल अपने और टीम के फायदे के लिए करता है।'' यह अश्विन का पांचवां ऑस्ट्रेलिया दौरा होगा जहां उन्होंने 10 टेस्ट मैच में 42.15 के औसत से 39 विकेट चटकाए हैं। लियोन ने स्वीकार किया कि उन्होंने अश्विन की गेंदबाजी का करीब से अध्ययन किया है, विशेषकर पिछले कुछ वर्षों मे ऑस्ट्रेलिया के भारत दौरे से पहले। उन्होंने कहा ''उसने मुझे काफी कुछ सिखाया है। मेरा मानना है कि जिन खिलाड़ियों के खिलाफ आप खेलते हैं वे आपके सर्वश्रेष्ठ कोच होते हैं।'' उन्होंने कहा, ''भारत जाने से पहले मैंने उसकी गेंदबाजी की काफी फुटेज देखी, जिस तरह वह यहां ऑस्ट्रेलिया में गेंदबाजी करता है, देखना चाहता था कि इससे कुछ सीख सकता हूं या नहीं।'' लियोन ने कहा, ''मैं क्रिकेट को जिस नजरिए से देखता हूं, वह यह है कि मैं कभी किसी ऐसे व्यक्ति से नहीं मिला जिसने खेल पर विजय प्राप्त की हो, ना ही कभी किसी ऐसे व्यक्ति के खिलाफ या उसके साथ खेला जिसने खेल पर विजय प्राप्त की हो।'' उन्होंने कहा, ''इस महान खेल में सीखने के लिए बहुत कुछ है और ऐश से सीखने के लिए मेरे पास बहुत कुछ है। वह एक विश्व स्तरीय गेंदबाज है। उसने 500 से ज्यादा टेस्ट मैच विकेट लिए हैं और उसे इस पर बहुत गर्व होना चाहिए।'' एशिया के बाहर बेहतर गेंदबाजी औसत के मामले में लियोन अश्विन से आगे हैं। अश्विन ने जहां 33.14 के औसत से विकेट चटकाए हैं तो वहीं लियोन का औसत 30.09 है। हालांकि एशिया में गेंदबाजी के मामले में अश्विन ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर से काफी आगे हैं। एशिया में अश्विन का औसत 21.76 जबकि लियोन का 30.81 है। यह पूछे जाने पर कि क्या वे दोनों इस दौरे के बाद फिर से एक-दूसरे का सामना कर सकते हैं, लियोन ने कहा, ''स्पिन गेंदबाजी एक ऐसा कौशल है जो आपकी उम्र के साथ बेहतर होता जाता है।'' उन्होंने कहा, ''मेरे लिए निश्चित रूप से कोई सीमा नहीं है और मुझे नहीं लगता कि हमारे लिए भी कोई सीमा होनी चाहिए। वह बिल्कुल विश्व स्तरीय गेंदबाज है और कुछ वर्षों में फिर एक श्रृंखला होनी है। तो कौन जानता है?''

सात्विक-चिराग बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर में करेंगे वापसी

शेनजेन (चीन)। पेरिस ओलंपिक की नाकामी को भुलाते हुए भारत की शीर्ष युगल टीम सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी मंगलवार से यहां शुरू हो रहे चाइना मास्टर्स सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के जरिए वापसी करेगी। दुनिया की पूर्व नंबर एक टीम सात्विक के कंधे की चोट के कारण पेरिस ओलंपिक के बाद से प्रतिस्पर्धा से दूर है। दोनों आर्कटिक ओपन, डेनमार्क ओपन और चाइना ओपन नहीं खेल सके थे। अगस्त में मथियास बो के जाने के बाद से दोनों के पास कोच भी नहीं है। पिछली बार उपविजेता रहे सात्विक और चिराग पहले दौर में चीनी ताइपै के यांग पो सुआन और ली ज़े हुइ से खेलेंगे।

वहीं पीवी सिंधु और लक्ष्य सेन खराब फॉर्म से उबरकर जीत की राह पर लौटना चाहेंगे। अगस्त में पेरिस ओलंपिक के बाद दोनों ने लंबा ब्रेक लिया था लेकिन खोया फॉर्म हासिल नहीं कर सके। पेरिस ओलंपिक में सेमीफाइनल में हारने के बाद लक्ष्य आर्कटिक सुपर 500 और डेनमार्क ओपन में जल्दी हार गए। इसके बाद कुमामोतो मास्टर्स जापान में पहले ही दौर में बाहर हो गए। वह पहले दौर में मलेशिया के सातवीं वरीयता प्राप्त ली जि जिया से खेलेंगे। दो बार की ओलंपिक चैम्पियन सिंधु फिनलैंड में कनाडा की मिचेले ली के खिलाफ पहले दौर में हार गई थी। सिंधु यहां पहले दौर में थाईलैंड की सुपनिदा केटथोंग से खेलेंगी। महिला एकल में आकर्षि कश्यप पहले दौर में जापान की तोमोका मियाजाकी से और मालविका बंसोड लाइन होजमार्क के से खेलेगी। महिला युगल में गायत्री गोपीचंद और त्रिसा जॉली का सामना चीन की दूसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी लियू शेंग शू और तान निंग से होगा। बी सुमीत रेड्डी और सिक्की रेड्डी मिश्रित युगल खेलेंगे।

भारत ने जूनियर एशिया कप हॉकी के लिए 20 सदस्यीय टीम का किया ऐलान, डिफेंडर आमिर होंगे कप्तान

नई दिल्ली। डिफेंडर आमिर अली मस्कट में 26 नवंबर से होने वाले पुरूष जूनियर एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट के लिए भारत की 20 सदस्यीय टीम के कप्तान होंगे। यह टूर्नामेंट अगले साल होने वाले जूनियर विश्व कप का क्वालीफाइंग टूर्नामेंट भी है। भारत ने रिकॉर्ड चार बार टूर्नामेंट जीता (2004,2008,2015, 2023) है । उसने पाकिस्तान को पिछले साल 2 . 1 से हराकर खिताब जीता था। इस साल टूर्नामेंट में दस टीमों को पांच पांच के दो पूल में बांटा गया है।

गाजरघास से कम्पोस्ट बनाएं, एक साथ दो लाभ कमायें

सघन कृषि प्रणाली के चलते रसायनिक उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग करने से, मानव स्वास्थ्य एवं पर्यावरण पर होने वाले घातक परिणाम किसी से छिपे नहीं हैं। भूमि की उर्वराशक्ति में लगातार गिरावट आती जा रही है। रसायनिक खादों द्वारा पर्यावरण एवं मानव पर होने वाले दुष्प्रभावों को देखते हुए जैविक खादों का महत्व बढ़ रहा है। गाजरघास से जैविक खाद बनाकर हम पर्यावरण सुरक्षा करते हुए धनोपार्जन भी कर सकते हैं। निंदाई कर हम जहां एक तरफ खेतों से गाजरघास एवं अन्य खरपतवारों को निकाल कर फसल की सुरक्षा करते हैं, वहीं इन उखाड़ी हुई खरपतवारों से वैज्ञानिक विधि अपनाकर अच्छा जैविक खाद प्राप्त कर सकते हैं जिसे फसलों में डालकर पैदावार बढ़ाई जा सकती है।

गाजरघास से कम्पेस्ट बनाने की विधि

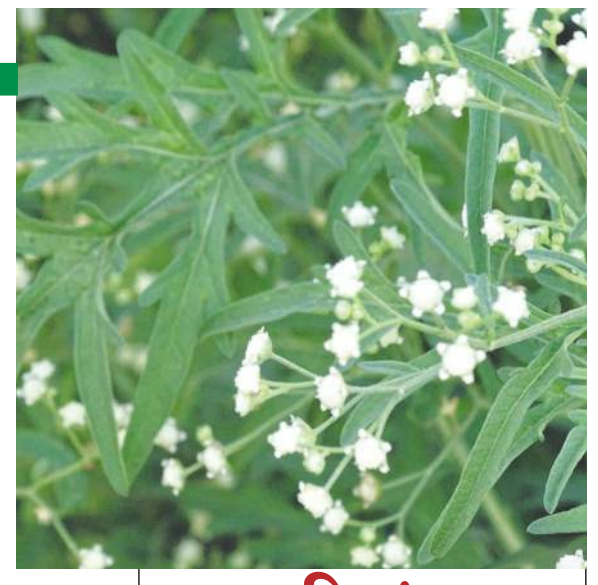

क्यों लगता है कृषकों को गाजरघास से कम्पोस्ट बनाने में डर

सर्वेक्षण में पाया गया है कि गाजरघास से कम्पोस्ट बनाने में इसलिए डरते हैं कि अगर गाजरघास कम्पोस्ट का प्रयोग करेंगे तो खेतों में और अधिक गाजरघास हो जाएगी। कुछ किसानों के गाजरघास से अवैज्ञानिक तरीकों से कम्पोस्ट बनाने के कारण यह भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो गई है। सर्वेक्षण में पाया गया कि जब कुछ कृषकों ने फूलों युक्त गाजरघास से 'नाडेप विधि' द्वारा कम्पोस्ट बना कर उपयोग की तो उनके खेतों में अधिक गाजरघास हो गई। गांवों में गोबर से खाद खुले हुए टांकों या गड्ढों में बनाते हैं। जब फूलों युक्त गाजरघास को खुले गड्ढों में गोबर के साथ डाला गया तो भी इस खाद का उपयोग करने पर खेतों में अधिक गाजरघास का प्रकोप हो गया। अनुसंधानों में पाया गया कि 'नाडेप' या खुले गड्ढों या टांकों में फूलों युक्त गाजरघास से खाद बनाने पर इसके अतिसूक्ष्म बीज नष्ट नहीं हो पाते हैं। एक अध्ययन में 'नाडेप विधि' द्वारा गाजरघास से बनी हुई केवल 300 ग्राम खाद में ही 500 तक गाजरघास के पौधे अंकुरित होना पाए गए। इन्हीं कारणों से कृषक भाई गाजरघास से कम्पोस्ट बनाने से डरते हैं। पर अगर वैज्ञानिक विधि से गाजरघास से कम्पोस्ट बनाई जाए तो यह एक सुरक्षित कम्पोस्ट है।

कम्पोस्ट की छनाई

5 से 6 माह बाद भी गड्ढे से कम्पोस्ट निकालने पर आपको प्रतीत हो सकता है कि बड़े मोटे तनों वाली गाजरघास अच्छी प्रकार से गली नहीं है। पर वास्तव में यह गल चुकी होती है। इस कम्पोस्ट को गड्ढे से बाहर निकालकर छायादार जगह में फैलाकर सुखा लें। हवा लगते ही यह नम एवं गीली कम्पोस्ट शीघ्र सूखने लगती है। थोड़ा सूख जाने पर इसका ढेर कर लें। यदि अभी भी गाजरघास के रेशे युक्त तने मिलते है तो इसके ढेर को लाठी या मुगदर से पीट दें। जिन किसान भाईयों के पास बैल या ट्रैक्टर हैं, वे इन्हें इसके ढेर पर थोड़ी देर चला दें। ऐसा करने पर तने टूट कर बारीक हो जायेंगे जिससे और अधिक कम्पोस्ट प्राप्त होगी।

इस कम्पोस्ट को 2-2 सेमी छिद्रों वाली जाली से छान लें। जाली के ऊपर बचे ठूंठों के कचड़े को अलग कर दें। कृषक द्वारा स्वयं के उपयोग के लिए बनाए कम्पोस्ट को बिना छाने भी इस्तेमाल किया जा सकता है। इस प्रकार प्राप्त कम्पोस्ट को छाया में सुखाकर प्लास्टिक, जूट या अन्य प्रकार के बड़े या छोटे थैलों में भरकर पैकिंग कर दें। व्यक्ति/कृषक गाजरघास के कम्पोस्ट बनाने को व्यवसायिक रूप में करना चाहते हैं तो किचिन गार्डन उपयोग के लिए 1,2,3,5 किलो के पैकेट और व्यवसायिक सब्जियों, फसलों या बागवानी में उपयोग के लिए 25 से 50 किग्रा. के बड़े पैकेट बना सकते हैं।

गाजरघास कम्पोस्ट में पोषक तत्व

तुलनात्मक अध्ययन में यह पाया गया कि गाजरघास से बनी कम्पोस्ट में मुख्य पोषक तत्वों की मात्रा गोबर से दुगनी और केंचुआ खाद के लगभग होती है।

गाजरघास से कम्पोस्ट बनाने की विधि

गाजरघास से सर्दी-नरमी के प्रति असंवेदनशील बीजों में शषुप्तावस्था न होने के कारण एक ही समय में फूल युक्त और फूल विहीन गाजरघास के पौधे खेतों में दृष्टिगोचर होते हैं। अतः निंदाई करते समय फूलयुक्त पौधों का उखाड़ना भी अपरिहार्य हो जाता है। फिर भी किसान भाईयों को गाजरघास को कम्पोस्ट बनाने में उपयोग करने के लिए हर संभव प्रयास करने चाहिए कि वो उसे ऐसे समय उखाड़ें जब फूलों की मात्रा कम हो। जितनी छोटी अवस्था में गाजरघास को उखाड़ेंगे उतना ही अधिक अच्छा कम्पोस्ट बनेगा और उतनी ही फसल की उत्पादकता बढ़ेगी।

निम्नलिखित विधि द्वारा गाजरघास से कम्पोस्ट बनाई जा सकती है

» अपने खेत या भूमि पर एक उपयुक्त थोड़ी ऊँचाई वाले स्थान पर जहां पानी का जमाव न होने पावे, एक 3×6×10 फीट (गहराई× चौड़ाई×लम्बाई) आकार का गड्ढा बना लें।

» अगर संभव हो सके तो गड्ढे की सतह पर और साइड की दीवारों पर पत्थर की चीपें इस प्रकार लगाएं कि कच्ची जमीन का गड्ढा एक पक्का टांका बन जाए। इसका लाभ यह होगा कि कम्पोस्ट के पोषक तत्व गड्ढे की जमीन नहीं सोख पाएगी।

» अगर चीपों का प्रबंध न हो पाए तो गड्ढे के फर्श और दीवार की सतह को मुगदर से अच्छी प्रकार से पीटकर समतल कर लें।

» अपने खेतों की फसलों के बीच से, मेढ़ों से और आस-पास के स्थानों से गाजरघास को जड़ समेत उखाड़कर गड्ढे के समीप इकट्ठा कर लें।

» गड्ढे के पास 75 से 100 किग्रा. कच्चा गोबर, 5-10 किग्रा. यूरिया या रॉक फास्फेस की बोरी, भुरभुरी या कापू मिट्टी (एक या दो क्विंटल) और एक पानी के ड्रम की व्यवस्था कर लें।

» लगभग 50 किग्रा. गाजरघास को गड्ढे की पूरी लम्बाई-चौड़ाई में सतह पर फैला दें।

» 5-7 किग्रा. गोबर को 20 लीटर पानी में घोल बनाकर उसका गाजरघास की परत पर छिड़काव करें।

» इसके ऊपर 500 ग्राम यूरिया या 3 किग्रा. रॉक फास्फेट का छिड़काव करें। जैवकीय खेती में खाद को उपयोग करना हो तो यूरिया न डालें।

» उपलब्ध होने पर ट्राइकोडरमा विरीडी अथवा ट्राइकोडरमा हारजानिया नामक कवक के कल्चर पाउडर को 50 ग्राम प्रति परत के हिसाब से डालें। इस कवक कल्चर को डालने से गाजरघास के बड़े पौधों का अपघटन भी तेजी से हो जाता है एवं कम्पोस्ट शीघ्र बनती है। चूंकि दूर-दराज के गांव-देहातों में इस कल्चर का मिलना कठिन होता है। अतः इस कारक का प्रयोग इसकी उपलब्धि पर निर्भर है।

» इसी प्रकार एक परत के ऊपर दूसरी-तीसरी और अन्य परतें तब तक बनाते जाएं जब तक गड्ढा ऊपरी सतह से एक फीट ऊपर तक न भर जाए। ऊपरी सतह की परत इस प्रकार दबाएं कि सतह डोम के आकर की हो जाए। परत जमाते समय गाजरघास को पैरों से अच्छी प्रकार दबाते रहें।

» यहां पर गाजरघास को जड़ से उखाड़कर परत बनाने के निर्देश दिए गए हैं। जड़ से उखाड़ते समय जड़ों के साथ ही काफी मिट्टी आ जाती है। अतः परत के ऊपर भुरभुरी मिट्टी डालने का विकल्प खुला है। अगर आप महसूस करते हैं कि जड़ों में मिट्टी अधिक नहीं है तो 10-12 किग्रा. भुरभुरी मिट्टी प्रति परत की दर से डालें।

» अब इस प्रकार भरे गड्ढे को गोबर, मिट्टी आदि के मिश्रण लेप से अच्छी प्रकार बंद कर दे 5-6 माह बाद गड्ढा खोलने पर अच्छी कम्पोस्ट प्राप्त होती है।

» उपरोक्त वर्णित गड्ढे में 37 से 42 क्विंटल ताजी उखड़ी गाजरघास आ जाती है जिससे 37 से 45 प्रतिशत तक कम्पोस्ट प्राप्त हो जाती है।

लाभ

» गाजरघास कम्पोस्ट एक ऐसी जैविक खाद है, जिसके प्रयोग से फसलों मनुष्यों और पशुओं पर कोई भी प्रभाव नहीं पड़ता है।

» कम्पोस्ट बनाने पर गाजरघास की जीवित अवस्था में पाया जाने वाले विषाक्त रसायन पार्थेनिन का पूर्णतः विघटन हो जाता है।

» गाजरघास कम्पोस्ट एक संतुलित खाद है जिसमें नाइट्रोजन, फास्फोरस तथा पोटाश तत्वों की मात्रा गोबर खाद से अधिक होती है। इन मुख्य पोषक तत्वों के अलावा गाजरघास कम्पोस्ट में सूक्ष्म पोषक तत्व भी होते हैं।

» जैविक खाद होने के कारण यह पर्यावरण मित्र है।

» यह बहुत कम लागत में भूमि की उर्वरा शक्ति को बढ़ाती है।

» गाजरघास से जैविक खाद बनाने के लिए एक तरफ गाजरघास की निंदाई कर कृषक भाई अपनी गाजरघास से ग्रसित फसलों की उत्पादकता बढ़ा सकते हैं वहीं दूसरी तरह इस खाद का फसलों में इस्तेमाल कर या इसे बेचकर अधिक धनोपार्जन कर सकते हैं। यानि की लाभ ही लाभ।

प्रयोग की मात्रा

» खेत की तैयारी के समय बेसल ड्रेसिंग के रूप में 2.5 से 3.0 टन/हेक्टेयर।

» सब्जियों में 4-5 टन प्रति हेक्टेयर पौध रोपण या बीज बोते समय।

» गाजरघास कम्पोस्ट के प्रयोग की मात्रा अन्य जैविक खादों के अनुसार ही करें।

सावधानियां

गाजरघास से कम्पोस्ट तैयार करते समय निम्न बातों पर विशेष ध्यान देना चाहिए-

» गड्ढा छायादार, ऊँचे और खुली हवा में जहां पानी की भी व्यवस्था हो बनाएं।

» गाजरघास को हर हाल में फूल आने से पहले ही उखाड़ना चाहिए। उस समय पत्तियां अधिक होती हैं और तने कम रेशे वाले होते हैं अतः खाद उत्पाद अधिक होता है खाद जल्दी बन जाती है।

» गड्ढे को अच्छी प्रकार से मिट्टी, गोबर एवं भूसे के मिश्रण के लेप से बंद करें। अच्छे से बंद न होने पर ऊपरी परतों में गाजरघास के बीज मर नहीं पाएंगे।

» प्रायः गड्ढे के पास जहां कम्पोस्ट बनाने के लिए गाजरघास इकट्ठा करते हैं। वहां 20-25 दिनों में ही गाजरघास अंकुरित हो जाती है। ऐसा गाजरघास के फूलों से पके बीज गिरने के कारण होता है। यदि आपने अधिक फूलों वाली गाजरघास का कम्पोस्ट बनाने में उपयोग किया होगा तो उस अनुपात में वहां गाजरघास का अंकुरण अधिक पाएंगे। इन नए अंकुरित गाजरघास को फूल आने से पहले अवश्य जड़ से उखाड़ दें अन्यथा इन्ही पौधों के सूक्ष्म बीज आपके कम्पोस्ट को संक्रमित कर देंगे।

» एक माह बाद आवश्यकतानुसार गड्ढे पर पानी का छिड़काव करते रहें। अधिक सूखा महसूस होने पर ऊपरी परत पर सब्बल आदि की सहायता से छेदकर पानी अंदर भी दाल दें। पानी डालने के बाद छिद्रों को बंद कर दें।

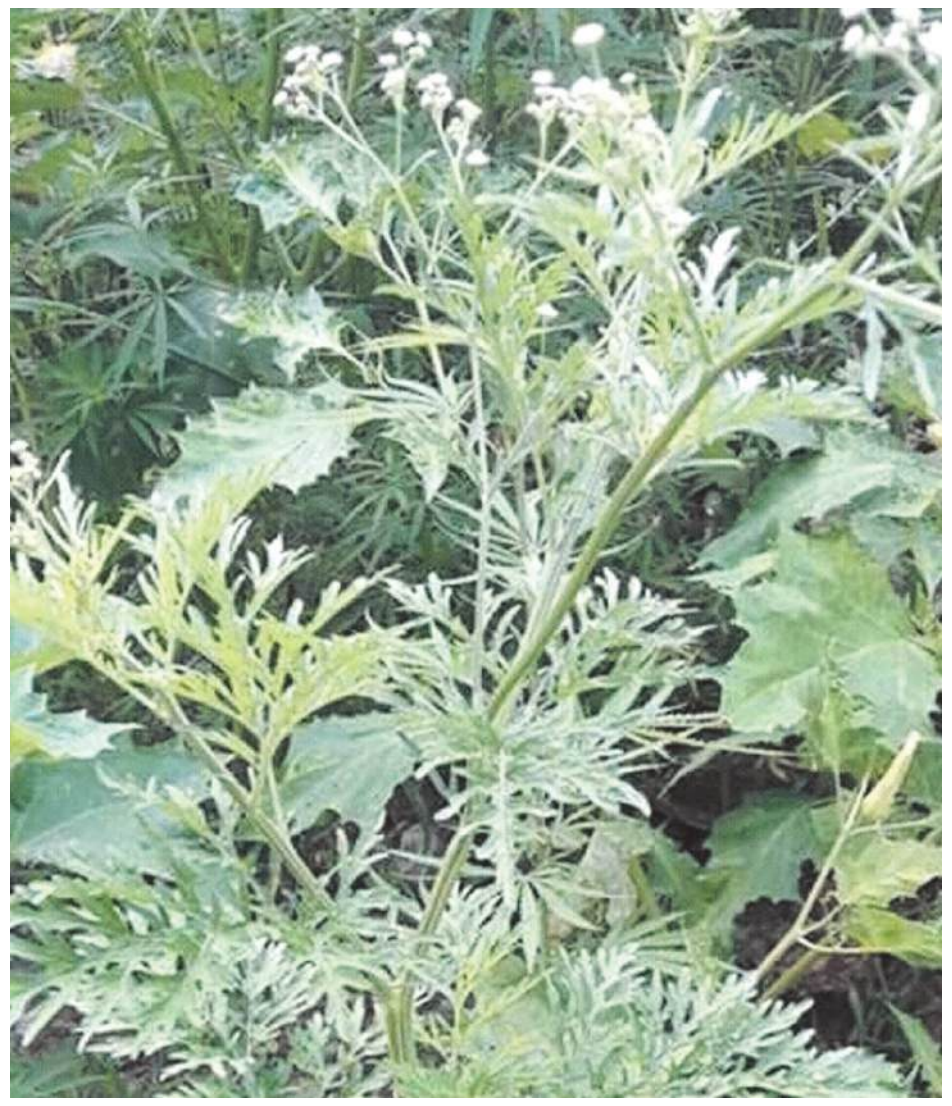

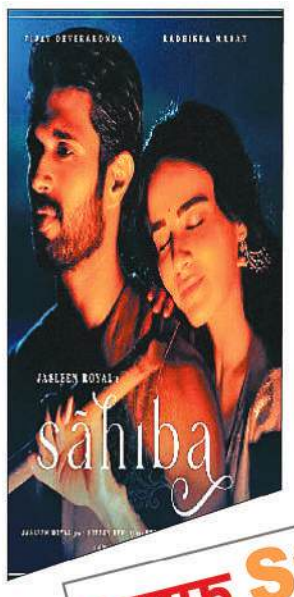

देवरकोंडा और राधिका का गाना 'साहिबा' रिलीज

मुंबई। अभिनेता विजय देवरकोंडा और अभिनेत्री राधिका मदान के गाने 'साहिबा' का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जो अब खत्म हो चुका है। दरअसल, आज यानी 15 नवंबर को 'साहिबा' गाना रिलीज हो गया है, जिसे दर्शकों का खूब प्यार मिल रहा है। इस गाने को जसलीन रॉयल ने अपनी आवाज दी है, जिन्हें 'दिन शगना दा', 'हीरिये' और 'माये नी' जैसे गानों के लिए जाना जाता है। इस दौरान स्टेबिन बेन ने भी उनका साथ दिया है। विजय और राधिका की केमिस्ट्री को दर्शक काफी पसंद कर रहे हैं। प्रिया सरैया और आदित्य शर्मा ने इस गाने के बोल लिखे हैं। जसलीन ने ही इस गाने को कंपोज किया है।

लाइफ Style

यामी गौतम

शेयर किया अपना मदरहुड एक्सपीरियंस

बॉलीवुड एक्ट्रेस यामी गौतम इन दिनों मदरहुड पीरियड इंजॉय कर रही है। लगभग 6 महीने पहले ही यामी ने बेटे वेदविद को जन्म दिया था। वहीं, अब बच्चा हो जाने के बाद पहली बार यामी गौतम ने इस पर खुलकर बात किया है।

एजेंसी ⏭ मुंबई

महाल ही में मीडिया से बातचीत के दौरान यामी गौतम ने बताया कि "मुझे अभी भी कई बार विश्वास नहीं होता है कि मैं एक मां बन चुकी हूं। खासकर तब जब मैं किसी और से बात करते हुए वेदविद को अपना बेटा बुलाती हूं। यही वक्त होता है जब आप यह बात जोर से सभी के सामने रखते हो। एक्ट्रेस के मुताबिक बच्चा हो जाने के बाद में उनकी जिंदगी पूरी तरीके से बदल चुकी है। उन्होंने कहा कि "मुझे बहुत अच्छे से याद है कि अस्पताल से जिस दिन में घर पर आई थी सभी मेरे बच्चे को देखने के लिए बेकरार थे।

जैसा कि हर एक परिवार में होता ही है। यामी गौतम ने बताया कि वह रोजाना अपने बेटे से कुछ ना कुछ नया सीखती हैं। साथ ही बताया कि बेटे और पति आदित्य धर का कनेक्शन कैसा है। उन्होंने बताया कि आदित्य बहुत अच्छे पिता है, बर्प एक्सपर्ट भी है और वेदविद उनसे बहुत प्यार भी करता है। आदित्य को देखकर वह एकदम खिल उठता है और उनकी गोदी में कूद जाता है। यामी गौतम ने कहा कि मेरी मां बच्चे का ध्यान रखने में खूब मदद भी करती हैं।

हॉलीवुड मसाला

'बिग बॉस 18' में नजर आएंगी

कार्दशियन बहनें

लॉस एंजिलस। छोटे पर्दे का सबसे चर्चित और विवादित रियलिटी शो 'बिग बॉस' के 18वें सीजन को दर्शकों का खूब प्यार मिल रहा है। सलमान खान इस शो की मेजबानी कर रहे हैं। शो में तरह-तरह के ट्विस्ट और टर्न देखने को मिल रहे हैं। अब खबर आ रही है कि 'बिग बॉस 18' के निर्माताओं ने शो की ओआरपी बढ़ाने के लिए 3 हसीनाओं से संपर्क किया है। ये हसीनाएं और कोई नहीं, बल्कि कार्दशियन बहनें किम, काइली और केंडल हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, 'बिग बॉस' के निर्माताओं ने कार्दशियन बहनों (किम कार्दशियन, काइली जेनर और केंडल जेनर) को इस सीजन का हिस्सा बनने के लिए संपर्क किया गया है।

एक भी हिट फिल्म नहीं फिर भी हैं सबसे रईस

लॉस एंजिलस। जब दुनिया के सबसे अमीर स्टार्स की बात आती है तो इस लिस्ट में शाहरुख खान से लेकर सलमान खान और टॉम क्रूज से लेकर जॉनी डेप जैसे बड़े सितारों को नाम आता है। इन सितारों के बीच एक ऐसी ऐक्ट्रेस है जो जिसे दुनिया की सबसे रईस एक्ट्रेस माना जाता है। हम यहां 1965 को शिकागो, इलिनोइस, अमेरिका में जन्मी 59 साल की जैमी गर्ट्ज की बात कर रहे हैं। उन्होंने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत 1981 में की थी। जैमी बिना एक भी हिट फिल्म दिए 66 हजार करोड़ रुपये की संपत्ति की मालकिन हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, बॉलीवुड के शाहरुख खान के पास 6300 करोड़ की संपत्ति है. सलमान खान के पास 2,900 करोड़ की संपत्ति, अक्षय कुमार की 2,500 करोड़ और आमिर खान की 1,862 करोड़ क के आसपास संपत्ति बताई जाती है. अगर इन सभी की नेटवर्थ को मिलाया जाए, तब भी जैमी गर्ट्ज इसने सभी से बहुत आगे हैं।

'युद्धरा' ने ओटीटी पर दी दस्तक

मुंबई। अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी की फिल्म 'युद्धरा' को 20 सितंबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था। हालांकि, यह बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी। बॉलीवुड हंगामा की एक रिपोर्ट के मुताबिक, 'युद्धरा' ने दुनियाभर में 11.31 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। फिल्म का बजट 50 करोड़ रुपये था। सिनेमाघरों में निराशाजनक प्रदर्शन करने के बाद अब 'युद्धरा' ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर दस्तक दे चुकी है। 'युद्धरा' को आप घर बैठे अमेजन प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं। दर्शक इस फिल्म को सिनेमाघरों में नहीं देख पाए, वह अब इसे ओटीटी पर देख सकते हैं। इस फिल्म में सिद्धांत की जोड़ी मालविका मोहनन के साथ बनी है, जिसे पहली बार देखा जाएगा। राघव जुयाल ने भी इस फिल्म में अभिनय किया है।

'डाकू महाराज' से पहली झलक आई सामने

मुंबई। दक्षिण भारतीय सिनेमा के जाने-माने अभिनेता नंदामुरी बालकृष्ण इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'एनबीके 109' को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। इस फिल्म सनी देओल और रवि किशन भी अभिनय करते नजर आएंगे। अब निर्माताओं ने फिल्म के शीर्षक से पर्दा उठा गया है, वहीं फिल्म का टीजर भी सामने आ चुका है। 'एनबीके 109' से नंदामुरी और रवि के साथ-साथ बॉबी की पहली झलक सामने आ गई है, जिसमें उनका धांसू अवतार दिख रहा है। नंदामुरी की आगामी फिल्म का नाम 'डाकू महाराज' रखा गया है। टीजर में उनको एक डाकू के अवतार में दिखाया गया है। फिल्म में रवि और बॉबी बतौर खलनायक नजर आएंगे, जिसकी झलक टीजर में भी देखने को मिली। 'डाकू महाराज' को अगले साल 12 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा।

टीवी मसाला

द ग्रेट इंडियन कपिल शो को मिला कानूनी नोटिस

नई दिल्ली। एक बार फिर से कपिल शर्मा कानूनी पचड़े में फंस गए हैं. कॉमेडियन का ये मामला उनके शो द ग्रेट इंडियन कपिल शर्मा शो से जुड़ा है। इस शो नोटिस जारी हुआ है. इस नोटिस में 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' पर नोबेल पुरस्कार विजेता रवींद्रनाथ टैगोर की विरासत को धूमिल करने और सांस्कृतिक और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का आरोप है। बोंगो भाषी महासभा फाउंडेशन (बीबीएमएफ) के अध्यक्ष ने अपने कानूनी सलाहकार नृपेंद्र के माध्यम से चिंता जताई है। उन्होंने शो पर सांस्कृतिक पहलुओं को गलत तरीके से पेश करने और रवींद्रनाथ टैगोर की विरासत को कमतर आंकने का आरोप लगाया है। 1 नवंबर को मंडल की ओर से जारी कानूनी नोटिस में कहा गया है कि यह सीरीज न केवल नोबेल पुरस्कार विजेता की विरासत को धूमिल करती है, बल्कि धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचा रही है।

सलमान खान की टीम ने दी सफाई

नेटफ्लिक्स पर आने से पहले इस शो को सलमान खान प्रोड्यूस कर रहे थे। सलमान खान के प्रोडक्शन हाउस को कानूनी नोटिस मिलने की खबरों के बीच, कंपनी ने किसी भी तरह की नेटफ्लिक्स शो के साथ भागीदारी से इनकार किया है। जारी बयान में कहा गया है कि हम नेटफ्लिक्स पर 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' से जुड़े नहीं हैं। कुछ लोग रिपोर्ट कर रहे हैं कि सलमान खान एसकेटीवी को भी नोटिस मिला है, जो गलत है। प्रोडक्शन हाउस अब नेटफ्लिक्स पर प्रसारित होने वाले शो के किसी भी संचालन से जुड़ा नहीं है और किसी भी तरह से कानूनी नोटिस से प्रभावित नहीं है। कपिल शर्मा 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' अपने दूसरे सीजन के साथ ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर आ रहा है। इसका प्रीमियर इस साल 21 सितंबर को हुआ। इस शो में अर्चना पूरन सिंह, सुनील ग्रोवर, कृष्णा अभिषेक, कीकू शारदा और राजीव ठाकुर भी शामिल हैं।

ऋतिक रोशन से जूनियर एनटीआर तक, इन फिल्मों में साथ दिखेंगे बॉलीवुड व साउथ के सितारे

मुंबई। आने वाले दिनों में कई बड़ी फिल्में दर्शकों के बीच आने वाली हैं। हिंदी फिल्मों के साथ-साथ साउथ की कुछ फिल्मों को लेकर भी दर्शक बेहद उत्साहित हैं। एक ओर जहां साउथ के बड़े सितारे बॉलीवुड का रुख कर रहे हैं, वहीं हिंदी सिनेमा के कलाकार भी साउथ की फिल्मों में धमाल मचाते दिख रहे हैं। आइए आने वाली उन फिल्मों के बारे में जानें, जिनमें साउथ और बॉलीवुड सितारे साथ दिखेंगे।

'डाकू महाराजा' और 'दलपति 69'

दक्षिण भारतीय सिनेमा के जाने-माने अभिनेता नंदामुरी बालकृष्ण इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'डाकू महाराजा' को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। इसमें वह डाकू बनकर पर्दे पर धमाल मचाएंगे, वहीं बॉबी देओल इस फिल्म में विलेन बने हैं। 'डाकू महाराज' में उर्वशी रौतेला भी नजर आएंगी। दूसरी ओर बॉबी थलापति विजय की आखिरी फिल्म 'दलपति 69' में भी अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगे। यह फिल्म अगले साल अक्टूबर, 2025 में रिलीज होगी।

'वॉर 2'

ऋतिक रोशन की 'वॉर' ने बॉक्स ऑफिस पर खूब धमाल मचाया था। अब इस फिल्म की दूसरी किस्त 'वॉर 2' दर्शकों के बीच आ रही है। इस फिल्म से 'देवरा' स्टार जूनियर एनटीआर बॉलीवुड में कदम रख रहे हैं। फिल्म में ऋतिक और एनटीआर एक-दूसरे के आमने-सामने होंगे। दोनों के बीच जबरदस्त भिड़ंत देखने को मिलेगी। बताया जा रहा है कि इस फिल्म में शाहरुख खान कैमियो करते नजर आएंगे। इसमें उनका 'पठान' वाला अवतार नजर आएगा।

'कुली'

रजनीकांत की फिल्म 'कुली' भी काफी चर्चा में है। श्रुति हासन भी इस फिल्म का हिस्सा हैं, लेकिन प्रशंसकों का उत्साह सातवें आसमान पर तब पहुंच गया, जब आमिर खान से इस फिल्म के लिए संपर्क किया गया। फिल्म में आमिर का किरदार छोटा, लेकिन दिलचस्प होगा। इस फिल्म के निर्देशन की कमान लोकेश कनगराज ने संभाली है। आमिर और रजनीकांत आखिरी बार 1995 में फिल्म 'आतंक ही आतंक' में एक साथ दिखाई दी थी, जिसमें जूही चावला भी थीं।

'बंदिश बैंडिट्स 2' का पहला गाना 'घर आ माही' जारी

मुंबई। साल 2020 में रिलीज हुई अमेजन प्राइम वीडियो की लोकप्रिय वेब सीरीज 'बंदिश बैंडिट्स' को दर्शकों का खूब प्यार मिला था। इसमें ऋत्विक भौमिक और श्रेया चौधरी की जोड़ी नजर आई थी। 'बंदिश बैंडिट्स' के दूसरे सीजन का ऐलान पहले ही हो चुका है और अब निर्माताओं ने 'बंदिश बैंडिट्स 2' का पहला गाना 'घर आ माही' जारी कर दिया है। इस गाने को निखिता गांधी ने अपनी आवाज दी है, वहीं इसके बोल शुभम शिरुले ने लिखे हैं।

कब और कहां रिलीज होगी वेब सीरीज

'बंदिश बैंडिट्स 2' का प्रीमियर 13 दिसंबर, 2024 से अमेजन प्राइम वीडियो पर होने जा रहा है। इस सीरीज में एक बार फिर शीबा चड्ढा, अतुल कुलकर्णी, राजेश तैलंग और कुणाल रॉय कपूर जैसे कलाकारों की वापसी भी होगी। इस सीरीज में कुछ नए कलाकार भी शामिल होंगे, जिनमें दिव्या दत्ता, रोहन गुरबक्सानी, यशस्विनी दयामा, आलिया कुरैशी और सौरभ नैय्यर का नाम शामिल हैं। यह सीरीज अमृतपाल सिंह बिंद्रा द्वारा निर्मित और आनंद तिवारी द्वारा निर्देशित है।

श्रद्धा कपूर से पहले ये अभिनेत्रियां भी बनीं फिल्मों के लिए नागिन

मुंबई। श्रद्धा कपूर 'स्त्री 2' के बाद फिर बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने की तैयारी में हैं। उनकी फिल्म 'नागिन' की शूटिंग शुरू होने वाली है। पहले खबरें आ रही थीं कि फिल्म को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है। हालांकि, अब निर्माता निखिल द्विवेदी ने खुलासा किया है कि स्क्रिप्ट तैयार है और शूट भी जल्द शुरू होगा। इसी बीच आइए हम आपको बताते हैं उन अभिनेत्रियों के बारे में, जिन्होंने नागिन बनकर दर्शकों को अपना मुरीद बना लिया।

रेखा

साल 1990 में आई फिल्म 'शेषनाग' में ग्लैमरस अभिनेत्री रेखा ने नागिन का किरदार निभाते हुए नजर आईं। फिल्म 2 इच्छाधारी नाग पर आधारित थी जिसमें रेखा के साथ अभिनेता जितेंद्र मुख्य भूमिका में नजर आए थे। उसी वक्त रेखा के पति मुकेश अग्रवाल का निधन हो गया था और रेखा के इस फिल्म में नजर आने के चलते दर्शकों की नजरों में उनकी एक नकारात्मक छवि बन गई थी। आप 'शेषनाग' का लुत्फ जी5 पर उठा सकते हैं।

रीना रॉय

वर्ष 90 के दशक की अभिनेत्री रीना रॉय को असल में लोग नागिन बनने के बाद ही जानने लगे थे। उन्होंने फिल्म 'नागिन' में यह किरदार निभाया था। यही वो फिल्म थी, जिसने रीना को रातों-रात स्टार बना दिया था। इस फिल्म के बाद अचानक रीना के प्रशंसकों की संख्या में इजाफा हुआ था। फिल्म में सुनील दत्त, फिरोज खान, संजय खान, रेखा और मुमताज जैसे उस दौर के कई बड़े कलाकार शामिल थे। यह फिल्म यूट्यूब पर है।

मनीषा कोइराला

अभिनेत्री मनीषा कोइराला ने भी बड़े पर्दे पर नागिन बनकर दर्शकों को अपना दीवाना बनाया था। फिल्म 'जानी दुश्मन' में उनका नागिन अवतार देखने को मिला था। इस फिल्म में सनी देओल, सुनील शेट्टी, राज बब्बर, सोनू निगम, आदित्य पंचोली, आफताब शिवदासानी और अरशद वारसी जैसे कलाकार भी थे। हालांकि, यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह पिट गई थी। फिल्म से निर्माताओं को भारी नुकसान झेलना पड़ा था। यह फिल्म यूट्यूब पर देखी जा सकती है।

श्रीदेवी

मशहूर अभिनेत्री श्रीदेवी ने साल 1986 में फिल्म 'नगीना' में रजनी नाम की एक इच्छाधारी नागिन की भूमिका निभाई थी। इस फिल्म में अमरीश पुरी खलनायक बने थे। उस वक्त यह फिल्म सुपर-डुपरहिट हुई थी। आज भी नागिन नाम सुनते ही श्रीदेवी का सफेद कपड़े पहने 'मैं तेरी नागिन' गाने पर डांस करते हुए उनकी झलक आंखों के सामने आ जाती है। नागिन डांस भी इसी फिल्म से लोकप्रिय हुआ था। यह फिल्म अमेजन प्राइम वीडियो पर मौजूद है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक धीरज कुमार जैन द्वारा यूथ की आवाज प्रिंटर्स विश्वकर्मा गार्डन के पीछे, तितरड़ी, उदयपुर, राजस्थान से मुद्रित एवं विश्वकर्मा गार्डन के पीछे, तितरड़ी, उदयपुर, राजस्थान से प्रकाशित। संपादक : विवेक भटनागर (इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन हेतु पीआरबी अधिनियम की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी) समस्त विवाद उदयपुर न्यायालय के अधीन। मोबाईल नं. :- 8077704115, ई-मेल :- youthkiawazudr@gmail.com Web : www.youthkiawaz.co.in आर.एन.आई. RAJHIN/2021/81652.